रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:95 | गुरूवार, 11 दिसंबर

Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

श्रद्धालुओं की बस ट्रक से टकराई, 4 की मौत

एजेंसी

अहमदाबाद : गुजरात के श्रद्धालुओं के लिए राजस्थान से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। सीकर जिले के फतेहपुर के पास मंगलवार देर रात खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए जा रही वलसाड (गुजरात) की स्लीपर बस की ट्रक से भीषण टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 28 लोग घायल हुए हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस भीषण हादसे में बस यात्री मयंक पटेल निवासी वलसाड और बस ड्राइवर कमलेश चौधरी निवासी डूंगरी महुआ, सूरत की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य यात्री की मृतक की पहचान अमित के रूप में हुई है जो बागड़ झुँझुनू का बताया जा रहा है। वहीं, बस कंडक्टर मितेश को गंभीर हालत में सीकर के एसके हॉस्पिटल से जयपुर रेफर किया गया था, लेकिन बुधवार सुबह इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। कुल 28 लोग घायल हुए थे, जिनमें से 7 की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

लैंडिंग के दौरान ट्रेनी विमान हादसे का शकार, पायलट घायल

सागर : मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित ढाना हवाई पट्टी पर एक इंजन का छोटा ट्रेनी विमान उस हादसे का शिकार हो गया, जब वह रनवे पर उतर रहा था। लैंडिंग के दौरात अनियंत्रित होने के बाद विमान (एयरक्राफ्ट) की नोज जमीन से आ टकराई। हवाई पट्टी पर मौजूद कर्मचारी तुरंत दौड़े और पायलट को बाहर निकाला। विमान में दो पालट सवार थे, जिन्हें एम्बुलेंस से मेडिकल रूम में भेजा गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है। हादसा बुधवार दोपहर करीब तीन बजे हुआ। चाइम्स एविएशन एकेडमी के इस एयरक्राफ्ट को ट्रेनी पायलट उड़ा रहे थे।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के लिए दिल्ली में अमेरिकी दल

नई दिल्ली/जयपुर : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत आगे बढ़ रही है। टैरिफ मुद्दों पर बातचीत के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर है। अमेरिका के ट्रेड पर नवनियुक्त डिप्टी ट्रेड प्रतिनिधि एंबेसडर रिक स्विट्जर इसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

चतरा : प्रखंड टंडवा चतरा जिला के सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में टंडवासि मरिया रोड और पिपरवार रोड आज एक्सीडेंट जोन बन चुके हैं। सीसीएल की आम्रपाली-मगध परियोजना शुरू होने के बाद पिछले एक दशक में 1500 से अधिक लोगों की सड़क दुर्घटनाओं मेंमौत हो चुकी है और अनगिनत लोग घायल हुए हैं।

झारखंड लोकभवन का नाम 'बिरसा भवन' रखेगी सरकार

संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र के 'लोकभवन' नाम को किया खारिज

संवाददाता

बुधवार को झारखंड विधानसभा कृषि कालीन सत्र के चौथे दिन उस समय जोरदार हलचल शुरू हो गई, जब वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रांची स्थित राजभवन का नाम 'बिरसा भवन' और उपराजधानी दुमका के राजभवन का नाम 'सिदो-कान्हू भवन' करने का प्रस्ताव सदन के पटल पर रख दिया। मंत्री ने केंद्र द्वारा 3 दिसंबर को जारी अधिसूचना, जिसमें देशभर के राजभवनों का नाम बदलकर 'लोकभवन' करने का निर्देश दिया गया था, को सिरे से खारिज कर दिया। राधाकृष्ण किशोर ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि राजभवन राज्य सरकार की संपत्ति है। इसका

- उप राजधानी दुमका स्थित लोकभवन का नाम सिदो-कान्हू के नाम पर रखा जाएगा
- प्रस्ताव को जल्द दिलाई जाएगी कैबिनेट की मंजूरी, फिर जारी होगीअधिसूचना
- विपक्ष के सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव का किया मौन समर्थन

निर्माण, रख-रखाव और संचालन राज्य सरकार के पैसे से होता है। संविधान के अनुच्छेद 154 के तहत राज्य की कार्यकारी शक्ति गवर्नर में निहित होती है, इसलिए उनका कार्यालय भी राज्य कार्यालय है। राज्य सरकार को ही अपनी संपत्ति का नामकरण करने का पूर्ण अधिकार है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति की बात सही है, लेकिन नाम बदलते समय राज्य के महान स्वतंत्रता सेनानियों और आदिवासी नायकों को सम्मान देना भी जरूरी है।

एक विधेयक पास, चार पुराने बिल वापस

झारखंड विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र के चौथे दिन चार निजी विश्वविद्यालय विधेयक वापस लिए गए। झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन संशोधन विधेयक 2025 सदन में पारित हो गया। जो विधेयक वापस लिए गए, उनमें दो अगस्त 2023 को पारित सीवी रमण ग्लोबल विश्वविद्यालय विधेयक, आरोग्यम इंटरनेशनल विश्वविद्यालय विधेयक, 21 मार्च 2023 को पारित जैन विश्वविद्यालय विधेयक और 20 दिसंबर 2023 को पारित शाइन नेशनल विश्वविद्यालय विधेयक शामिल हैं। ये विधेयक निजी विवि की स्थापना के मापदंडों और प्रक्रिया परिवर्तन के आलोक में वापस लिए गए। स्पीकर ने कहा कि पांच दिसंबर से अब तक 12 निवेदन स्वीकृत किए गए हैं,

झारखंड भवन में ठहरने का मामला

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने दिल्ली स्थित झारखंड भवन में ठहरने का मामला उठाया। बताया कि मंत्रिमंडल सचिवालय निगरानी विभाग के एक आदेश में कहा गया है कि दिल्ली के झारखंड भवन में उन्हीं लोगों को कमरा मिलेगा, जो माननीय के सगे-संबंधी होंगे। उन्होंने इस आदेश को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही आदेश को वापस लेने की भी बात कही। बाबूलाल मरांडी ने इस आदेश को हास्यास्पद भी कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ. रामेश्वर उरांव ने आलोक दुबे और लालकिशोर नाथ शाहदेव को ठहराने के लिए संबंधीबनाकर अनुशंसा की।

संसद में वंदे मातरम और चुनाव सुधार पर गरमा-गरमी, राहुल का शाह को डिबेट का चैलेंज

गृहमंत्री बोले- मैं तय करूंगा, क्या बोलना है राहुल ने कहा- ये डरा, घबराया हुआ जवाब

संवाददाता

नई दिल्ली : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बुधवार को लोकसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा का जवाब दे रहे हैं। अपने भाषण की शुरूआत करते हुए शाह ने कहा कि चुनाव सुधार पर चर्चा से बीजेपी के लोग भागते नहीं है। इस पर सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी सीट से खड़े हुए और शाह से कहा कि मैं आपको चैलेंज करता हूं। राहुल गांधी ने अमित शाह से कहा कि मैं आपको चैलेंज करता हूं कि आप मेरी वोट चोरी की तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा करें। इस पर शाह ने कहा कि मैं 30 साल से विधानसभा से और लोकसभा से चुनकर आ रहा हूं। मुझे संसदीय प्रणाली का लंबा अनुभव है। विपक्ष के नेता महोदय कहते हैं कि पहले मेरी बात का जवाब आप दीजिए। मैं सुनाना चाहता हूं कि आपके हिसाब से संसद नहीं चलेगी। मेरे

बोलने का क्रम मैं तय मैं करूंगा, इस तरीके से संसद नहीं चलेगी। शाह ने कहा कि उन्हें धैर्य रखना चाहिए मेरा जवाब सुनने का। एकएक बात का जवाब दिया जाएगा, पर मेरे भाषण का क्रम वो तय नहीं कर सकते। ये मैं तय करूंगा कि कैसे जवाब देना है। मैं सभी जवाब दूंगा। मेरे भाषण का क्रम मैं तय करूंगा, नेता प्रतिपक्ष नहीं। मैं उनके उकसावे में नहीं आऊंगा, मैं अपने भाषण का क्रम मैं तय करूंगा। सोनिया जी पर जवाब इनको अदालत में देना है यहां क्यों दे रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि ये डरा हुआ, घबराया हुआ रिस्पॉन्स है। सच्चा रिस्पॉन्स नहीं है। अमित शाह ने कहा कि मैं उनके माथे पर चिंता की लकीरें साफ देख रहा हूं कि क्या बोलूंगा। उनके उकसावे में नहीं आऊंगा, अपने क्रम से बोलूंगा। इस पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सोनिया गांधी ने उस चुनाव में वोट तक नहीं दिया था। भ्रामक बयान दिए जा रहे हैं। मैं इसे चुनौती देता हूं कि क्या आप इसे सिद्ध कर सकते हैं। अमित शाह ने कहा कि हम सबका साझा दायित्व है। हम लोगों का पौना जिंदगी ही विपक्ष में चला गया। हमने कभी चुनाव आयोग पर आरोप नही लगाए। एक नया पैटर्न फैला, ममता जी ने आयोग पर आरोप लगाए, स्टालिन जी ने लगाए, राहुल गांधी, खड़गे जी ने, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन फिर भगवंत मान जी ने लगाए। पहले ये परंपरा सिर्फ कांग्रेस में थी और अब पूरे इंडी अलयांस में आ गई है। अगर मतदाता सूची करप्ट है तो आपने शपथ क्यों ली।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हम बीजेपी वाले, एनडीए वाले चर्चा से कभी नहीं भागते। हम सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है।

राहुल-शाह के बीच की बहस

अमित शाहः विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) की तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस का जवाब दूंगा। एक सादी वाली, एक एटम बम वाली और एक हाइड्रोजन बम वाली। हर सवाल का जवाब दूंगा। राहुल गांधी ने उन्हें बीच में टोका। .. राहुल गांधीः शाह जी मैं आपको चैलेंज करता हूं। आप मेरी वोट चोरी की तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा करें। .. शाह (तेज आवाज में): 30 साल से संसद या विधानसभा में चुनकर आ रहा हूं। ऐसा कभी नहीं हुआ। मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। आप नहीं। .. राहुल गांधीः शाह जी का रिस्पॉन्स पूरी तरह से घबराया हुआ है। डरा हुआ रिस्पॉन्स है। .. इस पर शाह बोलेः मैं उनके उकसावे पर नहीं आऊंगा।

एसआईआर सूची से 65 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है

संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने बताया कि झारखंड में वर्तमान मतदाता सूची का विगत एसआईआर सूची से 65 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रक्रिया 70 प्रतिशत से अधिक पूरी हो गई है। उन्होंने शहरी मतदाताओं से अपील की कि वे अपने नाम की खोज और सत्यापन में सक्रिय सहयोग दें। सीईओ ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ट्यूटोरियल वीडियो जारी किया गया है, जिसकी मदद से लोग भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट या संबंधित राज्य के सीईओ पोर्टल पर जाकर विगत एसआईआर सूची में अपना नाम खोज सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं को मैपिंग में कठिनाई हो रही है या जो अन्य राज्यों से आए हैं, वे अपने राज्य के सीईओ वेबसाइट का उपयोग कर विवरण ढूंढ सकते हैं। सीईओ ने यह भी बताया कि जिनका नाम नहीं मिल पा रहा है, वे 1950 हेल्पलाइन पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक

वर्तमान मतदाता सूची का विगत एसआईआर सूची से 65 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रक्रिया 70 प्रतिशत से अधिक पूरी हो गई है।

पैतृक मैपिंग से एसआईआर के दौरान कम दस्तावेज देने पड़ेंगे और प्रक्रिया आसान होगी। साथ ही निर्देश दिया कि एसआईआर के दौरान कोई भी योग्य मतदाता सूची से छूटने न पाए।

शहीदों की नई पहचान के लिए बने ज्यूडिशियल कमीशन

शीतकालीन सत्र: जेएमएम विधायक दशरथ गगराई की मांग पर सरकार ने जल्द कार्रवाई का दिया भरोसा

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बुधवार को खरसावां गोलीकांड को लेकर एक बार फिर न्यायिक जांच आयोग की मांग गूंजी। झामुमो विधायक दशरथ गागराई ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत कहा कि 1 जनवरी 1948 को हुए इस गोलीकांड में आदिवासी समाज के अनगिनत लोग शहीद हुए थे, लेकिन अब तक उनकी पूरी तरह पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि गृह विभाग के निर्देश पर 2015 में सरायकेला- खरसावां जिला प्रशासन ने एक समिति गठन की थी। समिति ने विस्तृत जांच के बाद केवल दो

व्यक्तियों कृ स्व. डोलो सो और स्व. सिंग्र बोदरा कृ को शहीद के रूप में चिन्हित किया था और सरकार ने उनके परिजनों को अनुग्रह राशि दी। हालांकि समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह स्पष्ट लिखा कि घटना की सच्चाई सामने लाने और सभी शहीदों की पहचान के लिए एक न्यायिक आयोग आवश्यक है। विधायक गागराई ने कहा कि खरसावां गोलीकांड स्वतंत्र भारत का पहला सबसे बड़ा नरसंहार माना जाता है, जिसे कोल्हान क्षेत्र में आज भी शोक दिवस के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज तक किसी सरकारी दस्तावेज में पीड़ितों की वास्तविक संख्या दर्ज नहीं है, जबकि स्थानीय लोगों कीमानें तो शवों से भरे कुएं, पहाड़ों में फेंके गए घायल और हजारों की भीड़ इस त्रासदी के प्रमाण हैं। गृह विभाग की ओर से जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि खरसावां गोलीकांड न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश के आदिवासी इतिहास का प्रतीक है।

भारत ने 9 साल का सूखा किया खत्म, 11 मिनट में चार गोल कर अर्जेंटीना को दी 4-2 से मात

भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में जीता ब्रांज मेडल

,एजेंसी

नई दिल्ली : चेन्नई में बुधवार को जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में खेले गए तीसरे स्थान के प्लेऑफ में भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बाद रोमांचक वापसी करते हुए अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। इस जीत के साथ भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में मेडल जीतने का सूखा समाप्त किया। भारत ने अपना आखिरी खिताब नौ साल पहले 2016 में लखनऊ में जीता था। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को पछाड़ दिया। 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरे स्थान के प्लेऑफ में अर्जेंटीना को मात दी। भारत के लिए

अंकित पाल (48वें मिनट), मनमीत सिंह (51वें मिनट), श्रद्धा नंद तिवारी (56वें मिनट) और अनमोल एक्का (57वें मिनट) ने गोल दागे। भारत ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, अर्जेंटीना की तरफ से निकोलस रोड्रिगेज (2वें मिनट) और सैंटियागो फर्नांडीज (43वें मिनट) ने गोल दागे। इस जीत के साथ भारत का टूनामेंट में लगातार चौथे स्थान पर रहने का सिलसिला टूट गया। टूनामेंट के इतिहास में यह पहली बार है जब भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

बैठक: सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ के निदेशक मंडल की चौथी बैठक,

किसानों को मजबूत बाजार व्यवस्था देना सरकार की प्राथमिकता

संवाददाता

रांची : सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड विधानसभा परिसर में सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड) के निदेशक मंडल की चौथी बैठक हुई। बैठक में कृषि और वनोपज से जुड़ी योजनाओं, किसानों की आय बढ़ाने, प्रशिक्षण व्यवस्था सुदृढ़ करने और डिजिटल सुविधाओं को मजबूत बनाने जैसे कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खेती और वनोपज से आमदनी बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि किसानों को फसलों का उचित मूल्य समय पर मिले और उन्हें आधुनिक

तकनीक से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। सीएम ने कहा कि सरकार किसान को खेती के हर चरण में सहयोग देरही है। उत्पादन से लेकर भंडारण, प्रसंस्करण और बिक्री तक उन्हें हर तरह से सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य समय पर मिलना जरूरी है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने जल संरक्षण पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेक डैम और ग्रामीण जल संरचनाओं की देखरेख स्थानीय किसानों के समूह या जलसहिया समितियों को सौंपी जाए, ताकि जिम्मेदारी भी तय हो और पानी का बेहतर उपयोग भी हो सके।बैठक में सीएम ने एक विशेष मोबाइल ऐप तैयार करने का निर्देश दिया। यह ऐप किसानों को बाजार की जानकारी, फसल से जुड़ा अपडेट, बीज और अन्य संसाधनों की उपलब्धता जैसी सुविधाएं एक ही जगह देगा। उन्होंने विभाग को एक स्थानीय कृषि पोर्टल भी विकसित करने को कहा, ताकि उपभोक्ता सीधे किसानों से उत्पाद खरीद सकें।

इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और किसानों की कमाई बढ़ेगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 160 स्टेशनों का हुआ पुनर्विकास : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली : सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 160 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य पूरा हो चुका है। प्रश्नकाल के दौरान तेलंगाना के आदिलाबाद से भाजपा के सदस्य गोडम नागेश के रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रश्न पर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में सात हजार से अधिक रेलवे स्टेशन हैं, जिनका श्रेणीकरण फुटफॉल, ट्रेन आवागमन और व्यस्तता के आधार पर एनएसजी-1 से एनएसजी-6 तक किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टेशन पुनर्निर्माण कार्यक्रम है। इस योजना के तहत 1300 से अधिक स्टेशनों पर पुनर्निर्माण कार्य जारी है, जिनमें से 160 स्टेशन पूरी तरह विकसित किए जा चुके हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि पहले केवल रंगाई-पुताई को ही स्टेशन विकास माना जाता था, लेकिन अब 50 वर्षों की भविष्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इसमें स्थानीय वास्तुकला का समावेशन, दोनों ओर से स्टेशन तक आसान पहुंच, आधुनिक फुटओवर ब्रिज, बड़े पैसेंजर हॉल, पार्किंग क्षेत्रों का विकास तथा स्टेशन एक्सेस को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में छठ और दीपावली के दौरान यात्रियों की भीड़ को सुव्यवस्थित करने के लिए नई दिल्ली स्टेशन से शुरू किए गए बड़े होल्डिंग एरिया की व्यवस्था को 50-60 स्टेशनों तक विस्तारित किया गया, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिली।रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रश्नों पर लोकसभा में चर्चा के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि स्टेशन पुनर्विकास अत्यंत जटिल प्रक्रिया है, जिसमें ट्रैफिक रोके बिना बड़े स्तर पर निर्माण कार्य करना शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आजादी के बाद पहली बार इस तरह का व्यापक स्टेशन रीडेवलपमेंट कार्य हाथ में लिया गया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि चंडीगढ़ जैसे स्टेशनों पर भारी निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन ट्रैफिक को बंद नहीं किया गया। जबकि कई देशों में स्टेशन पुनर्विकास के दौरान तीन-चार वर्षों तक ट्रैफिक रोक दिया जाता है, परंतु भारत में भारी यातायात के चलते ऐसा संभव नहीं है।

रांची में सफाई व्यवस्था होगी हाई-टेक : हर घर का कचरा उठेगा डिजिटल प्रमाण के साथ

रांची, संवाददाता ।

रांची नगर निगम शहर को स्मार्ट और साफ बनाने के लिए बड़ा कदम उठा रहा है. अब कचरा उठाने की पूरी व्यवस्था हाई-टेक सिस्टम से चलेगी, ताकि ये सिर्फ कहा न जाए कि सफाई हुई–बल्कि उसका पूरा डिजिटल सबूत भी रहेगा. आज नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में एक बड़ी बैठक हुई, जिसमें शहर में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम और RFID आधारित हाउस-टू-हाउस स्कैनिंग सिस्टम को लागू करने पर विस्तृत चर्चा की गई. यह व्यवस्था सफाई को पूरी तरह पारदर्शी, तेज और मॉनिटरड बनाएगी.

प्रशासक सुशांत गौरव ने कहा कि VTS और RFID का संयुक्त उपयोग रांची की सफाई व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाएगा. यह सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि प्रशासन और नागरिकों के बीच भरोसे को मजबूत करने वाला बड़ा कदम है. बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, नगर प्रबंधक, स्वच्छता कॉरपोरेशन और PMC टीम के विशेषज्ञ मौजूद थे.

RFID टैग से हर घर की सफाई का रिकॉर्ड

- हर घर, दुकान और संस्थान पर एक यूनिक RFID टैग लगाया गया है. कचरा गाड़ी में लगा रीडर इसे स्कैन करेगा.
- इससे नागरिकों को कई फायदे मिलेंगे
- रोजाना पता चलेगा कि उनके घर से कचरा कब उठाया गया.
- अगर स्कैन छूट गया, तो सिस्टम खुद अलर्ट भेज देगा.
- किसी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई होगी क्योंकि पूरा डेटा डिजिटल में रहेगा.
- कागज-पेन या साइन कराने वाली पुरानी झंझटें खत्म.
- नागरिकों के लिए बड़ा फायदा
- अब कूड़ा उठा या नहीं? ये अनुमान नहीं–पूरी डिजिटल जानकारी मिलेगी.
- शिकायत करने पर तुरंत समाधान.
- अपने इलाके की सफाई व्यवस्था डैशबोर्ड पर खुद देख सकेंगे.
- पारदर्शिता बढ़ने से शिकायतें कम होंगी और भरोसा बढ़ेगा.
- अब हर कचरा गाड़ी होगी LIVE मॉनिटर पर
- VTS तकनीक से शहर की हर कचरा गाड़ी की निगरानी होगी–
- गाड़ी समय पर पहुंची या नहीं–सब पता चलेगा.

झारखंड में अबुआ आवास पर सदन में उठा सवाल, मंत्री बोलीं- पीएम आवास की राशि बढ़ाए केंद्र सरकार

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा के चौथे दिन प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो ने अबुआ आवास का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि गरीब लोगों ने अपनी झुग्गी-झोपड़ी तोड़कर अबुआ आवास का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भुगतान नहीं होने से निर्माण अधूरा है. लोग सड़कों पर रहने को विवश हैं. लिहाजा, सरकार को बताना चाहिए कि मामला कहां लटका हुआ है. आगे की किस्त क्यों नहीं जारी की जा रही है. जवाब में ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अबुआ आवास की स्थिति से जुड़ा ब्योरा साझा किया.

वितीय वर्ष 2023-24 और 2-24-25 का स्टेट्स

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में अबुआ आवास योजना के तहत 6 लाख 50 हजार आवास निर्माण का लक्ष्य रखा गया था. इसके विरुद्ध कुल 6 लाख 33 हजार 94 आवास योजनाओं को स्वीकृति दी गई. अब तक 4 लाख 92 हजार 464 लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि 4 लाख 14 हजार 444 को द्वितीय किस्त की राशि और 2 लाख 46 हजार 358 लाभुकों को तृतीय किस्त की राशि निर्गत की गई है. अब तक कुल 1 लाख 64 हजार 154 आवास का निर्माण पूर्ण हो गया है.

वर्तमान वित्तीय वर्ष में अबुआ आवास का स्टेट्स

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3 हजार करोड़ का उपबंध किया गया है. इसके एवज में अब तक 1200 करोड़ रुपये जिलों को उपलब्ध करा दिया गया है. अगर सदस्य के पास कोई जानकारी है कि किसी को राशि नहीं मिल रही है तो इसकी जांच करा ली जाएगी. इस वर्ष प्रथम किस्त सिर्फ 1,281 लोगों को दी गई है. द्वितीय किस्त 1,80,919 आवास के लिए जारी हुई है. तृतीय किस्त 1,27,290 आवास के लिए दी गई है. करीब 37 हजार लाभुकों को चौथी किस्त की राशि दे दी गई है. जैसे-जैसे निर्माण कार्य पूरा हो रहा है, उसी आधार पर राशि निर्गत की जा रही है. राज्य सरकार भी जरुरतमंदों को आवास देना चाहती है. इस दिशा में काम चल रहा है.

केंद्र से पीएम आवास की राशि बढ़ाने की मांग

इसपर भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने पूछा कि क्या 2025-26 में अबुआ आवास का आवंटन बंद हो गया है. इस नौ माह में कितने लोगों को अबुआ मिला है. उन्होंने कहा कि बहुत से लाभुकों को पहली किश्त मिल गई है, लेकिन बहुत से लोगों को दूसरी किस्त नहीं मिली है. जवाब में मंत्री ने कहा कि ये लोग भी अब अबुआ आवास की मांग कर रहे हैं. वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास देना बंद कर दिया गया था. इससे सभी अवगत हैं. पिछले एक साल के प्रयास से प्रधानमंत्री आवास देने का काम चुनाव बाद शुरू हुआ है. अब प्रधानमंत्री आवास कोई लेना नहीं चाहता है. हमलोगों ने केंद्रीय मंत्री से मांग रखी है कि जिस तरह झारखंड में अबुआ आवास के लिए 2 लाख रुपये दिए जा रहे हैं उसी तरह प्रधानमंत्री आवास के लिए भी 2 लाख रुपये प्रति आवास दिए जाएं. इससे बड़ी परेशानी खत्म हो जाएगी. उन्होंने कहा कि अबुआ आवास के लिए झारखंड में 24 लाख आवेदन आए हैं.

रांची-वाराणसी वंदे भारत ट्रेन व नई मेमू सेवा पर दक्षिण पूर्व रेलवे ने दिया जवाब

रांची, संवाददाता ।

रांची से वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस के समय में बदलाव और रांची से लोहरदगा सेक्शन में नई मेमू ट्रेन चलाने को लेकर ९१४ के सदस्य अरुण जोशी ने दक्षिण पूर्व रेलवे को पत्र लिखा था, जिसके जवाब में दक्षिण पूर्व रेलवे ने बताया कि प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है. रेलवे ने कहा कि रांची-वाराणसी वंदे भारत (20887/20888) का प्रस्ताव जून 2024 में बोर्ड को भेजा गया था. लेकिन अब तक बोर्ड से कोई निर्णय नहीं लिया है. इस कारण यह प्रस्ताव फिर से 4 दिसंबर को रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है. साथ ही रेलवे ने नई मेमू ट्रेन (13503/13504) बर्द्धमान-हटिया मेमू का विस्तार को लेकर कहा कि इस मेमू ट्रेन को लोहरदगा, टोरी, टाटीसिलवे, नामकुम और डलमा तक चलाने का प्रस्ताव मार्च 2024 में बोर्ड को भेजा गया था. लेकिन इसपर भी बोर्ड की ओर से अभी तक कोई आदेश नहीं मिला है. यह प्रस्ताव भी 4 दिसंबर को वापस से भेज दिया गया है. रेलवे ने आशा जताई है कि जल्द ही इन प्रस्तावों पर निर्णय लिया जायेगा.

रांची में लोकभवन के सामने कुशवाहा महासभा का धरना, सात सूत्री मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में पिछड़े समुदाय के लोगों के लिए सरकारी नौकरियां, शैक्षणिक संस्थानों में 27% आरक्षण, कृषि को उद्योग का दर्जा देने सहित सात सूत्री मांगों के समर्थन में आज झारखंड कुशवाहा महासभा के बैनर तले बड़ी संख्या में कुशवाहा समाज के लोगों ने लोकभवन (पूर्व में राजभवन) के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया. इस धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो ने किया.उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद साजिश रचकर पिछड़ों का आरक्षण 27% से घटाकर 14% कर दिया गया. राज्य गठन के बाद ओबीसी की हकमारी और मनमानी शुरू हो गया है. अब राज्य के ओबीसी में जागरुकता आयी है और राज्य का कुशवाहा समाज इस आंदोलन का नेतृत्व करेगा. सड़क से लेकर सदन तक हक की लड़ाई लड़ी जाएगी. लोकभवन के समक्ष आज के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं.

मांगें पूरी नहीं हुई तो ओबीसी समाज करेगा प्रदर्शन- भुनेश्वर प्रसाद मेहता

हजारीबाग से सीपीआई के सांसद रहे भुनेश्वर प्रसाद मेहता भी आज झारखंड कुशवाहा महासभा के धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए. इस दौरान पूर्व सांसद ने कहा कि राज्य में आदिवासियों का आरक्षण बढ़ाया गया. उससे उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन राज्य बनने के बाद ही झारखंड में ओबीसी का आरक्षण 27% से घटाकर 14% कर देना सही नहीं था. भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के साथ-साथ राज्य में रघुवर सरकार के समय में बनाई गई लैंड बैंक को समाप्त करने, कृषि को उद्योग का दर्जा देने, भूमि अधिग्रहण कानून 2013 को अक्षरशः लागू करने जैसी मांगें अगर पूरी नहीं की गई तो आनेवाले दिनों में रांची के मोरहाबादी मैदान में विशाल महारैली की जाएगी.

झारखंड कुशवाहा महासभा की ये हैं मुख्य मांगें

- झारखंड में पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की सीमा 14% से बढ़ाकर 27% की जाए. साथ ही राज्य के जिन जिलों में आरक्षण आंशिक रूप से लागू है या शून्य है वहां भी समान रूप से 27% आरक्षण लागू किया जाए.
- कृषि को उद्योग का दर्जा प्रदान किया जाए, ताकि कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन मिल सके और कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार हो. इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और कृषि उत्पादों में मूल्य वर्धन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी.
- भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को राज्य में पूर्ण रूप से लागू किया जाए और उपजाऊ जमीन को अधिग्रहण से मुक्त रखा जाए.
- विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, रोजगार और मुआवजा हेतु पृथक नीति बनाई जाए और एक स्वतंत्र आयोग का गठन किया जाए.
- उद्योगों की स्थापना हेतु जिन भूमिधारकों की भूमि अर्जित की गई है अथवा भविष्य में की जाएगी उन सभी प्रतिष्ठानों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भूमिदाता विस्थापितों के लिए आरक्षित की जाए.
- उद्योगों के लिए सरकार द्वारा रैयतों से भूमि अधिग्रहित कर उद्योगपतियों को लीज पर दी जाती है.

शीतकालीन सत्र: बालू के मुद्दे पर फिर सदन में हंगामा, कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन है. सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल से शुरू की गई. इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से कई मुद्दों पर सवाल उठाया. जल नल योजना, अबुआ आवास जैसे मुद्दे को लेकर सदन में जोरदार बहस हुई. सदन की कार्यवाही फिलहाल 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है. इससे पहले सदन में खरसावां गोलीकांड को लेकर खरसावां विधायक ने खरसावां गोलीकांड को लेकर न्यायिक आयोग गठित करने की मांग की शहीदों को लेकर मुकम्मल जानकारी के सवाल पर मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि न्यायिक आयोग ने ओडिशा और बंगाल जाकर जांच कमेटी ने स्वीकार किया कि लाखों लोग सभा में शामिल थे. सरकार एक कमेटी गठित कर शहीदों की पहचान को सामने लाने का प्रयास करेगी, सरकार अपनी प्रक्रिया पूरी कर शहीदों को चिन्हित करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी की गठन करेगी. वहीं बालू के मुद्दे पर सदन में हंगामा शुरू हुआ. विधायक सीपी सिंह ने 100 रुपये में 100 सीएफटी बालू देने के सवाल को लेकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसके जवाब में मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि मैंने कल सदन में जो वक्तव्य दिया था, वह बिल्कुल सही है. कहा कि सरकार गुमराह नहीं कर रही है. अगर सदस्यों को सीएफटी समझ नहीं आता तो मैं कह रहा हूं कि 100 रुपया में एक ट्रैक्टर बालू मिलेगा. इसपर सदन में शोर शराब होने लगा.

झारखंड के बार संचालकों ने उत्पाद सचिव से मिल कोटा तय करने की रखी मांग

रांची, संवाददाता ।

झारखंड बार एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के सदस्यों ने बुधवार को उत्पाद सचिव अमिताभ कौशल से मुलाकात की. एसोसिएशन ने मांग किया कि 2022 से लंबित बार लाइसेंस कोटा का निर्धारण किया जाए और कोटा के मुताबिक शराब व बियर की सप्लाई की जाए. एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 5 प्रतिशत रिटेलिंग मार्जिन का मुद्दा भी उठाया. उत्पाद सचिव ने सभी को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं पर विचार किया जाएगा और उसे दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे. मुलाकात के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष रंजन कुमार ने उत्पाद सचिव को एक पत्र सौंपा. जिसमें कहा गया है कि झारखंड में 2022 के बाद से नए बार का कोई भी कोटा निर्धारित नहीं हुआ है. छत्तीसगढ़ की उत्पाद नीति को अपनाए जाने के बाद भी, बार मालिकों के लिए सालाना कोटा निर्धारण का स्पष्ट तरीका लागू नहीं किया गया. बार मालिक बिना किसी निश्चित कोटा के व्यापार कर रहे हैं, जिससे न तो उन्हें यह पता होता है कि वे कितनी बिक्री कर सकते हैं, और न ही विभाग यह सुनिश्चित कर पाता है कि उन्हें पर्याप्त स्टॉक मिल रहा है या नहीं. एसोसिएशन के प्रेम शंकर ने मुलाकात के दौरान कहा कि कोटा निश्चित न होने से कम या अधिक स्टॉक की समस्या बनी रहती है. अधिक स्टॉक होने पर जहां पूंजी फंस जाती है, वहीं कम स्टॉक होने पर बाजार में मांग के अनुसार बिक्री नहीं हो पाती, जिससे व्यापार में भारी नुकसान होता है.

उत्पाद सचिव से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधियों ने गुंडई व रंगदारी का मुद्दा भी उठाया. कहा कि बार एवं बार के बाहर रोड पर भी हो रहे झगड़ों के लिए बार मालिक को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है. बार मालिक बार के अंदर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन सार्वजनिक सड़क पर होने वाली घटनाओं के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराना अनुचित है. इस मामले में विभाग से हस्तक्षेप करने की मांग की गई. एसोसिएशन के महासचिव उमेश सिन्हा और कोषाध्यक्ष बिरेंद्र साहू ने बताया कि विभाग ने एसोसिएशन को आश्वस्त किया है कि सभी तकनीकी, वित्तीय और प्रशासनिक मुद्दों पर एक उच्च-स्तरीय बैठक की जाएगी.

प्रिंटर में कार्टिज खत्म, रिम्स में चार दिनों से ओपीडी रजिस्ट्रेशन बंद

रांची, संवाददाता ।

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में प्रशासनिक लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है. बीते चार दिनों से ओपीडी पंजीकरण पूरी तरह ठप है. वजह है पंजीकरण काउंटरों पर प्रिंटर की स्याही उपलब्ध नहीं होना. इस कारण रोजाना आने वाले हजारों मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. पंजीकरण पर्ची नहीं मिलने से लंबी कतारें लग रही हैं और कई मरीज समय पर डॉक्टरों से परामर्श नहीं ले पा रहे हैं. अस्पताल कर्मियों के अनुसार, ओपीडी पंजीकरण के लिए लगे प्रिंटरों की स्याही खत्म हो चुकी है. लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक नई इंक कार्ट्रिज उपलब्ध नहीं कराई गई है. मरीजों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि रिम्स जैसे बड़े संस्थान में ऐसी बुनियादी कमी बेहद शर्मनाक है. दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों से आने वाले कई मरीज इलाज के बिना ही वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं. पंजीकरण ठप रहने का असर अस्पताल की रोजमर्रा की कार्यप्रणाली पर भी साफ दिख रहा है, जहां हर दिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं. चार दिनों से जारी इस स्थिति ने गंभीर प्रशासनिक उदासीनता को उजागर किया है. कई मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि बुनियादी संसाधनों की कमी से स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों.

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय ने क्यूंग संग यूनिवर्सिटी दक्षिण कोरिया के साथ किया एमओयू

रांची, संवाददाता ।

सीयूजे ने दक्षिण कोरिया के बुसान स्थित क्यूंगसंग विश्वविद्यालय के साथ एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. यह साझेदारी दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक, शोध और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा देगी. कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने प्रो. अरुण कुमार पाधी और डॉ. शशि मिश्रा की उपस्थिति में इस एमओयू को औपचारिक रूप से जारी किया. समझौते के अवसर पर कुलपति प्रो. दास ने कहा कि यह सहयोग शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की पहचान को मजबूत बनाएगा.

उन्होंने इसे सीयूजे की वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया. डीन प्रो. अरुण कुमार पाढ़ी ने एमओयू के तहत होने वाली प्रमुख गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मिलकर कार्य करेंगे। क्यूंगसंग विश्वविद्यालय के वाइस प्रेसिडेंट प्रो. जून ह्यूब पार्क ने इस साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि भारत के आदिवासी बहुल राज्य के विश्वविद्यालय के साथ जुड़ना उनके लिए गर्व की बात है और इससे शोध के नए आयाम खुलेंगे.

वहीं, अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की डॉ. कुमकुम जायसवाल ने इसे दोनों विश्वविद्यालयों के लिए सकारात्मक और भविष्य-उन्मुख पहल बताया. सीयूजे के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. शशि मिश्रा ने कहा कि इस एमओयू से विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में और मजबूती आएगी. उन्होंने बताया कि क्यूंगसंग विश्वविद्यालय कोरिया के पुराने और प्रतिष्ठित संस्थानों में से है और यह कोरिया का चौथा विश्वविद्यालय है जिसके साथ सीयूजे ने एमओयू किया है. दो और कोरियाई विश्वविद्यालयों के साथ समझौते अंतिम चरण में हैं और जल्द ही उनके साथ भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे.

निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य करेंगे–

- संयुक्त सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशालाएं और शोध बैठकों का आयोजन
- शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए संयुक्त शोध प्लेटफॉर्म का निर्माण
- विभाग या विश्वविद्यालय के निमंत्रण पर अल्पकालिक शोध यात्राएं
- विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक कार्यक्रमों का विकास
- शिक्षकों और विद्यार्थियों का आदान-प्रदान
- अन्य सहमति-आधारित शोध गतिविधियां

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण के लिए होगा प्राधिकार

प्राधिकार में एक अध्यक्ष, एक प्रबंध निदेशक और एक सदस्य सचिव होंगे

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में अब पर्यटन विकास प्राधिकारों के क्रियान्वयन में सरलता आएगी. कार्य संचालन जल्द होंगे. प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण के लिए प्राधिकार होगा. इसके लिए बुधवार को विधानसभा में झारखंड पर्यटन विकास एवं निबंधन (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित हो गया. यह अधिनियम झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन (संशोधन) अधिनियम, 2025 कहलाएगा. यह राज्य के संपूर्ण क्षेत्र पर लागू होगा. प्राधिकार में एक अध्यक्ष, एक प्रबंध निदेशक एवं एक सदस्य सचिव होगा, जो राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे।' संबंधित जिले के उपायुक्त प्राधिकार के अध्यक्ष होंगे. अगर किसी प्राधिकार के अंतर्गत दो जिलों के क्षेत्र आएंगे तो क्षेत्रफल व सुगमता के आधार पर किसी एक जिले के उपायुक्त को अध्यक्ष व इसी प्रकार अन्य सस्दयों को विभाग द्वारा नामित किया जाएगा. प्राधिकार की साधारण बैठक, प्रतिमाह अध्यक्ष द्वारा नियम तिथि, समय और स्थान पर होगी.

प्राधिकार को दी गई हैं शक्तियां

प्राधिकार को कई शक्तियां भी दी गई हैं जो अपने क्षेत्र की सड़कों, मकान की नालियों, भूमि और प्राधिकार की संपत्ति पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 अध्याय 17 25, 26, 27, 37 एवं धारा 608 (2) में यथा निर्दिष्ट नगरपालिका के कमिश्नरों की शक्तियां होंगी. वहीं झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन अधिनियम 2015 की शेष धाराएं यथावत रहेगी. प्राधिकार में संबंधित जिले का उप विकास आयुक्त या जैसा सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया पदाधिकारी प्राधिकार का प्रबंध निदेशक होगा. प्रबंध निदेशक प्राधिकार का उपाध्यक्ष भी होगा तथा इससे संबंधित समस्त कार्यों का निर्वाहन करेगा. प्राधिकार के सदस्य सचिव के रूप में जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी अथवा राज्य प्रशासनिक सेवा के (मूल कोटि) के पद से अन्युन स्तर के पदाधिकारी को नामित किया जाएगा.

विधेयक की फैक्ट फाइल

- 'प्राधिकार के सदस्य सचिव, अध्यक्ष अथवा प्रबंध निदेशक के सामान्य मार्गदर्शन के अधीन अन्य बातों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पालन करेगा
- वह प्राधिकार की ओर से सभी धन प्राप्त करेगा तथा उसके लिए रसीद देगा और उसका समुचित लेखा रखेगा
- वह प्राधिकार की निधि से वेतन और भत्तों के भुगतान तथा प्राधिकार के खर्चा को पूरा करने के लिए धन निकालेगा
- वह प्राधिकार के किसी आदेश को अभिप्रमाणित करेगा

थैलेसीमिया पीड़ितों ने विधायक प्रदीप यादव का आभार व्यक्त किया

संवाददाता । रांची

रांची। आज विश्व मानवधिकार दिवस पर झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन एवं लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची के नेतृत्व में थैलेसीमिया/सिकल सेल पीड़ितों/परिजनों/रक्तदान आयोजकों/सामाजिक चिंतकों द्वारा परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर झारखंड सरकार का आभार प्रकट कर सभी को मिठाई खिलाई गई एवं माननीय विधायक प्रदीप यादव को झारखंड मानवधिकार योद्धा सम्मान-2025 से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित कर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं परिजनों द्वारा बुके,मिठाई एवं आशीर्वाद/दुआ दी।

आभार कार्यक्रम में रक्तदान एवं थैलेसीमिया संगठनकर्ता रक्तवीर नदीम खान एवं थैलेसीमिया पीड़ितों के परिजनों में देवकी देवी,फरेआह बिलकिस,सीमा देवी,बिमला कच्छप,ललिता देवी,लीला देवी,माजिदा खातून,तरन्नुम प्रवीण,अजीत कुमार मिश्रा पंडित जी,संजय महतो,पीड़ित बच्चों में सोनम कुमारी, प्रगति प्रकाश,राबे हसन लहू बोलेगा के साजिद उमर, अकरम राशिद,रवि दास,बुलंद अख़्तर एवं अन्य शामिल थे।

थैलीसीमिया गंभीर बीमारी पर सत्र में सवाल उठाकर विधायक प्रदीप यादव वादा निभाया,साधुवाद बधाई : कैलाश यादव

सत्तापक्ष और विपक्ष किडनी कैंसर जानलेवा बीमारी के लिए डायलिसिस और किमो थेरेपी की समुचित व्यवस्था के लिए संयुक्त चिता कर ठोस कार्य करे

संवाददाता । रांची

प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कांग्रेस विधायक दल के प्रखर नेता विधायक प्रदीप यादव के द्वारा गंभीर बीमारी थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के सुदृढ़ इलाज के लिए स्वास्थ विभाग से सरकार को उच्चस्तरीय व्यवस्था की मांग कर विधानसभा सत्र में सवाल उठाने पर कोटिश साधुवाद बधाई दिया है !यादव ने कहा कि विगत दिनों लहू बोलेगा के बैनर तले विधायक क्लब में हुए कार्यक्रम के दौरान प्रदीप यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल थे और मै कैलाश यादव स्वयं राजद प्रतिनिधि के तौर पर बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित हुए थे ! विदित है कि थैलीसीमिया एक गंभीर बीमारी है जो जन्मजात बच्चे, शिशु और युवा वर्ग को खून की कमी के कारण जानलेवा होती है ! थैलीसीमिया देश के हिस्से में फैली हुई है लेकिन झारखंड राज्य में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां प्रदूषित पानी, हवा और शुद्ध जीविकापार्जन नहीं होने के कारण अत्यधिक प्रभावित होते हैं !

प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कांग्रेस विधायक दल के प्रखर नेता विधायक प्रदीप यादव के द्वारा गंभीर बीमारी थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के सुदृढ़ इलाज के लिए स्वास्थ विभाग से सरकार को उच्चस्तरीय व्यवस्था की मांग कर विधानसभा सत्र में सवाल उठाने पर कोटिश साधुवाद बधाई दिया है !यादव ने कहा कि विगत दिनों लहू बोलेगा के बैनर तले विधायक क्लब में हुए कार्यक्रम के दौरान प्रदीप यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल थे और मै कैलाश यादव स्वयं राजद प्रतिनिधि के तौर पर बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित हुए थे ! विदित है कि थैलीसीमिया एक गंभीर बीमारी है जो जन्मजात बच्चे, शिशु और युवा वर्ग को खून की कमी के कारण जानलेवा होती है ! थैलीसीमिया देश के हिस्से में फैली हुई है लेकिन झारखंड राज्य में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां प्रदूषित पानी, हवा और शुद्ध जीविकापार्जन नहीं होने के कारण अत्यधिक प्रभावित होते हैं ! राज्य में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की संख्या आए दिन तेजी से बढ़ती जा रही है !जो सरकार के लिए काफी चिंता का विषय है ! थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के समुचित उपचार और खून की कमी नहीं हो इसके लिए विधायक प्रदीप यादव जी को विधानसभा के पटल पर सवाल उठाने के लिए आग्रह किया गया था ! राज्य के थैलीसीमिया पीड़ित परिवार के लिए काफी खुशी के विषय है कि विधायक प्रदीप यादव ने सत्र के दौरान सवाल उठाकर वादा निभाने का काम किया !यादव ने राजद की ओर मांग किया कि सत्तापक्ष एवं विपक्ष सहित तमाम जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी समझ कर सरकार को समर्थन कर किडनी ,कैंसर जैसी गंभीर जानलेवा बीमारी के समुचित उपचार और उचित व्यवस्था के लिए डॉयलिसिस तथा किमो थेरेपी की उच्चस्तरीय साधन उपलब्ध कराने की ओर अविलंब कार्य करने के लिए संयुक्त विकल्प पर निर्णय लेना चाहिए !अस्पतालों में ब्लड बैंक की व्यवस्था जिसने ग्रुप खून की कमी न हो और ब्लड डोनेट करने वालों को उत्साहित करने के लिए सरकारी कैंप लगाने की ओर कदम बढ़ाने की जरूरत होनी चाहिए !

कार्तिक पूर्णिमा पर कपाल घाट में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

धनबाद, संवाददाता

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को दामोदर नदी स्थित कपाल घाट (मुनीडीह ओपी क्षेत्र) में स्नान, दान और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह होते ही दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु घाट पर पहुँचने लगे। पवित्र दामोदर नदी में स्नान कर श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया और भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घाट पर महिलाओं ने दीपदान कर कार्तिक स्नान का पारंपरिक अनुष्ठान पूरा किया। इस दौरान घाट पर धार्मिक भक्ति भाव का वातावरण व्याप्त रहा। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे।

भावपूर्ण समदाओन गीतों के साथ सामा-चकेवा की विदाई, मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने किया भव्य आयोजन

बोकारो, संवाददाता

मिथिलांचल में मनाये जाने वाला भाई-बहन के स्नेह का अतिपावन पर्व सामा-चकेवा बुधवार देर शाम बोकारो में संपन्न हुआ। बोकारो की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में नगर के सेक्टर-4ई स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में सामा-चकेवा पर्व का भव्य आयोजन किया गया। मैथिल-परम्परानुसार समदाओन आदि भावपूर्ण पारंपरिक गीतों के साथ सामा-चकेवा को भावनीभी विदाई दी गयी। चास-बोकारो के विभिन्न भागों से पहुंची महिलाओं ने मिट्टी निर्मित सामा-चकेवा की विधियां पूरी कीं। परंपरानुसार सामा-चकेवा, सतभइया, बृंदावन, चुगला, ढोलिया बजनिया, बन तितिर, पंडित और अन्य मूर्तियों के खिलौने वाले डाला को लेकर महिलायें जुटीं और

सन (पटुआ) से बने चुगला को जलाया। उसका मुंह झुलसाया। इसके बाद उन्हें सामूहिक रूप से विसर्जित किया।

इसके पूर्व, प्रारंभ में आगंतुकों का स्वागत परिषद् के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण कुमार पाठक ने किया। परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिला की महान लोक संस्कृति से जुड़े भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक यह पर्व मात्र मिथिला में ही मनाये जाने की परंपरा रही है। इसकी चर्चा विष्णु-पुराण में भी मिलती है। मिथिला के पारंपरिक पर्व-त्योहारों व कला-संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़े रखने के उद्देश्य से परिषद् द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा, किरण मिश्रा, डॉ मंजु झा, वीणा झा, जयंती पाठक, बीनू चौधरी, आशा झा, इंदिरा झा, प्रीति प्रिया, कमला झा, अलका झा, शिखा चौधरी, उपासना, ममता झा, पिंकी, आशा पाठक, लीला झा, मुन्नी झा, पूनम झा, अपर्णा, बिनीता राय, कंचन सिन्हा आदि ने सामा-चकेवा पर्व के गीत वृंदावन में आगि लागल कियो ने बुझाबै हे..., चुगला लगन बिताकऽ एलै ससुरारी में..., देने जइयौ भईया के आशीष हे मनमोहिनी सामा..., कोने भैया के धोतिया आकाश सूखे हे पाताल डोले हे..., अरे भंवरा सामा जाई छै ससुरा किछु गहना दहिन..., सामचक-सामचक अईह हो जोतिला खेत में बसिह हे..., गाम के अधिकारी तोहें बड़का भैया हो..., समदाओन बड़ा रे जतन सँ हम सामा बेटी पोसलौं, सेहो सामा सासुर जाई... आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों से सबको आनंदित किया। इस अवसर पर मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष जे पी चौधरी, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सहित मिहिर झा राजू, अविनाश अवि, केसी झा, विजय कुमार झा आदि थे।

रोड सेल संचालन समिति 7 नवंबर को गिद्दी सी, जिद्दी ए, रेलीगढ़ा का करेगी चक्का जाम

❖बताया 29 अक्टूबर को प्रबंधन को सौप था मांग पत्र नहीं हुई कोई सुनवाई

रामगढ़, संवाददाता

रोड सेल संचालन समिति की संयुक्त बैठक बुधवार को आयोजित हुई. इसमें रोड सेल के गिद्दी 'सी', जिद्दी 'ए', रेलीगढ़ा के सदस्य उपस्थित हुए. बैठक की अध्यक्षता लखनलाल महतो ने किया. बैठक में बताया गया कि बीते 29 अक्टूबर को गिद्दी सी, जिद्दी ए व रेलीगढ़ा में रोड सेल संचालन समितियों के द्वारा रोजगार के सवाल पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया था, जिसमें मांग पत्र द्वारा कोलयरी प्रबंधन को रोजगार के सवाल पर दिया गया, लेकिन कोलयरी प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है, 7 दिनों के समय देने के बाद भी कोई पहल

नहीं हुई, जिसे लेकर लोकल सेल संचालन समिति 7 नवंबर को तीनों कोलयरी गिद्दी सी, गिद्दी 'ए', रेलीगढ़ा के ट्रांसपोटिंग व डिस्पैच बंद करने का निर्णय लिया है, साथ ही सभी तीनों परियोजनाओं के रोड सेल के सभी दंगल के मजदूरों से अपील किया गया कि एक दिवसीय ट्रांसपोटिंग बंदी में शामिल हो। बैठक में आरडी मांझी, राजेंद्र गोप, पप्पू सिंह, सुनील गंझू, शाहिद अंसारी, दिनेश्वर गंझू, राजेश महतो, मनोज महली, भीम साव, लक्ष्मी नारायण गंझू, बहादुर बेदिया, असलम अंसारी, तहसीम कमर समेत कई लोग उपस्थित थे।

टुण्डी के बराकर नदी तट पर कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा का महासंगम हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

धनबाद, संवाददाता

टुण्डी प्रखंड के बराकर नदी तट पर आज बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा का महासंगम तब देखने को मिला जब हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाते हुए बाबा नंदानाथ की दरबार में जयघोषों से पूरा दरबार गुंजायमान हो उठा और श्रद्धालु बड़े ही आत्मविश्वास के साथ उनके चरणों में माथा टेका और दीपों से उनके आसन को चारों ओर से जगमगाया गया। गौरतलब हो कि बराकर नदी तट पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन बाबा के प्रति सच्ची सोच रखने वालों की जनसैलाब उमड़ पड़ता है और लोग दूरदराजों से पैदल चलकर आते हैं एक जल चढ़ाते उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। आज कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बड़ों के अलावा बच्चे भी जल चढ़ाते हुए देखें गए। बाबा की सत्यता आज भी लोगों में कायम है इनकी

कृपा से कई लोग स्वस्थ जीवन के साथ साथ बाल बच्चों के साथ एक अच्छी जीवन जी रहे हैं। इनके दरबार में मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण की जाती है। आज के दिन आसपास के अलावा धनबाद, गोविन्दपुर, गिरिडीह, राजगंज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पधारे थे। आज के इस पावन दिवस पर भक्ति और विश्वास का अद्भूत नजारा देखने बनता था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राजगंज निवासी नीलकंठ रवानी अपने सपत्नीक बराकर के पावन नदी तट पर आस्था की डुबकी लगाई और पूजा अर्चना किया। जबकि पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष योगेश प्रसाद रजक ने भी आज कार्तिक पूर्णिमा जैसे पवित्र पर्व पर आस्था की डुबकी लगाते हुए अपने परिवार एवं कांग्रेस पार्टी की सत्ता वापसी के लिए प्रार्थनाएं की।

घाटशिला उपचुनाव में लातेहार झामुमो के टॉप लेयर नेता पसीना बहाते हुए

लातेहार, संवाददाता

झामुमो के टॉप लेयर के नेता घाटशिला में हो रहे विधान सभा उपचुनाव में कैंपकर चुनावी तापमान बढ़ा दिया है, राजनीत के चाणक्य कहे जाने वाले पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम और जिला अध्यक्ष मोती लाल की जोड़ी ने घाटशिला में चुनाव प्रचार का जिम्मा उठा लिया है, ये दोनों राजनीतिक सुरमा घाटशिला विधान सभा क्षेत्र के धालभूमगढ़ प्रखंड के नरसिंहगढ़ गांव में ग्रामीणों से मिलकर अपने पार्टी का एजेंडा बताया और अपने प्रत्याशी सोमेश सोरेन को भारी बहुमत से जिताने की अपील की है, बैद्यनाथ राम ने खुद पार्टी का एजेंडा वाला प्रचार सामग्री को पढ़ कर लोगों को इससे अवगत कराने का काम कर रहे हैं, लातेहार जिला अध्यक्ष मोतीलाल ने कहा कि हमलोगों ने नरसिंह गढ़ को तीर धनुष मय कर दिए है,पार्टी का झंडा और पोस्टर और पार्टी के एजेंडा से क्षेत्र झामुमो मय हो गया है,झामुमो घाटशिला से भारी वोट से जीत हासिल करेगी, लातेहार जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव भी अपने तेजतर्रार रणनीति से चुनाव में काफी योगदान दे रहे हैं।

कतरास की बेटी ने बढ़ाया शान, सीए की परीक्षा पास की, लायंस क्लब ने सम्मानित किया

धनबाद, संवाददाता

कतरास बाजार एलआईसी ऑफिस के सामने रहने वाली पम्मी कुमारी ने सीए की परीक्षा पास कर न केवल कतरास का बल्कि पूरे कोयलांचल का मान बढ़ाया है। पम्मी के पिता किशोरी विश्वकर्मा मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं। वे कतरास हटिया में लोहा पीटने का काम करते हैं। पम्मी कुमारी वैसे छात्र - छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है जो साधारण से माहौल में रहकर बहुत ही कम साधन में अच्छे परिणाम देते हैं। उसके इस रिजल्ट से एक और जहां पूरे कतरास में हर्ष का माहौल है। वहीं दूसरी ओर बुधवार को लायंस क्लब ऑफ कतरास के सदस्यों ने पम्मी को सम्मानित कर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। लायंस क्लब ऑफ कतरास ने बताया कि कतरास की बेटी पम्मी कुमारी ने सीए की परीक्षा पास कर पूरे कतरास कोयलांचल को गर्व करने का मौका दिया। बता दें कि पम्मी ने दशवीं राजेन्द्र कन्या उच्च

विद्यालय कतरास, 12वीं शिशु मंदिर श्यामडीह कतरास तथा बी कॉम की परीक्षा कोलकाता यूनिवर्सिटी से पास की। पम्मी ने बताया कि वो चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहती है।

क्लब के सक्रिय सदस्य डॉ स्वतंत्र कुमार व डॉ मधुमाला ने कहा कि हमारे होनहार बेटियां निरंतर हर क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए खुद को साबित कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सम्पन्न हुए क्रिकेट वर्ल्ड चैंपियन में हमारी बेटियों का विजेता होना है। बेटियों को समय-समय पर सम्मान देकर उनका उत्साह बढ़ाना चाहिए। हमारी बेटियां भविष्य की वह हीरा है जो आने वाले समय में हमारे देश को, हमारे क्षेत्र को गौरवान्वित महसूस कराती रहेंगी। हमारी लायंस क्लब कतरास की पूरी टीम ऐसे होनहार बच्चों प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा से अग्रसर रही है। मौके पर मुख्य रूप से पम्मी के पिता किशोरी विश्वकर्मा माता पायल देवी उपस्थित थे। लायंस क्लब कतरास से विभूति सिंह शैलेश बर्मन विष्णु चौरसिया सुरेश रजक डॉ स्वतंत्र एवं डॉ मधुबाला ने पम्मी को मोमेंटो और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

डीएवी सेक्टर-4 की शगुन और आराध्या ने अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव में मचाई धूम

बोकारो, संवाददाता

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 की छात्राओं शगुन और आराध्या ने मथुरा-वृंदावन (उत्तर प्रदेश) स्थित बी.एस.ए. इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज परिसर में आयोजित श्री नृत्यांजलि संगठन के अंतराष्ट्रीय श्रीकृष्ण कला सांस्कृतिक महोत्सव में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। कक्षा नौवीं की छात्रा शगुन ने जूनियर वर्ग के कत्थक नृत्य प्रतियोगिता में लगभग 960 प्रतिभागियों को पछाड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कक्षा तीसरी की नन्ही आराध्या ने भी अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। देश के कोने-कोने से आए कलाकारों के बीच इन दोनों छात्राओं का प्रदर्शन सबके लिए प्रेरणास्त्रोत बना। विशेष प्रार्थना सभा में विजेताओं को सम्मानित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि ह्रहोनहार बिरवान के होत चिकने पातह्न– शगुन और आराध्या ने इस कहावत को साकार कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि दोनों छात्राओं का कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास उनकी सफलता की असली कुंजी है।

सीएम हेमंत सोरेन ने किया लुगू बुरु महोत्सव का समापन, कल्पना सोरेन संग की पूजा-अर्चना

बोकारो, संवाददाता

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गोमिया प्रखंड के ललपनिया स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल लुगू बुरु घांटाबाड़ी में आयोजित तीन दिवसीय धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव-2025 का समापन मंगलवार को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन तथा उनकी पत्नी कल्पना सोरेन शामिल हुईं। मुख्यमंत्री दंपति ने पुनाय थान में पारंपरिक विधि-विधान से लुगू बुरु बाबा की पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

लुगू बुरू संताल समुदाय का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल माना जाता है, जिसे संतालों का कुंभ भी कहा जाता है। मंगलवार सुबह से ही यहाँ आस्था और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बाबा के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु पहाड़ की चढ़ाई कर लुगूबाबा के दर्शन कर चुके हैं। पुनाय थान परिसर में सुबह से श्रद्धालु पारंपरिक गीतों और नृत्यों के माध्यम से अपनी भक्ति व्यक्त करते रहे।

महोत्सव के दौरान टेंट सिटी परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें उनके जीवन, संघर्ष और झारखंड आंदोलन के ऐतिहासिक क्षणों को दशार्या गया है। युवा वर्ग इस प्रदर्शनी से प्रेरणा ले रहा है। इसके अलावा दिशोम गुरु की स्मृति में निःशुल्क खिचड़ी सेवा भी जारी रही, जिसका संचालन बोकारो जिला प्रशासन एवं सोना सोबरन मेमोरियल सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है। श्रद्धालु लुगूबाबा के दर्शन के बाद प्रसादस्वरूप खिचड़ी ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

झारखंड +2 शिक्षक संघ के प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार का बोकारो आगमन पर भव्य स्वागत

बोकारो, संवाददाता

झारखंड +2 शिक्षक संघ के प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार के बोकारो आगमन पर जिला इकाई बोकारो की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण, अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के दौरान संघ के जिला पदाधिकारियों ने सुनील कुमार के नेतृत्व में संगठन की मजबूती, शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा और उनके हितों से जुड़े आंदोलनों पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की नींव हैं, और संघ शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर संघर्षरत है। प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार ने बोकारो जिला

इकाई की एकजुटता, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि बोकारो संगठन सदैव पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा है। उन्होंने शिक्षकों से संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने और शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए मिलजुलकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा, संयुक्त सचिव डॉ. शक्ति पद महतो, प्रवक्ता-सह-मीडिया प्रभारी गौरव कुमार दुबे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक

जमशेदपुर, संवाददाता

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक आहूत की गई। जिसमें एसएसपी पीयूष पांडेय, एसपी सिटी कुमार शिवाशीष, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर भगीरथ प्रसाद, एसडीएम धालभूम चंद्रजीत सिंह, एसडीपीओ घाटशिला अजीत कुजूर, डीएसपी भोला प्रसाद, ड्रग्स इंस्पेक्टर समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा एवं जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध बिक्री एवं सेवन को रोकने के लिए चल रहे विभिन्न अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों के 100 मीटर की परिधि में यह सुनिश्चित करें कि नशापान की वस्तुओं की बिक्री नहीं हो। उन्होंने अभियान चलाते हुए स्कूली बच्चों को जागरूक करने तथा ठेला-गुमटी में सिगरेट या अन्य नशापान के वस्तुओं की बिक्री को हतोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई तथा युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर अभियान चलाये। बैठक में सभी स्कूल एवं कॉलेज परिसरों के आस-पास विशेष निगरानी रखने की बात कही गई। ताकि छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके। वहीं एसएसपी ने थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि इंटेलिजेंस को मजबूत करें और नशा कारोबारियों को विरूद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति नहीं हो, पूरे नेटवर्क को खंगाले, ड्रग पैडलर के पूरे चेन के तह तक जाएं। बैठक में पुलिस, उत्पाद, ड्रग्स इंस्पेक्टर एवं अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों और युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देने की बात कही गई। साथ ही जनसाधारण से अपील किया गया कि ड्रग्स के अवैध व्यापार, सेवन, परिवहन की सूचना टोल फ्री नंबर 112 एवं पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 0657-2431028 पर जरूर दें। बैठक में जिला के वरीय पदाधिकारियों के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, नगर निकायों के पदाधिकारी समेत ड्रग इंस्पेक्टर व अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी भी मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक

जमशेदपुर : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। जिसमें एसएसपी पीयूष पांडेय, एसपी सिटी कुमार शिवाशीष, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर भगीरथ प्रसाद, एसडीएम धालभूम चंद्रजीत सिंह, एसडीपीओ घाटशिला अजीत कुजूर, डीएमओ सतीश नायक समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। वहीं अंचलाधिकारी तथा थाना प्रभारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में पिछले तीन माह में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए गठित टास्क फोर्स, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई को संतोषजनक नहीं पाये जाने पर बहरागोड़ा, चाकुलिया, जमशेदपुर को छोड़कर अन्य सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित अंचल के थाना प्रभारियों को उपायुक्त द्वारा शो-कॉज करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी अंचल में खनिजों का अवैध खनन और परिवहन की स्थिति में संबंधित सीओ और थाना प्रभारी की जवाबदेही तय होगी। सभी अंचल अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहते हुए खनन माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने का निदेश दिया। उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को बालू की कालाबाजारी रोकने, अवैध स्टॉक के विरूद्ध अभियान चला कर कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने तथा जब्त लघु खनिजों की नीलामी कराकर राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही लाइसेंसी बालू डीलर के स्टॉक यार्ड से आम नागरिक वैध तरीके से कैसे बालू की खरीदारी कर सकते हैं इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार का निदेश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन की ओर से निरंतर अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी व्यक्तियों, संचालकों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमों के अनुरूप कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों खनन, पुलिस, वन, परिवहन एवं प्रदूषण नियंत्रण को आपसी तालमेल और त्वरित सूचना आदान-प्रदान के साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि खनिज संपदा की सुरक्षा, राजस्व वृद्धि एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होने कहा कि जनहित और राज्यहित में खनन गतिविधियों को पूरी तरह कानून के दायरे में संचालित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रशासन हर स्तर पर सख्त रुख अपनाएगा।

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मॉडल सोलर विलेज निर्माण को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक

जमशेदपुर : समाहरणालय सभागार में पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मॉडल सोलर विलेज निर्माण के प्रगति की समीक्षा बैठक उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पूर्व के जिला स्तरीय समिति की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देश के अनुपालन पर चर्चा कर सभी संबंधित बीडीओ से ग्राउंड रिपोर्ट प्राप्त किया गया। बीडीओ द्वारा दस चयनित गांवों में वर्तमान में सोलर ऊर्जा से कौन-कौन से योजना संचालित है और किस योजना का संचालन किया जा सकता है, जिससे एक बड़े वर्ग समूह को फायदा हो इसपर विस्तार से विमर्श किया गया। गौरतलब है कि मॉडल सोलर विलेज निर्माण के लिए जिले के 7 प्रखंडों के 10 गांवों का चयन किया गया है। जिनमें मुसाबनी प्रखंड में पारुलिया और धोबनी, धालभूमगढ़ में कोकपाड़ा-नरसिंहगढ़, घाटशिला का बड़ाजुड़ी, पोटका में हाड़तोपा और कालिकापुर, बहरागोड़ा का मानुषमुड़िया, पटमदा में बड़ा बांगुड़दा और बिडरा तथा बोड़ाम प्रखंड का बोड़ाम गांव शामिल हैं। उक्त गांवों का चयन 5000 से अधिक आबादी वाले गांव अथवा जिले में ऐसे 10 गांव के नहीं होने पर अधिकतम आबादी वाले गांवों के रूप में चिन्हित किया गया है। उपरोक्त गांवों में दिसंबर 2025 से मई 2026 तक छह माह का चैंलेज पीरियड निर्धारित किया गया है। इस दौरान पीएम-कुसुम तथा अन्य सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का स्थापना/वितरण एवं गांवों के मध्य स्वस्थ प्रतियोगिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। छह माह के अंत में जिस गांव में अधिकतम रिनेवबल इनर्जी अधिष्ठापन क्षमता होगी। उसे ह्यमॉडल सोलर विलेजह्न घोषित किया जाएगा। विजेता गांव को 1 करोड़ रुपए की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।उपायुक्त द्वारा सभी बीडीओ को निर्देशित किया गया कि चयनित सभी गांवों में ग्राम सभा आयोजित कर ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दें। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सोलर योजनाओं की पात्रता, सब्सिडी एवं आवेदन प्रक्रिया स्पष्ट रूप से समझाई जाए। विभाग परस्पर समन्वय स्थापित कर योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। सरकारी भवनों की छत पर सोलर पैनल स्थापना, पीएम-कुसुम के विभिन्न घटकों का क्रियान्वयन, सोलर आधारित सिंचाई, सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर हाई मास्क लाइट आदि पर व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

कुंदरूकला आँगनबाड़ी केंद्रो मे स्वेटर वितरण किया गया

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र कुन्दरू कलाँ पंचायत अंतर्गत संचालित सभी आँगनबाड़ी केन्द्रो मे बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया,सर्दी का मौसम और बढ़ती हुई जोरदार कड़ाके की ठंड को देखते हुए, झारखण्ड सरकार के द्वारा सभी आँगनबाड़ी केंद्र पर स्वेटर की आपूर्ति की जा रही है,कुंदरू कला मे सभी केन्द्रो पर ठंड से निजात पाने हेतू कई दर्जन बच्चे बच्चियों को स्वेटर दिया।वितरण कार्यक्रम मे मुख्य रूप से रामगढ़ जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो कुन्दरू कलाँ मुखिया किशुन मुण्डा के द्वारा संयुक्त रूप से वितरित किया गया, इस मौके पर सभी आँगनबाड़ी केन्द्रो के सेविका-सहायिका की उपस्थिति मे वितरण हुआ, मौके पर आंगनबाड़ी सरैया केंद्र की सेविका कुसुम देवी मंजू देवी नवाडीह केंद्र की सेविका मंजू देवी,दसमी देवी,पत्थरगढवा की सेविका नलिनी महतो कुन्ती देवी करमाली टोला की सेविका सुरती देवी लीला देवी,करम टोला की सेविका शीला देवी,सुशीला देवी मुस्लिम टोला केंद्र के सेविका शम्मा बेगम तबस्सुम जहाँ सहित केंद्र के नन्हें बच्चे-बच्चियां व अभिभावक मौजूद थे ।

रोजगार मेला में 253 युवक युवतियों का नौकरी के लिए विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया

रामगढ़, संवाददाता

झारखंड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वाधान में जिला नियोजनालय, रामगढ़ द्वारा दंतोपंत ठेंगड़ी रोजगार योजना के तहत रोजगार मेला - 2025 का आयोजन 10 दिसम्बर 2025 को स्थानीय छावनी परिषद् फुटबाल मैदान, रामगढ़ में किया गया। मेले का उद्घाटन श्रम अधीक्षक-सह-जिला कौषल पदाधिकारी, रामगढ़ श्री अनील कुमार रंजन एवं जिला नियोजन पदाधिकारी, रामगढ़, श्री धनंजय कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। दंतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला 2025 के सफल आयोजन जिला नियोजन पदाधिकारी श्री धनंजय कुमार के मार्ग दर्शन में हुआ। उन्होने बताया कि इस रोजगार मेला में राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में नियोजन प्रदान करने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से के स्थानीय नियोजको ¼In Jan Jyoti Private ITI, Patratu Basti, Ramgarh, Parallax Honda, Ramgarh, Excel Data Services, RamgÔrh, LIC of India, Ramgarh etc) एवं देश के अन्य भाग से आए नियोजकों (¼Freedom Employbility Academy, Delhi, Employability Bridge Co, Tamilnadu, Shyam SEL, Assnsol etc) से रिक्तियों प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन का प्रयास से स्थानीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा रिक्त संग्रह कर बेरोजगार युवक-युवतियों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्य अतिथि श्री अनील कुमार रंजन ने भव्य रोजगार मेला के आयोजन के लिए एवं एक मंच पर नियोजको एवं नौकरी की चाह रखने वाले बेरोजगार युवक/युवतियों को साधन उपलब्ध करने के लिए जिला नियोजन कार्यालय का अभार व्यक्त किया। उन्होने रोजगार मेले में आए बेरोजगार युवक/युवतियों का प्रोत्साहित करते हुए कहा की रामगढ़ जिले के स्थानीय नियोजको एवं देश के अन्य भाग से आए नियोजकों से प्राप्त रिक्तियों में से अपनी योग्यता एवं रूची के अनुरूप कार्य का चयन कर आवेदन करे एवं सरकार के द्वारा चलाये जा रहे इस आयोजन का लाभ प्राप्त करें। उन्होने बताया कि सरकार द्वारा झारखण्ड कौषल विकास मिषन सोसाईटी के द्वारा विभिन्न टेज्ड में बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए निःषुल्क कौषल प्रषिक्षण प्रदान किया जा रहा है जहॉ पर प्रषिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त उन्हे रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। रोजगार मेला में कुल 253 युवक/युवतियों का चयन किया गया। साथ ही कुल 406 युवक/युवतियों को अगले चरण के लिए Shorlist किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा मेला स्थल में सांकेतिक रूप में कुल 12 युवक/युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया इस रोजगार मेला को सफल आयोजन में शेख अमजद इमाम, वंदना कुमारी, कुलदीप सिंह, विक्रम कुमार, जितेन्द्र कुमार, बबलु नायक, नरेश कुमार महतो, खुर्शीद आलम आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एस्पायर मदर्स विंग्स ने विशेष बच्चों व युवाओं की प्रतिभा को दिया मंच, रंगारंग कार्यक्रम में गंजी तालियों

जमशेदपुर, संवाददाता

एस्पायर मदर्स विंग्स के तत्वावधान में गोलमुरी स्थित उत्कल समाज में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष बच्चों और युवाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीआरसी रांची से अशोक प्रधान, सदर अस्पताल से डॉ कमलेश कुमार व डॉ राजीव लोचन, ह्लसबलह्न संस्था से तेनिक, ह्लनई दिशाह्न से संदीप, रोटरी क्लब की अध्यक्ष डॉ रेनुका चौधरी, समाजसेवी पुर्बी घोष, लायंस क्लब की अध्यक्ष आरती पांडे और सम्पूर्ण लायंस परिवार तथा लायंस कालीमाटी टीम भी शामिल हुए। इस दौरान अतिथियों ने विशेष प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए एस्पायर मदर्स विंग्स के इस पहल की सराहना भी की। कार्यक्रम में विशेष बच्चों के डांस, सिंगिंग, योगा, फैशन शो, मिमिक्री और कविता पाठ ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष बच्चों को एक मंच प्रदान कर समाज में उनकी क्षमताओं को पहचान देना था। जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। मौके पर विशेष माताओं के रूप में अमृता कुलताज, डॉ निबेदिता, पुष्पलता, अदिति यादव, सोनाली सरकार, प्रीति सिन्हा और ममता पाढ़ी समेत अन्य भी मौजूद थे।

जिले भर में अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठो के संचालन पर रोक लगाने को लेकर डीसी ने पत्र लिखा

वैध अनुमति लाइसेंस एवं कागजात की भी कड़ाई से जांच करें

रामगढ़, संवाददाता

जिन अधिकारियों को डीसी ने पत्र लिखा है वे हैं

पुलिस अधीक्षक, रामगढ़।	पुलिस उपाधीक्षक (मु0), रामगढ़।
वन प्रमण्डल पदाधिकारी, रामगढ़।	जिला खनन पदाधिकारी, रामगढ़।
अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ / पतरातू।	सभी अंचल अधिकारी, रामगढ़ जिला।
	सभी थाना/ओ0पी0 प्रभारी।

रामगढ़ के अनुभवी एवं कड़क डीसी फैज आक अहमद मुमताज ने जिला भर में चल रहे अवैध ईंट भट्ठो के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू कर दिया। इसके तहत जिला भर में चल रहे अवैध ईंट भट्टों के खिलाफ जिला भर में रोक लगाने को लेकर जिला के पुलिस कप्तान वन प्रमंडल पदाधिकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ एवं पतरातु पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय जिला खनन पदाधिकारी सभी अंचल अधिकारी सभी थानापभारी एवं सभी उप प्रभारी को कड़ा पत्र लिखकर इसे रोकने का आदेश दिया है हर हाल में। उन्होंने पत्र में संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट आदेश देते हुए लिखा है कि हर हाल में चल रहे अवैध भट्टों पर प्रतिबंध पूर्ण रूप से लगाने का कार्य करें, साथ ही साथ उन्होंने यह भी आदेश दिया है कि बिना वेद अनुमति लाइसेंस एवं कागजात के बिना क्षेत्र में अवैध ईंट भट्टों का कार्य चलना नहीं चाहिए। डीसी के इस पत्र से जिला भर में अवैध कार्य में लिफ्ट लोगों के बीच हड़कंप मचेगा।

बुधबाजार सिरका के समीप जंगल में छुपाकर रखें गए 10 टन अवैध कोयला हुआ बरामद

सुरक्षा बल की टीम द्वारा की गई थी कार्रवाई, वहीं रामगढ़ पुलिस के साथ की की गई संयुक्त कार्रवाई में कोयला डिपो से खडेड़े गए कोयला चोर

रामगढ़, संवाददाता

क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अरगड्डा क्षेत्र के निर्देश पर बुध बाजार स्थित जंगल में कोयला चोरो द्वारा छुपाकर रखे गए तकरीबन 10 टन अवैध कोयले को सुरक्षा विभाग की टीम एवं रामगढ पुलिस द्वारा बरामद किया गया। बरामद कोयले को सिरका परियोजना के कोयला स्टॉक में रखवा दिया गया। उक्त छापामारी अभियान में जीएम यूनिट के एएसएसआई जितेन्द्र, सिरका समूह के एसआई राजू राम तथा होमगार्ड जवानों की टीम सक्रिय रही। उधर दोपहर में रामगढ़ थाना पुलिस के सहयोग से सिरका नया कोयला डीपो क्षेत्र में छापेमारी की गई।जहां बड़ी संख्या में घुसे कोयला चोरों को खदेड़कर भगाया गया। परन्तु रामगढ़ पुलिस और सुरक्षा बल की संयुक्त कार्रवाई भी कोयला चोरी को रोकने में असफल साबित हो रही है।

बीएसएल द्वारा 14 दिसंबर से हैप्पी स्ट्रीट की शुरूआत, बोकारो में सक्रिय जीवनशैली को मिलेगा बढ़ावा

बोकारो, संवाददाता

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के तत्वावधान में हैप्पी स्ट्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारम्भ 14 दिसंबर को सुबह 7:30 बजे किया जाएगा, जिसमें बीएसएल के वरीय अधिकारियों सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बीएसएल द्वारा आवश्यक तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो थीम पर आधारित इस आयोजन में बोकारो के विभिन्न विद्यालय, शिक्षण संस्थान, बोकारो महिला समिति, संगीत कला अकादमी, सीआईएसएफ, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, रोटरी क्लब ऑफ मिड टाउन कपल्स, पोस्टल फिलाटेली ग्रुप, एक्ससर्विसमैन एसोसिएशन सहित कई सामाजिक संस्थाएँ भाग लेंगी। इसके साथ ही सभी नगरवासी भी इसमें शामिल होकर विभिन्न गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ, सक्रिय और खुशहाल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों से जुड़े विशेषज्ञ अपने प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के संचालन के लिए बोकारो मॉल मोड़ से गांधी चौक तक की दोनों लेन को सुबह 7:00 बजे से 10:00 बजे तक आने वाले कुछ रविवार को वाहनों के लिए अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। हैप्पी स्ट्रीट के माध्यम से बोकारोवासी मनोरंजक, स्वास्थ्यवर्धक और समुदाय को जोड़ने वाली गतिविधियों का अनुभव कर सकेंगे तथा एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो के संदेश को आत्मसात कर पाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर बोकारो में हजारीबाग प्रमंडल ने मनाया समारोह

बोकारो, संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मानव अधिकार मिशन हजारीबाग प्रमंडल द्वारा बुधवार को बोकारो में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानव अधिकार मिशन के अधिकारियों ने मानवाधिकार दिवस का केक काटकर उत्साहपूर्वक इसे मनाया। कार्यक्रम में मानव अधिकार मिशन के झारखंड प्रभारी कर्ण सिंह चौधरी, हजारीबाग प्रमंडल के महासचिव आशीष महथा, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश शर्मा और बोकारो जिलाध्यक्ष किरण चंद्र बाउरी राकेश सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने मानवाधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने मौलिक अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि समाज में व्याप्त अन्याय, उत्पीड़न और मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने के लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में मानव अधिकार मिशन के सदस्यों ने लोगों को मानवाधिकार संरक्षण से जुड़ी नियमावली, शिकायत प्रक्रिया और कानूनी सहायता के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन आपसी एकजुटता और मानवाधिकार संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

21लाख मुआवजा और एक डीवीसी ऐश पौंड में मृतक के परिजन को नियोजन पर हुई सहमती

बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार की अध्यक्षता में हुई वार्ता

बोकारो, संवाददाता

डीवीसी बोकारो थर्मल नूरीनगर स्थित ऐश पौंड में मंगलवार को ऐश पौंड में कार्यरत सह गोविंदपुर ए पंचायत के पूर्व पंचायत सदस्य नूरीनगर निवासी 65 वर्षीय मो.मनीरुद्दीन को एक हाईवा ट्रक द्वार कुचल देने से मौत हो गयी थी। जिससे परिजन सहित ग्रामीणों द्वारा मुआवजा कि मांग को लेकर एस पौंड की कार्य पंप कर दिया गया था, जिसे बेरमो प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक कर आम सहमति जताते हुए मृतक मनीरुद्दीन के परिजन को इक्कीस लाख(21लाख) सहित एक व्यक्ति को एस पौंड में नियोजन पर बना । उसके बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों ने ले गया । बताया जाता है कि मृतक मनीरुद्दीन एस पौंड के एक सुपरवाइजर था जो रोजाना की तरह अपने आवास नूरीनगर से अपने दो पहिया मोटरसाइकिल खल09अह-7671 से सुबह करीब सात बजे अपने कार्यस्थल छाई पौंड पहुंचते ही कांटा घर के समीप से तेज रफ्तार से आ रही हाईवा JH02BP-4606 दो पहिया वाहन मोटरसाइकिल को रौंदते हुए निकल गई। जिससे मनीरुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसमें ऐश पौंड में कार्यरत मजदूरों ने हाईवा को रोका, और घटना की सूचना उनकी परिजनों को दिया।

ऐश पौंड में कार्यरत मजदूरों ने अनन फनन में उसे बोकारो थर्मल डीवीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए बोकारो स्टील बीजीएच अस्पताल रेफर कर दिया। परन्तु उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना की सूचना पाकर गोविंदपुर ए पंचायत मुखिया अंजू आलम, जिला परिषद शाहजादी बानौ, बेरमो मुखिया संघ के अध्यक्ष चंद्रदेव घांसी, गोविंदपुर सी पंचायत मुखिया बब्लू उर्फ विकास सिंह, सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, मंजूर आलम, महबूब आलम आदि जनप्रतिनिधि घटना स्थल पहुंच कर धरना पर बैठ गये थे। इसकी सूचना जैसे ही बोकारो थर्मल थाना, कथारा ओपी थाना, पेंक नारायणपुर थाना की पुलिस अपने दल बल के साथ घटना स्थल ऐश पौंड पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत कराया था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मजदूरों कहना था कि यह जेडेनेक्स कंपनी के प्रतिनिधि मुकेश पांडेय और हाईवा मालिक तोफिक अंसारी के मिलीभगत से हाईवा से कुचल कर मौत की घाट उतार दी। मृतक के परिजनों ने 50 लाख मुआवजा और डीवीसी ऐश पौंड में एक नियोजन की मांग पुरी करना होगा। घटना की सूचना पाकर बेरमो प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार, बेरमो अंचल अधिकारी संजीत कुमार सिंह, डीवीसी उपमहाप्रबंधक कालीचरण शर्मा भी घटना स्थल पहुंचे और घटना स्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों से मिलकर घटना की जायजा लिया। और मौजूद जनप्रतिनिधियों से कहा कि हमें दो घंटा के समय दीजिए। हम बात चीत कर समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। और मृतक के परिजनों को उचित से उचित मुआवजा कैसे मिले इसको लेकर विचार विमर्श किया जायेगा। मजदूर हित के लिए डीवीसी प्रबंधन सदैव तत्पर खड़ा रहता है। अंततः बेरमो पदाधिकारी मुकेश कुमार जिला समाहर्ता मुमताज अंसारी, डीवीसी परियोजना प्रधान सुशील कुमार अरजरिया, उपमहाप्रबंधक कालीचरण शर्मा और जिला प्रशासन व जेडेनेक्स कंपनी के प्रतिनिधि के साथ वार्ता हुई और पुनः चालू हो गया।

पछुआ हवा ने बढ़ाई पूरे बिहार में ठंड, कोहरे के कारण ट्रेनें लेट

यात्री परेशान; जानिए मौसम का हाल

पटना। बिहार में पछुआ हवा के कारण ठंड और बढ़ गई है। 20से25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण पूरे प्रदेश में कनकनी महसूस की जा रही है। भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, गोपालगंज समेत कई जिलों में घने कोहरे की वजह से लोगों को सुबह-सुबह भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को सावधानी के साथ चलना पड़ रहा है, वहीं कोहरे का असर ट्रेनों के परिचालन पर भी साफ दिखा।मंगलवार को श्रमजीवी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, विक्रमशिला एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल समेत कई ट्रेनें पटना लेट पहुंचीं। आज भी राजधानी आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस तरह की ठंडी पछुआ हवा चल रही है, उससे आने वाले दिनों में कोहरा और घना होने की संभावना है। कोहरे के कारण हवा ऊपर नहीं उठ पा रही है, जिससे ठंडी हवाएं वायुमंडल के निचले स्तर पर ही बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की रफ्तार बढ़ेगी तो ठंड और अधिक महसूस होगी। अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट के आसार हैं। पूर्वी बिहार में कुहासा और बढ़ेगा। लोगों से अपील की गई है कि सुबह-शाम निकलते समय सावधानी बरतें। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी सात दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क रहने वाला है। सुबह के समय राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना जताई गई है। तापमान के रुझान की बात करें तो अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तक और न्यूनतम तापमान में अगले तीन से चार दिनों तक किसी विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। चढ़ने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में बिहार का मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। अररिया में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई हिस्सों में दिन के तापमान में किसी तरह का विशेष बदलाव नहीं देखा गया। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबौर (भागलपुर) सबसे ठंडा रहा, जहां 08.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 08.4 डिग्री सेल्सियस से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और पिछले 24 घंटों में रात के तापमान में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। पटना और पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता केवल 400 मीटर रही, जबकि पूरे प्रदेश में वर्षा का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

बिहार के इस शहर में दिल्ली से भी ज्यादा प्रदूषण

भागलपुर। धुंध और नमी के बढ़ते प्रभाव ने भागलपुर की हवा को बेहद प्रदूषित कर दिया है। सोमवार तक जहां शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 172 था, वहीं मंगलवार को यह उछलकर 278 पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यही रफ्तार जारी रही, तो अगले 24 घंटों में एक्यूआई का स्तर 300 के पार जा सकता है, जो अत्यंत खतरनाक श्रेणी में आता है। शहर में सुबह के समय दृश्यता भी काफी कम बनी रही। ऐसे में सड़क हादसों की भी आशंका बनी रहती है। मौसम विभाग और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बढ़ती नमी, ठंडी हवाओं और लंबे समय तक बने रहने वाले घने धुंध ने प्रदूषकों को जमीन के नजदीक रोक दिया है। हवा में लटके सूक्ष्म कण पीएम 2.5 और पीएम 10 तेजी से बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि सुबह और रात के समय लोग सांस लेने में कठिनाई, सीने में जकड़न, खांसी, गले में खराश जैसे लक्षण महसूस करने लगे हैं।

गोपालगंज की 23 पंचायतों में बनेंगे विवाह मंडप

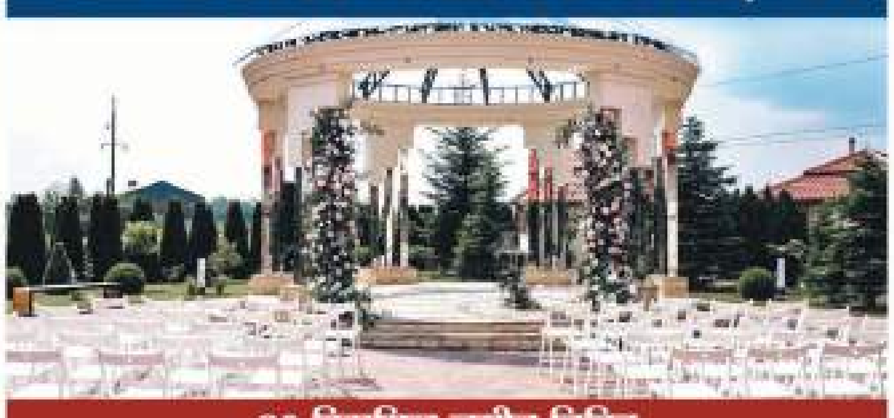

30 डिसमिल जमीन चिह्नित

गोपालगंज। अब गांवों में भी शहर की तरह बेटियों की शादी आधुनिक विवाह भवन से संपन्न हो सकेगी। तंग जगह के चलते बारात को ठहराने व विवाह में होने वाली परेशानी अब जल्द दूर होने वाली है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना के तहत अब प्रत्येक पंचायत में एक-एक विवाह मंडप बनाए जाने की योजना है। इसके तहत पहले चरण में जिले के 23 पंचायतों में विवाह मंडप का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए संबंधित पंचायतों में भूमि चिन्हित करने का कार्य पूर्ण हो गया है। कुल 30 डिसमिल चिह्नित जमीन पर विवाह मंडप का निर्माण होगा। प्रत्येक विवाह मंडप के निर्माण पर 50 लाख की राशि खर्च की जाएगी। जानकारी के अनुसार, गरीब परिवारों को विवाह जैसे शुभ कार्यों के लिए एक सुविधाजनक और गरिमापूर्ण स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने राज्य के सभी पंचायतों में विवाह मंडप तैयार करने का निर्णय लिया है। साथ ही इसके लिए शुरुआती राशि का भी आवंटन कर दिया है। जिले के सभी 230 पंचायतों में विवाह मंडप का निर्माण कराया जाएगा। जिला पंचायती राज पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रत्येक विवाह मंडप के निर्माण पर 50-50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना के तहत प्रथम चरण में 23 पंचायतों में विवाह मंडप के लिए जमीन चिन्हित करने का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। प्रथम चरण में जिले के जिन 23 पंचायतों में विवाह मंडप का निर्माण कराया जाना है, उन्हें पांच-पांच लाख की राशि आवंटित कर दी गई है।

पटना के बैंक कॉलोनी में रेड

पटना। जक्कनपुर थाना क्षेत्र बैंक कॉलोनी में बुधवार सुबह पटना पुलिस ने एक मकान में छापेमारी की है। जहां से तलाशी के दौरान 5 लाख रुपए की विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई है। मौके से पुलिस ने 4 तस्करों को भी धर दबोचा है। आरोपियों के पास से 17.61 लाख रुपए कैश भी मिले हैं। जिस मकान में पुलिस ने छापेमारी की है, वह एक पत्रकार का बताया जा रहा है। इसी मकान को किराया पर लेकर तस्कर रहते थे। फिलहाल, पुलिस की ओर से तस्करों से पूछताछ की जा रही है। इनकी निशानदेही पर अन्य दूसरे तस्करों और नए ठिकाने के बारे में पुलिस पता लगा रही है।

संक्षिप्त डायरी

नौ साल पुराने हरेंद्र सिंह हत्याकांड में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास, बक्सर कोर्ट का बड़ा फैसला

बक्सर। हत्या के एक पुराने मामले में बक्सर कोर्ट ने मंगलवार को नौ वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में जिला पार्षद सदस्य के पति सह प्रतिनिधि रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान शामिल हैं। अदालत ने सभी अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ला की अदालत ने सुनाया। मामला नगर थाना कांड संख्या 382/2016 और सेशन ट्रायल 354/2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2016 की है। मृतक हरेंद्र सिंह की पत्नी इंदु सिंह ने 23 अगस्त 2016 को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया गया कि मृतक बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे थे, तभी रात करीब 9:30 बजे पेंस्वरा के पास आरोपियों ने उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी थी।जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद था। एक अन्य आरोपी विकास शर्मा, जो फिलहाल फरार है, ने मृतक से जमीन के नाम पर 12 लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने से बचने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 10 गवाहों की गवाही प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया। अदालत ने दोषियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है। मामले के दो आरोपी विकास शर्मा और संतोष पासवान अब भी फरार हैं, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी तक अदालत में उपस्थित नहीं हुए हैं।

संदेहास्पद परिस्थिति में शख्स की मौत के बाद इलाके में सनसनी, जांच में जुटी स्थानीय थाने की पुलिस

छपरा। बिहार के छपरा में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक 55 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। मृतक की पहचान सूरज प्रसाद के रूप में हुई है। हालांकि, मृतक घर में अकेले ही रहता था, जबकि उसका पूरा परिवार छपरा में किराए के मकान में रहता है। घटना सारण जिले के मांझी नगर पंचायत अंतर्गत दक्षिण टोला की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सूरज प्रसाद का शव बिस्तर के नीचे दर्दनाक हालत में पड़ा मिला है। क्योंकि शरीर पर तेजाब फेंके जाने के गंभीर निशान पाए गए हैं। साथ ही उनके निजी अंगों के साथ क्रूरता किए जाने की भी आशंका जताई जा रही है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से स्थानीय लोग स्तब्ध हो गए हैं। जितनी मुंह उतनी बातें सामने आ रही हैं। लिहाजा अब इसकी सत्यता की जांच सारण पुलिस के जिम्मे में है कि किस तरह से जांच कर इसका खुलासा करती है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मांझी थाने की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। वहीं, स्थानीय ग्रामीण इसे अंधविश्वास से जोड़ते हुए डायन-भूतह द्वारा मारे जाने की चर्चा भी शुरू कर दी है, लेकिन पुलिस इसे अफवाह मानते हुए गंभीर आपराधिक कृत्य के रूप में जांच कर रही है।

समस्तीपुर डबल मर्डर का खुलासा, पिता-पुत्र व शूटर समेत चार गिरफ्तार

समस्तीपुर। मुक्तापुर में पिछले वर्ष हुए प्रॉपर्टी डीलर और टोटो चालक के चर्चित दोहरे हत्याकांड का समस्तीपुर पुलिस ने एसटीएफ की मदद से खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता व उसके सहयोगियों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां नगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के सुधीर मधान, उसके पुत्र अमन मधान, तथा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले शूटर आशुतोष कुमार और बाइक चलाने वाले अपराधी फूलबाबू राम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त एक पिस्टल, दो देसी कट्टा, 9 जिंदा कारतूस और दो फरार बाइक भी बरामद किए हैं। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 दिसंबर 2023 को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुक्तापुर गांव के पास दिनदहाड़े जमीन कारोबारी विजय गुप्ता और दिव्यांग टोटो चालक गणेश सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह मामला अत्यंत संवेदनशील होने के कारण पुलिस के लिए चुनौती बना रहा। घटना के बाद मृतक के साथ मौजूद सुधीर मधान को मार्च में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, लेकिन साक्ष्य के अभाव में उसे जमानत मिल गई थी। इसके बाद मामला एसटीएफ के सहयोग से तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर तेजी से आगे बढ़ा। सबसे पहले पुलिस ने घटना में इस्तेमाल फरार बाइक व उसे चलाने वाले फूलबाबू राम को गिरफ्तार किया।

शिक्षक से आठ लाख की रिश्वत मामले में नया मोड़, शिक्षा विभाग में मची खलबली

गोपालगंज/बैकुंठपुर। शिक्षा विभाग की स्थापना शाखा पर लगे गंभीर आरोपों ने जिला प्रशासन से लेकर राजनीतिक हलकों तक हड़कंप मचा दिया है। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक मोहम्मद ग्यासुद्दीन ने डीपीओ (स्थापना) और कर्मियों पर वेतन भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा बकाया राशि निकालने के नाम पर आठ लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। इसके समर्थन में उन्होंने शिक्षा विभाग के अपर सचिव, जिलाधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी को लिखित शिकायत के साथ कई मोबाइल आडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। कुचायकोट प्रखंड के बेलाहां निवासी एवं प्राथमिक विद्यालय हलुआर, बरौली के शिक्षक मोहम्मद ग्यासुद्दीन वर्ष 2015 से वेतन प्राप्त नहीं कर सके थे।मामला पटना उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां से वेतन भुगतान का आदेश पारित हुआ। कोर्ट के निर्देश पर 31 अक्टूबर को उनके खाते में 22 लाख 80 हजार रुपये की बकाया राशि भेजी गई। शिक्षक का आरोप है कि भुगतान के तुरंत बाद डीपीओ (स्थापना) मो. साहेब आलम, लिपिक बाबूजान अंसारी और गाड़ी चालक की ओर से शेष निर्धारण, फाइल अनुमोदन और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर 8 लाख रुपये की मांग की गई। रिश्वत देने से इनकार करने पर फाइल रोकने, धमकी देने और मानसिक दबाव बनाने की भी शिकायत की गई है। रिश्वत मांगने से संबंधित कुछ आडियो क्लिप इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार ने कार्रवाई शुरू कर दी। दैनिक जागरण प्रसारित आडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता, परंतु मामले की गंभीरता को देखते हुए डीईओ ने डीपीओ (स्थापना) मो. साहेब आलम और लिपिक बाबूजान अंसारी को 24 घंटे के भीतर जवाब देने का आदेश दिया है।

प्राथमिक कार्रवाई के तहत लिपिक बाबूजान अंसारी को हटाकर कर्मी धीरज कुमार को स्थापना शाखा में प्रतिनियुक्त किया गया है। हालांकि अब तक कोई कठोर दंडात्मक कार्रवाई न होने से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कथित आडियो प्रसारित होने के बाद तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य बंशीधर ब्रजवासी ने भी मामले को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी शिक्षक से धन की मांग होना विभाग की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल है। उन्होंने दोषी अधिकारियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की। हम पार्टी के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह राणा ने जिलाधिकारी पवन कुमार सिन्हा को पत्र देकर इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप शिक्षा विभाग की छवि को धूमिल करते हैं और रिश्वत मांगने व धमकी देने जैसी घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं।

भागलपुर शहर में बदल गई यातायात व्यवस्था, लाजपत पार्क मार्ग में बनेगा स्टैंड

भागलपुर। शहरी क्षेत्र में सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन के स्तर से पहल शुरू हो गई है। अब शहर की सूरत बदलेगी। शाम डीएम डा. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। उनके निर्देश पर मंगलवार को देर रात 10.30 नगर आयुक्त शुभ कुमार के नेतृत्व में सिटी एसपी हृदयकांत और सदर एसडीओ व डीएसपी ने संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाने स्थल निरीक्षण किया। पहले तिलकामांझी चौक का जायजा लिया। जिसमें चौराहे पर दुर्गा मंदिर के पीछे से आटो व टोटो का बनवे परिचालन होगा। इस मार्ग में स्थायी अतिक्रमण व दुकानों को हटाया जाएगा। इससे आगे हटिया मार्ग में दुकानों के आगे वाहनों की पार्किंग नहीं होगी।इस मार्ग में चार स्थानों पर नो पार्किंग जोन का बोर्ड लगेगा। साथ ही वाहन खड़ी करने पर चालान भी कटेगा। हटिया मार्ग से सब्जी बाजार मेडिकल कॉलेज से इंडोर हाल तक शिफ्ट होगा और मार्किंग कराई जाएगी। चौराहे के 70 मीटर दूरी पर नो पार्किंग जोन का बोर्ड लगेगा। इस दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि दुर्गा मंदिर के पीछे मार्ग की मरम्मत कराई जाएगी। उन्होंने टीम के साथ तिलकामांझी बस डिपो परिसर के आटो स्टैंड का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि चौराहे से महज 100 मीटर की दूरी पर स्टैंड है। वहां तक सफर करना राहगीरों को मुश्किल नहीं होगा। डीएसपी ने कहा कि आटो का पड़ाव करवाने के लिए पुलिस बल को प्रतिनियुक्त किया जाएगा। इसके बाद टीम लोहापट्टी पहुंची। जहां स्टेशन चौक से लोहापट्टी होते हुए डिक्शन मोड़ की ओर वनवे ट्रैफिक का लागू किया जाएगा। लोहापट्टी मार्ग के सब्जी विक्रेताओं को सड़क के किनारे किया जाएगा। इसके लिए मार्किंग कराई जाएगी। इससे बाहर सामग्री रखने पर जुर्माना भी लगेगा। इस मार्ग से फल व सब्जी के थोक विक्रेताओं को हटाया जाएगा।

बिहार के युवाओं को उद्यमी बनाने की योजना

हर विश्वविद्यालय में बनेगा 'स्टार्टअप सेल'

पटना। बिहार में औद्योगिकीकरण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही राज्य सरकार सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करने में जुटी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर शिक्षा विभाग और उद्योग विभाग मिलकर स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से युवाओं को भविष्य के लिए लिए तैयार करेगा। जल्द ही सभी विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में स्टार्टअप सेल को भी स्थापित करने की तैयारी हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल के मुताबिक स्टार्टअप इकोसिस्टम को स्टेप बाइज आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके। इसके लिए विश्वविद्यालयों के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी सुदृढ़ किया जाएगा। बिहार में उद्योग लगाने वाले उद्यमी युवाओं को सुरक्षा सहित सभी आवश्यक सुविधाएं राज्य सरकार मुहैया कराएगी।शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल में राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार को प्राथमिकता देने को कहा है। इसके मद्देनजर अब छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ कमाई का गुर भी सिखाया जाएगा। प्रत्येक विश्वविद्यालय में स्टार्टअप को स्टेप बाइज आगे बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस पर उद्योग विभाग के साथ मिलकर स्टार्टअप इकोसिस्टम को तैयार करने पर कार्य योजना बनायी जाएगी। ताकि, युवाओं को नौकरी खोजने वालों से नौकरी देने वाला बनाया जा सके। उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जा सके, कौशल विकास और इनक्यूबेशन सहायता दी जा सके और उन्हें सफल उद्यम स्थापित करने के लिए एक इको-

सिस्टम प्रदान किया जा सके। यही व्यवस्था सभी राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों एवं पालीटेक्निक संस्थानों में की जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने वाले हर छात्र-छात्रा को बीज निधि (सीड फंडिंग), मेंटरशिप और इनक्यूबेशन सपोर्ट देकर उद्यमी बनने में मदद दी जाएगी। ऐसे युवाओं को नवाचार, रोजगार सृजन, व्यावहारिक कौशल, वित्तीय सहायता और उद्यमशीलता की मानसिकता के माध्यम से कई लाभ प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वाले बन सकें। यहां इनक्यूबेशन सपोर्ट का उद्देश्य है स्टार्टअप और नए व्यवसायों को शुरुआती चरण में विकसित होने और सफल होने के लिए दी जाने वाली मदद से, जिसमें मार्गदर्शन, आफिस स्पेस, फंड (पूंजी), नेटवर्क और तकनीकी सहायता शामिल है। छात्र-छात्राओं को इनक्यूबेशन सेंटर की सुविधा उनके शिक्षण संस्थान में दी जाएगी, जहां अनुभवी पेशेवरों द्वारा सलाह और मार्गदर्शन दिया जाएगा। पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र-छात्राओं को रोजगार करने एवं उद्यमी बनने के लिए स्किल डेवलपमेंट, मैनेजमेंट और मार्केटिंग की ट्रेनिंग की सुविधा भी दी जाएगी। उद्यम खड़ा करने के लिए शुरुआत में पूंजी की व्यवस्था करायी जाएगी। उनकी पहुंच निवेशकों तक बढ़ायी जाएगी, नेटवर्किंग बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि उच्च शिक्षा पाने वाले छात्र सिर्फ नौकरी खोजने की बजाय खुद नौकरी बनाने वाले (जॉब क्रिएटर्स) बनें। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगर पढ़े-लिखे युवा रोजगार करेंगे तो केंद्र सरकार से भी स्टार्टअप इंडिया सीड फंड से 20 लाख अनुदान की सुविधा दी जाती है। लेकिन, इसके लिए युवाओं को पहले रोजगार करने संबंधी स्किल विकसित करनी होगी।

पूर्व आईजी को धकेलते हुए कोर्ट ले गई पुलिस

देवरिया में बात नहीं करने दिया, पत्नी बोलीं: दिल्ली जाते वक्त आधी रात ट्रेन से उठाया

लखनऊ। यूपी के पूर्व IG अमिताभ ठाकुर को ट्रेन से उठा लिया गया। वह दिल्ली जा रहे थे। शाहजहांपुर में सादे कपड़ों में आधी रात कुछ लोग ट्रेन में घुसे और उन्हें अपने साथ ले गए। पहले खबर आई कि अमिताभ ठाकुर को किडनैप किया गया है। हालांकि, बाद में पत्नी नूतन ठाकुर को लखनऊ पुलिस ने कॉल किया। तब बताया गया- हमने उन्हें गिरफ्तार किया है। अमिताभ ठाकुर और उनकी पत्नी का अकाउंट भी सस्पेंड है। दावा किया जा रहा है कि पुलिस ने दोनों का अकाउंट सस्पेंड करवाया है। पुलिस ने अमिताभ ठाकुर से 2 घंटे तक एक गुप्त जगह पर पूछताछ की। फिर उन्हें मेडिकल कराने ले जाया गया। यहां पत्रकारों से अमिताभ ठाकुर ने कहा- मेरे खिलाफ अन्याय हो रहा। मेडिकल के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। गाड़ी से उतरते वक्त पूर्व IG ने कहा- सरकार के इशारे पर सब हो रहा। इसके बाद पुलिस ने उन्हें बात नहीं करने दी और धकेलते हुए कोर्ट ले गई। जिस मामले में पुलिस ने अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार किया, वह 26 साल पुराना है। उस समय अमिताभ देवरिया के SP थे। आरोप है कि फर्जी डॉक्यूमेंट्स से उनकी पत्नी ने देवरिया के औद्योगिक क्षेत्र में प्लॉट लिया। बाद में उसे बेचकर मुनाफा कमाया। इस मामले में 3 महीने पहले लखनऊ में अमिताभ के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। जांच के लिए लखनऊ पुलिस ने SIT बनाई। पुलिस के मुताबिक, SIT ने देवरिया और बिहार में रिकॉर्ड की जांच की। गवाहों से पूछताछ और दस्तावेजों की पुष्टि की। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार किया गया। पत्नी नूतन ठाकुर ने दैनिक भास्कर को बताया- अमिताभ दिल्ली जा रहे थे। ट्रेन शाहजहांपुर पहुंची थी। तभी कुछ लोग ट्रेन में आए और उन्हें उठा ले गए। मंगलवार रात 1.50 बजे की घटना थी। मैंने कॉल करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो पाई। उनका मोबाइल ऑन था। ऐसा लग रहा था, जैसे उनको कोई खींच रहा हो। फिर गाड़ी की आवाज आई। इसके बाद फोन बंद हो गया। मैंने रेलवे और RPF में

शिकायत की। शाहजहांपुर SP को कॉल किया, लेकिन फोन नहीं उठा। बाद में PRO ने कहा- मैं पता करके बताता हूं। बुधवार सुबह 9.40 बजे लखनऊ तालकटोरा थाने से SHO ने कॉल की। उन्होंने बताया कि मेरे पति को देवरिया ले जाया जा रहा। नूतन ठाकुर ने कहा- 26 साल पुराना मामला सामान्य सिविल विवाद को अब जबरदस्ती आपराधिक केस में बदला जा रहा। यह FIR जबरन दर्ज कराई गई। मैं जल्द ही सबूत पेश कर खुद को निर्दोष साबित करूंगी। सितंबर, 2025 में अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लखनऊ के तालकटोरा थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ। आरोप है कि 1999 में जब वे देवरिया एसपी थे, तब उनकी पत्नी नूतन ठाकुर ने फर्जी नाम-पते का इस्तेमाल करके देवरिया के औद्योगिक क्षेत्र में प्लॉट (संख्या-B2) ले लिया। बाद में वही प्लॉट असली नाम से बेचकर मुनाफा कमाया। तालकटोरा निवासी संजय शर्मा ने शिकायत में कहा- नूतन ठाकुर ने फर्जी दस्तावेज में अपना नाम नूतन देवी और पति अमिताभ ठाकुर के नाम की जगह अभिजात ठाकुर/ अभिताप ठाकुर लिखवाया। पता ग्राम खैरा, जिला सीतामढ़ी, बिहार लिखवाया। इसके आधार पर शपथपत्र, बैंक के कागज और ट्रांसफर डीड जैसे दस्तावेज बनवाकर विभागों को गुमराह किया। यह सब अमिताभ ठाकुर के एसपी रहते किया गया। अमिताभ ठाकुर को अवैध आवंटन की जानकारी थी। एसपी होने के नाते उन्हें FIR दर्ज करानी चाहिए थी, लेकिन नहीं कराई। इतना ही नहीं, अपने पद के प्रभाव का इस्तेमाल कर अधिकारियों को प्रभावित किया और प्लॉट आवंटन में सहयोग किया। संजय शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि अमिताभ ठाकुर ने देवरिया के जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी नाम और पते पर इंडस्ट्रियल प्लॉट का आवंटन करवाया। उस पर कब्जा भी ले लिया। जिला उद्योग केंद्र से संयुक्त निदेशक उद्योग के हस्ताक्षर वाला जो आदेश जारी हुआ था, उसमें नूतन इंडस्ट्रीज की मालिक के तौर पर नूतन देवी पत्नी अभिजात ठाकुर का नाम लिखा गया था। अमिताभ ठाकुर इन सभी आपराधिक कृत्यों में शरीक थे। एक सामान्य अपराधी की मानसिकता जैसा व्यवहार करते हुए उन्होंने आपराधिक कृत्यों को छुपाने की कोशिश की। संजय शर्मा शिकायत में 18 तरह के दस्तावेज लगाए गए थे। अमिताभ ठाकुर 1992 बैच के आईपीएस अफसर रहे हैं। बतौर ASP उनकी पहली पोस्टिंग गोरखपुर में हुई थी। उसके बाद उन्होंने बतौर SP पहली पोस्टिंग पिथौरागढ़ में मिली। फिर वे यूपी के कई जिलों में तैनात रहे। अमिताभ की पत्नी डॉ. नूतन ठाकुर सोशल एक्टिविस्ट हैं। 23 मार्च, 2021 को गृह मंत्रालय ने अमिताभ ठाकुर को जबरन रिटायर कर दिया था। बात 10 जुलाई, 2015 की है। अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया था कि उन्हें मुलायम सिंह यादव ने फोन कर धमकाया और सुधर जाने की नसीहत दी। अमिताभ ने पूरी धमकी को रिकॉर्ड कर लिया था और बाद में वायरल कर दिया था। वायरल ऑडियो में मुलायम सिंह यादव ने कहा था कि पिछली बार से ज्यादा बुरी गत बनाऊंगा। सुधर जाओ। इस संबंध में अमिताभ ने 24 सितंबर, 2015 को हजरतगंज कोतवाली में मुलायम के खिलाफ केस दर्ज कराया था। बाद में मुलायम सिंह ने स्वीकार किया था कि उन्होंने ही अमिताभ को फोन किया था, लेकिन धमकाने की मंशा नहीं थी।

एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण में गांवों को रोल मॉडल बनाने की ली जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों को स्वच्छता को लेकर विकसित किए जाने को लेकर श्रावस्ती में आयोजित दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के प्रधान गण, सचिव, पंचायत सहायक, सफाईकर्मी, तकनीकी सहायकों ने जानकारी प्राप्त की। पंचायतीराज विभाग कुशीनगर आलोक प्रियदर्शी के निर्देश पर सोमवार और मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण के तहत प्रात प्रतिभागियों ने गांवों को मॉडल बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक सहभागिता की प्रक्रियाओं का अध्ययन किया और उनका अवलोकन कर ज्ञान अर्जित किया। दल ने फील्ड विजिट में कचरा प्रबंधन, बायो गैस यूनिट संचालन, जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया, बायो एनर्जी से आटा चक्की संचालन, वर्मी कंपोस्ट की जानकारी ली। 30 सदस्यीय एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडीओ पंचायत नीरज चतुर्वेदी, सचिव डॉ सरिता गुप्ता, कंसल्टिंग इंजीनियर दानिश अंसारी, ग्रामप्रधान बटेसरा मोहनलाल गुप्ता, ग्राम प्रधान संजीव सिंह सहित प्रधान गण, सचिव, पंचायत सहायक, सफाईकर्मी, तकनीकी सहायक शामिल रहे।

सेना कप का फाइनल आज, कानपुर और बनारस में मुकाबला

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा मान्यता प्राप्त कुशीनगर क्रिकेट अकादमी द्वारा बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर के क्रीडांगन में आयोजित सेना कप - 2025 स्व. सूबेदार मुसाफिर अली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन कानपुर और बनारस की टीमों ने अपने प्रतिद्वन्दी टीमों को हराकर फाइनल में पहुंचीं। जिनके बीच गुरुवार को फाइनल मुकाबला होगा। बुधवार को हुए प्रथम सेमीफाइनल मैच में वाराणसी की टीम ने टास जीता और क्षेत्र रक्षण का फैसला किया। लखनऊ की टीम 18 ओवर दो गेंद पर 182 रन बनाकर आल आउट

हो गई। जवाब में उतरी वाराणसी की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15 ओवर तीन गेंद पर तीन विकेट खोकर 188 रन बनाकर जीत दर्ज की। वाराणसी टीम से बल्लेबाज अर्जुन दुबे ने 40 बाल में 90 रन 8 छक्के और 8 चौके की मदद से बनाए। को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस मैच का शुभारंभ पंच सेतु रियल्टी के डायरेक्टर, पूर्व प्रधान प्रेम प्रकाश दूबे, समाजसेवी नबी हसन ने खिलाड़ियों से हाथ मिलवाकर कराया। दूसरे सेमीफाइनल में पहले बैटिंग करते हुए प्रयागराज की टीम ने 15 ओवर तीन गेंद पर 99 रन बनाकर आल आउट हो गई। जवाब में उतरी कानपुर की टीम ने 8 ओवर एक गेंद पर एक विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर जीत हासिल कर लिया। कानपुर टीम के बालर युवराज यादव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। जिन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिए। इस मैच में वोल्टा क्लासेज के डायरेक्टर समीर, एसआई विवेक पांडेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और बैटिंग कर खेल शुरू कराया। केसीए के संचालक और आयोजक अजहर ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर और बुके देकर स्वागत किया। अंपायरिंग की भूमिका में अमजद अली, फिरोज अली रहे। स्कोरर विकास सिंह जबकि कमेंट्री बॉक्स में दिनेश कुमार सिंह चौधरी ने कमेंट्री प्रस्तुत की। इस दौरान अंशु मणि त्रिपाठी, सभासद प्रतिनिधि अजेंद्र कुमार सिंह, पूर्व महामंत्री छात्र संघ अशोक सिंह, रण जी खिलाड़ी सहिम हसन, रवि शंकर, अतहर, प्रिंस पांडेय, नीरज शर्मा, उज्ज्वल, समीर, शुभम सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

प्रयागराज में रिश्वतखोर बाबू को पकड़ने पहुंचे अधिकारियों को पीटा

प्रयागराज। एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों पर हमला हुआ है। टीम ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे प्रयागराज विकास प्राधिकरण (PDA) के एक बाबू को 8 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। अधिकारी आरोपी बाबू को अपने साथ ले जाने लगे। तभी बाबू ने हंगामा कर दिया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आरोपी के कई साथी कर्मचारी भी वहां पहुंच गए। रिश्वतखोर बाबू को छुड़ाने के लिए हाथापाई करने लगे। टीम ने विरोध किया तो कर्मचारियों ने उनकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। हालांकि कर्मचारियों के विरोध के बावजूद टीम आरोपी बाबू को पकड़ ले गई। अब पुलिस PDA में लगे CCTV को चेक करके टीम पर हमला करने वालों की पहचान करने में जुटी है। प्रयागराज में शांतिपुरम के प्राणेश पांडेय के नाम 5 साल पहले PDA से लॉटरी के जरिए जमीन का आवंटन हुआ था। लॉकडाउन में नौकरी चली गई। इसलिए रजिस्ट्री के लिए

अजय, आरोपी बाबू

रुपए जुटाने में दिक्कत हुई। अलॉटमेंट के बाद दो महीने तक लेखाधिकारी और बाबू ने फाइल लटकाए रखी। बाद में इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए वह PDA कार्यालय पहुंचे थे। वहां उनकी मुलाकात कनिष्ठ सहायक अजय कुमार से हुई। प्राणेश पांडेय ने बताया कि कनिष्ठ सहायक अजय कुमार ने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की। परेशान होकर मैंने अखबार में छपे नंबर से एंटी करप्शन आर्गेनाइजेशन से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन यूनिट ने पहले शुरुआती जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरोपी बाबू को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनी।

फाजिलनगर: 37 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

संवाददाता

कुशीनगर। पावानगर महावीर इंटर कॉलेज परिसर में समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 33 हिंदू तथा 4 मुस्लिम जोड़ियों सहित कुल 37 नवदंपतियों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया। जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने सभी नवविवाहितों के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से बारातें पावानगर महावीर इंटर कॉलेज परिसर पहुंचीं। नोडल अधिकारी खण्ड विकास अधिकारी सुभाषचंद चौरसिया के नेतृत्व में अधिकारियों ने बारातों का स्वागत किया। हिंदू जोड़ियों को विवाह मंडप में तथा मुस्लिम जोड़ियों का

क्रमशः वैदिक मंत्रोच्चार और कलमा के साथ सभी जोड़ियां वैवाहिक जीवन में बंध गईं। क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब और वंचित परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। एमएलसी रतनलाल सिंह ने कहा कि सरकार की यह योजना हजारों परिवारों को नई दिशा दे रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि किसी गरीब की बेटी की शादी आर्थिक तंगी के कारण बाधित न हो। सांसद प्रतिनिधि एवं ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज चौबे, सामाजिक कार्यकर्ता केदार सिंह, नंदलाल विद्रोही, प्रधान प्रतिनिधि विजय बहादुर सिंह, प्रधान संघ उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, नागेंद्र गुप्ता, डॉ. कन्हैया शर्मा, राजेश राय, अभिषेक तिवारी विट्टू सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संबोधित किया। संचालन संगीताचार्य और कवि मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। शाम को सभी 37 जोड़ियों को सरकार द्वारा निर्धारित घर-गृहस्थी के सामान व अन्य उपहार प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ विदा किया गया। आयोजन में नोडल अधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी सुभाष चंद चौरसिया, समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव, हिमालय कुशवाहा, अशोक यादव, ग्राम प्रधान मधुबन सिंह, अरविंद कुशवाहा, ओंकार राय, उमेश गुप्ता मौजूद रहे।

बढ़ सकती है एसआईआर की अवधि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए और समय मिलना लगभग तय है। बीएलओ की ओर से करीब 17.7% (पौने तीन करोड़) मतदाताओं के गणना फॉर्म इकट्ठा न हो पाने की रिपोर्ट दी गई है। उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार, इसे देखते हुए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, जिसमें एसआईआर के लिए और समय देने का अनुरोध करने का फैसला किया है।नया फैसला 11 दिसंबर से पहले कभी भी आ सकता है। इससे पहले 30 नवंबर को गणना फॉर्म भरने की तिथि 4 दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर की गई थी। प्रदेश में 15.44 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं।

चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम 97.3% पूरा हो चुका है। प्रदेश में 80% गणना फॉर्म वापस आ चुके हैं, जबकि 17.7% फॉर्म जमा हो पाने की स्थिति में ही नहीं हैं। यह आंकड़ा बड़ा है। इसलिए यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे इन फॉर्मों को संग्रहित करवाने में मदद करें। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेक कराएं कि क्या वाकई इन फॉर्मों के वापस आ पाने की स्थिति नहीं है। अभी गणना प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर, प्रपत्र भरकर वापस करने के लिए अंतिम तिथि 11 दिसंबर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, उत्तर प्रदेश के अनुरोध को देखते हुए और समय दिया जा सकता है।

जिला प्रवासी डॉ सत्येन्द्र सिन्हा ने की मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा

संवाददाता

कुशीनगर। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर बुधवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व एस आई आर अभियान के जिला प्रवासी डॉ सत्येन्द्र सिन्हा ने जिले के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बूथ टोलियां घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए। जिले के सभी सातों विधानसभाओं का फीडबैक लेने के बाद क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों और पार्टी

पदाधिकारियों को एसआईआर अभियान में सौ फीसदी योगदान देना होगा। सबका गणना प्रपत्र जमा हो जाए, बीएलओ ने जितने फॉर्म बांट दिए हैं, उन्हें जमा कराने में टीम भावना से काम करना होगा। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण सिर्फ प्रशासनिक ही नहीं बल्कि सांगठनिक जिम्मेदारी भी है, इसलिए जिन लोगों ने एसआईआर फॉर्म भर दिया है, उसको डिजिटल कराने के काम में भी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपना योगदान दें। जो लोग छूट रहे हों, उनके फार्मों को भी भरवाकर डिजिटल कराने में सहयोग करें। संचालन जिला मंत्री व अभियान संयोजक अतुल श्रीवास्तव ने किया।इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, लल्लन मिश्र, जयप्रकाश शाही, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड, हाटा विधायक मोहन वर्मा, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, मदन गोविंद राव, शम्भू चौधरी, ब्लाक प्रमुख शशांक दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ बीणा गुप्ता, जिला महामंत्री राणा प्रताप राव, जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल, दिवाकर मणि त्रिपाठी,डा विनोद भारती, रमेश सिंह, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, डॉ सीमा गुप्ता, शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ क्षेत्रीय संयोजक सुरेंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द,आई टी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय राय , महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रभा पाण्डेय,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शेषनाथ यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश चौधरी, वरिष्ठ नेता नथुनी कुशवाहा, विजय राव, मार्कण्डेय शाही, मोहन चौहान सहित जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष और मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के विधानसभा संयोजक उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

भारत तिब्बत संवाद मंच द्वारा साझा विरासत एवं साझा भविष्य विषय पर गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत तिब्बत संवाद मंच द्वारा तिब्बती मंदिर कुशीनगर के प्रांगण में विश्व प्रसिद्ध बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा के नोबल शांति

पुरस्कार प्राप्त करने के 36 वीं वर्षगांठ पर भारत तिब्बत संबंध : साझा विरासत एवं साझा भविष्य विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई। बुधवार को आयोजित गोष्ठी में राष्ट्रीय समन्वयक भारत तिब्बत समन्वय केंद्र तासी दिकी ने चीन द्वारा तिब्बत के उत्पीड़न का मार्मिक वर्णन किया। कहा कि तिब्बत के लोग चीन के दमन से अपना जीवन कष्ट में जी रहे हैं। प्रकृति संसाधनों का दोहन किया जा रहा है। तिब्बत की धर्म, भाषा, संस्कृति को मिटाने का काम कर रहा है। तिब्बत की आजादी के लिए जन जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को अवगत कराया जा रहा है। संयोजक पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि भारत और तिब्बत संबंध और चीन की कड़ी को लेकर स्पष्ट संदेश युवाओं के बीच जाना चाहिए। चीन की अराजकता, सैन्य शक्ति से तबाह तिब्बत को बचाने के लिए भारत पूरी ताकत से खड़ा रहेगा। विषय प्रवर्तन करते हुए संयोजक डॉ शुभलाल ने करते हुए कहा कि भारत एक जीवंत राष्ट्र है। तिब्बत की आजादी हमारी आजादी है। पर्यावरण संतुलन चीन बिगाड़ रहा है। सरकार दलाई लामा को दोनों सदन में संबोधित करने का अवसर दें। भारत रत्न दें। अध्यक्षता करते हुए बुद्ध पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्रा ने कहा कि तिब्बत और भारत के संबंध पुराने समय से प्रगाढ़ रहे हैं। तिब्बती मंदिर के प्रबंधक कंचुक लामा ने तासी को सम्मानित किया। प्रोजेक्टर के माध्यम से तिब्बती को चीनी बनाना विषय को दर्शाया गया। संचालन दिवाकर मणि ने किया। इस दौरान भंते आलोक, तिब्बत से मिग्मार, भंते वाइजर, सोनम छुंग लामा, डॉ निगम मौर्य, डॉ बीना गुप्ता, संतोष दत्त राव, कैप्टन वेद प्रकाश मिश्रा, सुरेश गुप्ता, सभासद केशव सिंह, प्रधान डॉ संजय यादव, सभासद प्रभुनाथ सिंह, अनिल कुमार मल्ल, राजेश सिंह, अमोद कुमार सिंह, बैजनाथ, एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह कार्यक्रम: वैदिक रीति से 53 जोड़े हुए एक दूजे के

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर में रामकोला रोड स्थित मालती पांडेय बालिका इंटर कालेज परिसर में मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग के देखरेख में हुआ। पंजीकृत 82 में 53 जोड़ों को पंडित कृष्णानंद त्रिपाठी वैदिक रीति से विवाह संपन्न कराया तो मौलवी मो. कलामुल्लाह ने 12 जोड़ों को निकाह पढ़ाया। ये जोड़े सभी कसया ब्लाक व कुशीनगर नगरपालिका से आए थे। बीडीओ हरिशंकर मिश्र, जिला पंचायत सदस्य नीतिश यादव, सुमित जायसवाल, एडीओ पंचायत नीरज चतुर्वेदी, सचिव डा. सरिता गुप्ताग्राम प्रधान राजेश शर्मा, संजीव सिंह, सुनील राजभर, संजय यादव, सुधाकर राव ने संयुक्त रूप से वर-वधू को आशीर्वाद देकर उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बीडीओ मिश्र ने कहा कि जिसके घर बेटी जन्म लेती है वह बड़ा ही सौभाग्यशाली होता है। जिपंस यादव ने कहा कि सरकार ने गरीब कन्याओं के विवाह का बोझ उठाकर उनके जीवन में खुशियां भरने की कार्य करती है। अतिथियों ने नवदंपतियों के ऊपर फूल की वर्षा कर उनका स्वागत किया। रेंजर जयंत सिंह राणा की तरफ से प्रत्येक जोड़ों को एक फलदार पौधा भी दिया गया। मंगल गीतों से पांडाल गूंजता रहा। सभी जोड़ों को गृहस्थी सामान के साथ विदा किया गया। आभार ज्ञापन समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने ज्ञापित किया। संचालन मनंजय तिवारी व दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने किया। सचिव पवन कुमार, सभासद गुड्डू कुशवाहा, दीपक चौबे, सच्चिदानंद सिंह, हिमालय कुशवाहा, वन दरोगा रामध्यान पांडेय, संतोष यादव, अनुराधा सिंह उपस्थित रहे।

'वो राजकुमार हैं...', डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी पर कसा तंज; बोले- उन्हें घूमने से फुर्सत नहीं

फिरोजाबाद। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों और उनके आगामी विदेश दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उपमुख्यमंत्री बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ने बिहार एसआईआर प्रक्रिया का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार एसआईआर के बाद चुनाव हुआ है और वह निष्पक्ष, शुचिता पूर्ण मतदाता सूची बनने के बाद हुआ है। बिहार में आरजेडी के जंगल राज को, कुशासन को जनता ने नकार दिया। राहुल गांधी स्वयं वहां गए थे, लेकिन एक भी मतदाता की एक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है न मीडिया को, न निर्वाचन को। कोई शिकायत नहीं हुई कि किसी व्यक्ति का नाम गलत ढंग से काटा गया हो। राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि 'ये केवल फेस सेविंग की बयानबाजी है और कुछ नहीं' संसद सत्र चलने के दौरान राहुल गांधी के विदेश यात्रा पर जाने की खबरों पर भी उपमुख्यमंत्री ने तीखी टिप्पणी की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि राहुल गांधी को देश के लोगों से क्या लेना देना? वो राजकुमार हैं। उनको घूमने फिरने से फुर्सत नहीं है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत राज्य में अवैध रूप से रह रहे लोगों को बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा, जो भी अवैध रूप से घुसते हुए पाया जाएगा, उसे वोटर लिस्ट और राज्य के साथ-साथ देश से भी हटा दिया जाना चाहिए। राज्य सरकार इस पर लगातार काम कर रही है।

स्पेसएक्स अब शेयर मार्केट में उतरेगी, 30 अरब डॉलर से ज्यादा पैसा जुटाने की तैयारी

-कंपनी पूरे बिजनेस को करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यू पर ले जाना चाहती है

वाशिंगटन,(ईएमएस)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अब शेयर मार्केट में उतरेगी। कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 30 अरब डॉलर से ज्यादा पैसा जुटा सकती है और अगर ऐसा होता है तो ये इतिहास की सबसे बड़ा लिस्टिंग साबित होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अपने पूरे बिजनेस को करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर यानी 1 लाख 50 हजार अरब डॉलर की वैल्यू पर ले जाना चाहती है। ये वैल्यू सऊदी अरामको के 2019 के रिकॉर्ड के बराबर होगी, जब अरामको ने 29 अरब डॉलर जुटाए थे। अगर ऐसा हुआ तो स्पेसएक्स दुनिया की सबसे महंगी लिस्टेड कंपनी बन जाएगी। स्पेसएक्स एजीक्यूटिव 2026 के बीच या आखिर तक कंपनी को शेयर बाजार में लाने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन मार्केट की स्थिति देखकर तारीख बदल भी सकती है, और ये आईपीओ 2027 तक भी आ सकता है।

स्पेसएक्स के आईपीओ की खबर के बाद मंगलवार को दूसरे स्पेस कंपनियों के शेयरों में तगड़ा उछाल आया। एकोस्टार कंपनी, जो स्पेसएक्स को स्पेक्ट्रम लाइसेंस बेच रही है, उसके शेयर न्यूयॉर्क में 12फीसदी तक चढ़ गए और नया रिकॉर्ड बना लिया। रॉकेट लैब कंपनी के शेयर भी 4.3फीसदी तक बढ़ गए। ब्लूमबर्ग के मुताबिक एलन मस्क और कंपनी के बोर्ड ने हाल के दिनों में लिस्टिंग और फंड जुटाने के प्लान को तेज कर दिया है, यहां तक कि जरूरी पोस्ट के लिए हायरिंग भी शुरू हो गई और पैसे कहां लगाए जाएंगे इसकी प्लानिंग भी हो रही है। ये सब तब हुआ जब स्पेसएक्स अपनी लेटेस्ट इनसाइडर शेयर सेल को फाइनल कर रही थी।

इस आईपीओ को इतनी जल्दी लाने की एक बड़ी वजह है कि कंपनी का स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट बिजनेस जो बहुत तेजी से बढ़ रहा है, साथ ही मोबाइल पर डायरेक्ट इंटरनेट देने का नया प्लान भी है।

कैनरा बैंक की 15 को बैठक, शेयरधारकों को अंतरिम डिविडेंड देने पर लेगा फैसला

-शेयर की कीमत बढ़ने से निवेशक हैं खुश, डिविडेंड मिलने की है उम्मीद

नई दिल्ली।

कैनरा बैंक से जुड़ी कंपनी केन फिन होम्स ने कहा है कि उसका बोर्ड 15 दिसंबर को बैठक करेगा। इस बैठक में कंपनी तय करेगी कि साल 2025-26 के लिए शेयरधारकों को अंतरिम डिविडेंड दिया जाए या नहीं। कंपनी के मुताबिक यह फैसला शेयरधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा और अगर बोर्ड मंजूरी देता है, तो यह डिविडेंड दे दिया जाएगा।

कंपनी ने अंतरिम डिविडेंड के लिए 19 दिसंबर 2025 को रिकॉर्ड डेट तय की है। इस दिन तक जिन शेयरधारकों के नाम कंपनी के रिकॉर्ड में दर्ज होंगे, वह डिविडेंड के पात्र होंगे। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने साफ कहा कि बोर्ड द्वारा डिविडेंड की घोषणा किए जाने पर इसी रिकॉर्ड डेट के आधार पर शेयरधारकों को भुगतान किया जाएगा।

इंसाइडर ट्रेडिंग के नियमों के कारण केन फिन होम्स ने अपने कर्मचारियों, कंपनी से जुड़े लोगों, प्रमोटर्स और उनके करीबी रिश्तेदारों को अभी शेयर खरीदने या बेचने से रोक दिया है। कंपनी ने 17 दिसंबर तक ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी है। यह इसलिए किया ताकि कोई भी व्यक्ति कंपनी की अंदरूनी गोपनीय जानकारी का गलत इस्तेमाल न कर सके और सभी नियमों का ठीक से पालन हो सके। मंगलवार को बाजार में केन फिन होम्स का शेयर 908.40 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 0.45फीसदी कम है। शेयर की कीमत बढ़ने का मतलब निवेशक खुश हैं और उन्हें उम्मीद है कि कंपनी डिविडेंड दे सकती है और उसका कामकाज भी अच्छा है। इसी वजह से शेयर में तेजी देखी गई।

बता दें पिछले एक महीने में इस शेयर में 3.06फीसदी की बढ़त हुई, जबकि सेनसेक्स सिर्फ 2.44फीसदी बढ़ा। पिछले छह महीनों में कंपनी का रिटर्न 12.31फीसदी रहा, जो सेनसेक्स के 3.72फीसदी से काफी ज्यादा है। एक साल में भी यह शेयर 12.91फीसदी चढ़ा, जबकि सेनसेक्स केवल 4.33फीसदी ऊपर गया। लंबे समय में भी कंपनी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले पांच साल में इसका शेयर 89फीसदी बढ़ा, जो सेनसेक्स की 86.91फीसदी बढ़त से बेहतर है।

भारत में करीब 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट, क्लाउड-एआई को मिलेगा बढ़ावा

-यह घोषणा कंपनी के चेयरमैन ने पीएम मोदी से मुलाकात के तुरंत बाद की

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को घोषणा की कि वह 2026 और 2029 के बीच भारत में करीब 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश भारत के क्लाउड और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और परिचालन को बढ़ावा देने के लिए होगा। कंपनी ने यह साफ किया कि यह नया निवेश, इस साल जनवरी में भारत के लिए घोषित तीन अरब डॉलर के निवेश के अतिरिक्त होगा। माइक्रोसॉफ्ट की घोषणा उसके चेयरमैन और मुख्य कार्याधिकारी सत्य नडेला ने मंगलवार शाम पीएम मोदी से मुलाकात के तुरंत बाद की। इस बैठक में भारत के एआई रोडमैप और इसके विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

पीएम मोदी ने कहा कि जब एआई की बात आती है तब दुनिया 'भारत को लेकर आशावादी है'। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि यह देखकर खुशी हुई कि भारत वह जगह है जहां माइक्रोसॉफ्ट, एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा निवेश करेगा। भारत के युवा इसका फायदा उठाकर नवाचार करेंगे और एआई की शक्ति का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की।

माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक इस नए निवेश का इस्तेमाल कंपनी के क्लाउड और एआई से जुड़े बुनियादी ढांचे, कौशल विकास पहल और पूरे भारत में चल रहे परिचालन का दायरा बढ़ाने में किया जाएगा। कंपनी ने अपने ब्लॉग में कहा कि यह निवेश बड़ा बुनियादी ढांचा तैयार करने में इस्तेमाल किया जाएगा जो देश की सरकार के लिए बना हो, सुरक्षित हो और सरकार उसे आसानी से इस्तेमाल कर सके।

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि इस प्रयास का मुख्य केंद्र, हैदराबाद में बनने वाला इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड क्षेत्र होगा, जो 2026 के मध्य तक शुरू होने के लिए तैयार है।

यह भारत में उनका सबसे बड़ा बुनियादी ढांचा क्षेत्र होगा जिसमें तीन उपलब्धता वाले क्षेत्र होंगे और इसका आकार ईडन गार्डन स्टेडियम का दोगुना होगा।

नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसिज का आईपीओ 871 करोड़ रुपए सब्सक्राइब खुला, ब्रोकरेज ने दी सलाह

नई दिल्ली।

नेफ्रोप्लस ब्रांड के तहत डायलिसिस सर्विस प्रोवाइड करने वाली नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसिज का 871.05 करोड़ रुपए का शुरुआती आईपीओ 10 दिसंबर यानी बुधवार को सब्सक्राइब करने खुला।

निवेशक 12 दिसंबर तक इस आईपीओ को अप्लाई कर सकते हैं। लॉन्च से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 460 रुपए प्रति शेयर की दर से 260 करोड़ रुपए जुटाए। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 438 से 460 रुपए प्रति शेयर रखा है। एक लॉट में 32 शेयर है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेफ्रोकेयर ने अपने इश्यू के जरिए 353.4 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश करेगी।

जबकि प्रमोटर और मौजूदा निवेशक ऑफर-फॉर-सेल के जरिये 1.12 करोड़ शेयर बेचेंगे। इन्वेस्टकॉर्प, हेल्थकेयर पैरेंट, एडोरस इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन और 360 वन ओएएस में भाग लेने वालों में शामिल हैं। प्रमुख एंकर निवेशकों में एसबीआई हेल्थकेयर ऑपर्च्युनिटीज फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, फिडेलिटी फंड्स, डीएसपी हेल्थकेयर फंड, द प्रूडेंशियल एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ईस्टस्प्रिंग इन्वेस्टमेंट्स, पोलर कैपिटल फंड्स, मनुलाइफ ग्लोबल फंड, बड़ौदा बीएनपी पारिबा स्मॉल कैप फंड, बंधन स्मॉल कैप फंड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस शामिल हैं। नेफ्रोकेयर नए शेयरों के जरिये 353.4 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि प्रोमोटर और मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए 1.12 करोड़ शेयर तक बेचेंगे।

आरबीआई गवर्नर का सरकारी और निजी बैंकों को सुझाव, बैंकिंग सिस्टम में मध्यस्थता लागत को कम करें

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सरकारी और कुछ चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंधक निदेशकों और सीईओ को कहा कि अपने बैंकिंग सिस्टम में मध्यस्थता लागत को कम करें और दक्षता को बढ़ावा दें। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा का यह बयान तब आया है, जब हाल ही मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की ओर से ब्याज दर को 25 आधार अंक या 0.25 प्रतिशत कम किया है, जिससे रेपो रेट कम होकर 5.25 प्रतिशत हो गया है, जो कि पहले 5.50 प्रतिशत था। इस फरवरी 2025 से आरबीआई रेपो रेट में 125 आधार अंक की कटौती कर चुका है।

गवर्नर मल्होत्रा ने कहा है कि 125 आधार अंकों की ब्याज दर में कमी और प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग से मध्यस्थता लागत कम होगी और दक्षता बढ़ेगी। आरबीआई के बयान में कहा गया कि ये बातचीत जनवरी 2025 में हुई इस तरह की बैठकों के बाद विनियमित संस्थाओं के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ रिजर्व बैंक की चल रही सहभागिता का हिस्सा है।

साथ ही, मल्होत्रा ने बैंकों से शिकायतों को कम करने और आंतरिक प्रणालियों को बेहतर करने का आग्रह किया। उन्होंने डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते जोखिमों पर फोकस करने और अधिक मजबूत, इंटेलिजेंस आधारित सुरक्षा उपायों को बैंकों को अपनाने का सुझाव दिया। आरबीआई गवर्नर ने बैंकों द्वारा

रीकेवाईसी और अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स के संबंध में किए जा रहे प्रयासों की सराहना कर सक्रिय संपर्क और सतत जागरूकता अभियानों को बढ़ाया है। बयान में कहा गया है कि मुलाकात में प्रतिभागियों ने नीति, पर्यवेक्षण और परिचालन संबंधी विभिन्न मामलों पर अपनी प्रतिक्रिया और दृष्टिकोण साझा किए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को सात पैसे की गिरावट के साथ ही 89.92 पर बंद हुआ। पिछले सत्र में रुपया 89.85 पर बंद हुआ था, जिससे स्पष्ट है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की मांग बढ़ने का असर घरेलू मुद्रा पर जारी है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता के कारण निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसका सीधा प्रभाव स्थानीय मुद्रा पर दिखाई दिया, जो हल्की गिरावट के साथ व्यापार की शुरुआत कर रहा है। कारोबारियों का कहना है कि विदेशी निवेश प्रवाह और वैश्विक आर्थिक संकेतकों में उतार-चढ़ाव भी रुपये की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.04 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 99.04 पर रहा, जिससे संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी डॉलर में हल्की नरमी दर्ज हुई है।

रेपो रेट में कटौती के बाद एचडीएफसी, पीएनबी, बीओबी ने होम लोन की दरें घटाई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 दिसंबर को अपनी रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25फीसदी कर दी है। इसके बाद एचडीएफसी, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और अन्य बड़े बैंकों ने होम लोन और अन्य रिटेल लोन की ब्याज दरों में कटौती की है। यह कदम मौजूदा और नए कर्जदारों दोनों के लिए राहत का संकेत है। ज्यादातर बैंक अपने लोन की दरें बाहरी बेंचमार्क या आंतरिक बेंचमार्क के आधार पर तय करते हैं। जब आरबीआई की दर घटती है, तो बैंक अपने बेंचमार्क दरों को भी कम कर देते हैं। फ्लोटिंग रेट होम लोन वाले लोग अपने अगले रीसेट डेट को ध्यान से देखें और यह जानें कि उनका लोन किस बेंचमार्क से जुड़ा है। नए लोन लेने वाले कर्जदार कई बैंकों के ऑफर और फीस की तुलना जरूर करें, क्योंकि स्प्रेड और फीस से लंबी अवधि में लोन की कुल लागत प्रभावित हो सकती है।

भारत में करीब 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट, क्लाउड-एआई को मिलेगा बढ़ावा

-यह घोषणा कंपनी के चेयरमैन ने पीएम मोदी से मुलाकात के तुरंत बाद की

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को घोषणा की कि वह 2026 और 2029 के बीच भारत में करीब 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश भारत के क्लाउड और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और परिचालन को बढ़ावा देने के लिए होगा। कंपनी ने यह साफ किया कि यह नया निवेश, इस साल जनवरी में भारत के लिए घोषित तीन अरब डॉलर के निवेश के अतिरिक्त होगा। माइक्रोसॉफ्ट की घोषणा उसके चेयरमैन और मुख्य कार्याधिकारी सत्य नडेला ने मंगलवार शाम पीएम मोदी से मुलाकात के तुरंत बाद की। इस बैठक में भारत के एआई रोडमैप और इसके विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि जब एआई की बात आती है तब दुनिया 'भारत को लेकर आशावादी है'। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि यह देखकर खुशी हुई कि भारत वह जगह है जहां माइक्रोसॉफ्ट, एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा निवेश करेगा। भारत के युवा इसका फायदा उठाकर नवाचार करेंगे और एआई की शक्ति का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक इस नए निवेश का इस्तेमाल कंपनी के क्लाउड और एआई से जुड़े बुनियादी ढांचे, कौशल विकास पहल और पूरे भारत में चल रहे परिचालन का दायरा बढ़ाने में किया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 275, निफ्टी 81अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। यह लगातार तीसरा दिन रहा जब घरेलू बाजार में गिरावट रही। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 275.01 अंकों करीब 0.32 फीसदी टूटकर 84,391.27 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 81.65 अंक फिसलकर 25,758 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार की शुरुआत सकारात्मक रही पर समय के साथ ही इसमें गिरावट आने लगी। जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के परिणामों से पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से भी बाजार गिरा है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.90 फीसदी तक गिरा। वहीं स्मॉलकैप शेयरों में भी 0.42 फीसदी तक की गिरावट रही। आज सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में बिकवाली रही। वहीं बैंक निफ्टी के 12 में से 8 शेयरों में बिकवाली रही। निफ्टी के 50 में से 29 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, सनफार्मा, आईटीसी, एनटीपीसी और एचसीएल टेक के शेयर लाभ में रहे। वहीं भारती एयरटेल, इन्फोसिस के शेयरों में बिकवाली रही। जापान में बॉन्ड यील्ड बढ़ने से दुनिया भर के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी रहा। अब सबकी नजर आने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर है, जहां माना जा रहा है कि 0.25 फीसदी की ब्याज दर में कटौती की जाएगी। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, रुपए की कमजोरी और अमेरिका व भारत व्यापार को लेकर संशय से भी बाजार धारणा कमजोर हुई है।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 84,607 अंक पर सपाट खुला। सुबह से 136.27 अंक या 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 84,802.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह का निफ्टी 25,864 अंक पर सपाट खुला। सुबह यह 20.80 अंक बढ़कर 25,860.45 पर कारोबार कर रहा था।

दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार स्थिर रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.1 फीसदी गिरा और अक्टूबर में बने अपने ऑल टाइम हाई के करीब बना रहा। वहीं डॉव जोन्स औसत 179 अंक करीब 0.4 फीसदी नीचे आया। वहीं नैस्डैक कंपोजिट 0.1 फीसदी बढ़ा। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई ऊंची शुरुआत करने के बाद 0.5 फीसदी फिसला। दक्षिण कोरिया का बाजार 0.4 फीसदी नीचे आया। जापान को छोड़कर एशिया-प्रशांत शेयरों के ब्रोडर इंडेक्स में 0.1 फीसदी की हल्की गिरावट रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

एडीबी ने 2025-26 के लिए भारत का आर्थिक वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (हि.स)। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया। इसकी मुख्य वजह हाल में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से घरेलू खपत को मिली मजबूती है।

एशियाई विकास बैंक ने दिसंबर के लिए जारी एशिया विकास परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे ज्यादा है, जबकि पहली तिमाही में यह 7.8 फीसदी रही थी। इस तरह चालू

अनुमान के मुकाबले अब 5.1 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। हालांकि, इस बहुपक्षीय विकास बैंक ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए (जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया था। इससे एक दिन पहले वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की (जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया था।

अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया। इसकी मुख्य वजह हाल में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से घरेलू खपत को मिली मजबूती है। एशियाई विकास बैंक ने दिसंबर के लिए जारी एशिया विकास परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे ज्यादा है, जबकि पहली तिमाही में यह 7.8 फीसदी रही

अनुमान के मुकाबले अब 5.1 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। हालांकि, इस बहुपक्षीय विकास बैंक ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए (जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया था। इससे एक दिन पहले वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की (जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया था।

मीशो के शेयर की जोरदार एंट्री, 161.20 के भाव पर हुए लिस्ट

-निवेशकों को हर लॉट पर 6750 रुपए का हुआ फायदा

नई दिल्ली।

ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो के शेयर बुधवार को जोरदार एंट्री के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ अप्लाई करने के लिए 3 दिसंबर को खुला था और 5 दिसंबर को बंद हो गया था। मीशो के शेयर बीएसई पर 161.20 रुपए के भाव पर लिस्ट हुए। यह इश्यू प्राइस बैंड के अपर एंड 111 रुपए से 50 रुपए या 45 फीसदी ज्यादा है। वहीं एनएसई पर कंपनी के शेयर 162.50 रुपए पर लिस्ट हुए, जो इश्यू प्राइस की तुलना में 51.50 रुपए या 47 फीसदी ज्यादा है। मीशो की लिस्टिंग ग्रे मार्केट के अनुमान से भी ज्यादा रही। ग्रे मार्केट में मीशो आईपीओ का जीएमपी बुधवार को 36 रुपए पर चल रहा था। इस प्रीमियम पर मीशो आईपीओ का अनुमानित लिस्टिंग प्राइस करीब 147 रुपए प्रति शेयर माना जा रहा था, जबकि शेयर 161 रुपए पर लिस्ट हुए। आईपीओ के हर लॉट में 135 शेयर थे। इस तरह निवेशकों को हर लॉट पर 6750 रुपए का फायदा हुआ।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मीशो आईपीओ को लेकर बाजार में जोरदार उत्साह देखने को मिला। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक इश्यू को 21,96,29,80,575 शेयरों के लिए बोलियां लगी हैं, जबकि पेशकश 26,86,18,197 शेयर रखे गए हैं। कुल मिलाकर आईपीओ को 2.29 गुना अप्लाई किया जा चुका है। रिटेल निवेशकों की केटेगरी को सबसे ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला है। इसे अब तक 81.76 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने सबसे ज्यादा 123.34 गुना अप्लाई किया। जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल खरीदारों ने 39.85 गुना और रिटेल निवेशकों ने 19.89 गुना बुक किया।

अपाचे आरटीएक्स 300 का नया सेलिब्रेशन एडिशन पेश

नई दिल्ली।

गोवा में आयोजित मोटोसाउल 2025 इवेंट में टीवीएस ने अपनी एडवेंचर-टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 का नया सेलिब्रेशन एडिशन पेश किया है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण ब्लैक व गोल्ड रंग संयोजन है, जो इसे बाकी मॉडलों से अलग बनाता है। नया एडिशन पूरी तरह से स्टाइलिंग अपडेट पर आधारित है और इसमें इंजन, फ्रेम, सस्पेंशन और ब्रेकिंग सेटअप में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किया गया है। यानी परफॉर्मेंस और राइडिंग अनुभव स्टैंडर्ड अपाचे आरटीएक्स 300 जैसा ही रहेगा। बाइक में ब्लैक बॉडी पैनल पर शैंपेन गोल्ड ग्राफिक्स दिए गए हैं, जो इसकी डिजाइन लाइंस को और उभारते हैं। रेड हाईलाइट्स के इस्तेमाल से इसमें स्पोर्टी और एग्रेसिव टच भी मिलता है। वहीं डुअल-टोन एलॉय व्हील्स (ब्लैक और गोल्ड) इसका मुख्य आकर्षण बनते हैं। टीवीएस ने सेलिब्रेशन एडिशन में इलेक्ट्रॉनिक फीचर्स और राइडर एड्स भी वही रखे हैं जो स्टैंडर्ड मॉडल में मौजूद हैं और इस बार कोई नया फीचर पैकेज शामिल नहीं किया गया है। कंपनी ने फिलहाल कीमत की घोषणा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह सामान्य मॉडल की तुलना में थोड़ी अधिक हो सकती है, क्योंकि इसे लिमिटेड एडिशन के रूप में बाजार में उतारा जाएगा।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है।

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोचाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकूल जवाब है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। 'गजवा हिंद' के प्रलापों के प्रतिकार में 'भगवा हिंद' का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें

धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि 'यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी' बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।

इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनस्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि 'राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा' एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा।

इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रुवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाजें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रक्रिया बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलमानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पश्चिम बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिजन एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टिकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पश्चिम बंगाल में जो चल रहा है वह महज 'बागेश्वर बनाम बाबरी विवाद' नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और यही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा।

संपादकीय

गोवा अग्निकांड - असली दोषी कहां हैं

गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार रात लगी आग में 25 लोग अकाल मौत मारे गए। यह हादसा गोवा की बड़ी त्रासदियों में से एक माना जा रहा है। अक्टूबर से लेकर फरवरी-मार्च तक गोवा में पर्यटकों की भीड़ होती है। खासकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह बड़ा आकर्षण का केंद्र रहा है। जम्मू-कश्मीर की तरह गोवा का मुख्य व्यवसाय भी पर्यटन ही है। लेकिन इस घटना ने गोवा में पर्यटकों की सुरक्षा पर बड़ा निशान खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त क्लब में आग लगी, करीब डेढ़ सौ लोग वहां थे। हालांकि मरने वालों में 20 लोग क्लब के कर्मचारी थे और उनके साथ पांच पर्यटकों की मौत हुई। इनमें से चार तो दिल्ली के एक ही परिवार के सदस्य थे। शनिवार रात के हादसे के बाद रविवार सुबह ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्लब का दौरा करते हुए जांच के आदेश दिए थे। साथ ही चेतावनी थी कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल ये है कि इस हादसे का दोषी किसे माना जाएगा। प्रत्यक्ष तौर पर तो क्लब के मालिकान सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ही हादसे के दोषी हैं, और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। लेकिन ये दोनों भाई तो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे ही देश छोड़कर निकल चुके थे। मतलब मुख्यमंत्री जब दोषियों को पकड़ने के आदेश दे रहे थे, जिस वक्त पुलिस मौके पर सबूत जुटा रही थी और आग बुझाने की कोशिशें चल रही थी, उस समय तक लूथरा बंधु देश से निकल चुके थे। ये भाजपा के सख्त प्रशासन की असलियत है। हैरानी की बात ये है कि सात दिसम्बर की सुबह लूथरा बंधु भाग चुके थे और शायद पुलिस इससे बेखबर थी, क्योंकि सात तारीख की शाम को गोवा पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने लूथरा बंधुओं के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। जबकि मुंबई में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने जानकारी दी कि दोनों भाई सात दिसंबर की सुबह 5.30 बजे यानी घटना के फौरन बाद इंडिगो की सीधी फ्लाइट से थाईलैंड के फुकेत भाग चुके थे। अब गोवा पुलिस दोनों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए इंटरपोल से मदद ले रही है। लेकिन पिछले अनुभव बताते हैं कि भगोड़ों को वापस लाने में मोदी सरकार नाकाम ही रही है। विजय माल्या, नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी ये सब कहां हैं, क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इनमें से कुछ भगोड़े तो विदेश में आलीशान दावतें करते हैं और देश से कई नामी-गिरामी लोग उन दावतों में शामिल होते हैं, फिर भी इनका बाल भी बांका नहीं होता, क्योंकि धन और सत्ता का रक्षाकवच इनके पास है। अब देखना होगा कि लूथरा बंधुओं को यह कवच मिलता है या नहीं। वैसे थाईलैंड भागने की उनकी योजना बताती है कि वो कितने शातिर हैं। थाईलैंड में भारतीयों को प्रवेश करने पर वीजा मिल जाता है। ऐसे में उन्हें थाइलैंड जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई।

चिंतन-मनन

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रुपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रुपयों को ऐसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया।

कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता, तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से, संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

पहाड़ केवल जमीन नहीं, प्रकृति के श्रृंगार हैं

दिलीप कुमार पाठक

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। यूएनओ ने 2003 में पर्वतों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में घोषणा की। पर्वत न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं बल्कि यह वनस्पति, जलीय स्रोत और जैव विविधता के भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्वतों की सुरक्षा की आवश्यकता और महत्व को समझाना है, पर्वतों की स्थिति में भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ स्थित हैं। देश के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत भाग पर्वतों से आच्छादित है।

पर्वतों की सुरक्षा के लिए सतत विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन और भीषण दोहन के कारण आज पहाड़ों पर गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं, अनियंत्रित और अत्यधिक पर्यटन ने प्रदूषण, विशेष रूप से गैर-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कचरे की समस्या को गंभीर बना दिया है। पर्वतीय कस्बों में अपशिष्ट निपटान की अपर्याप्त सुविधाओं के कारण नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है। बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अति-दोहन किया जा रहा है। अरावली जैसी पर्वतमालाओं में अनियंत्रित खनन ने पर्यावरण को गंभीर रूप से घायल किया है, जिससे मरुस्थलीकरण और जल संकट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। पर्वतीय समुदायों को अक्सर गरीबी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और सीमित डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पर्वत न केवल पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बल्कि तालाबों में बसे लाखों लोगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये हैं दुनिया की प्रमुख नदियाँ और जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दिन पहाड़ों के विकास और उनसे मिलने वाले अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह लोगों को पर्यावरण में पर्वतों की भूमिका और उनके जीवन पर प्रभाव के बारे में शिक्षा देता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का इतिहास 1992 से शुरू हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के अध्याय 13 में संवेदनशील प्रशिक्षण तंत्र का प्रबंधनः सतत विकास के तहत विशिष्टता को शामिल किया गया था। यह पर्वत विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ। पहाड़ों के महत्व की ओर बढ़ते ध्यान को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष घोषित किया और 2003 से हर साल 11 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस ???का निर्णय लिया। इसलिए, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 11 दिसंबर 2003 को मनाया गया था।

पर्वतों में प्रकृति के अनमोल रत्न शामिल हैं जिनका हमें संरक्षण करना चाहिए। ये हैं दुनिया की 15% आबादी के घर और आसपास के आदिवासियों के समूह में शामिल हुए हैं। पहाड़ के किसानों को जीवन के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराते हैं, कृषि को बनाए रखते हैं और स्वच्छ ऊर्जा और औषधियों की आपूर्ति में मदद करते हैं। दुर्भाग्य से, जलवायु परिवर्तन, भारी दोहन और प्रदूषण के कारण पर्वत खतरे में हैं, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि वहां रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है। जैसे-वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, पर्वतीय तापमान बढ़ रहा है, जिससे नीचे के क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग, जो दुनिया के सबसे गरीब समुदायों में से हैं, जीवित रहने के लिए और भी बड़े-बड़े संकटों का सामना कर रहे हैं। ठेकों के कारण, कृषि, सुपरमार्केट या दुकानदारों के लिए किसानों को साफ करने से मिट्टी का कटाव और आवासों का नुकसान हो सकता है। कटाव और प्रदूषण न केवल जल प्रवाह की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि मिट्टी की वास्तुकला को भी कम करते हैं। दरअसल, पूर्वोत्तर देशों में 311 मिलियन ग्रामीण पर्वतीय लोग क्षेत्र में रहते हैं, जहां भूमि का स्थिरीकरण हो रहा है, और इनमें से 178 मिलियन लोग खाद्य सुरक्षा के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हम सभी को प्रभावित करती है। हमें अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करना चाहिए और इन प्राकृतिक खजानों की देखभाल करनी चाहिए। आज का दिन पर्वतों के जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह पर्वतीय विकास से जुड़े अवसरों और परिचय को दर्शाता है और पहाड़ी इलाकों और पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्वत हमारे पर्यावरण, जीवन और संस्कृति का हिस्सा हैं। संबंधित तथ्यों का पता लगाना केवल ज्ञान की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सुरक्षा की आवश्यकता को पूरा करना भी आवश्यक है। पर्वत प्रकृति की अनमोल देन है, इन्हें संरक्षित रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम पर चर्चाः सवाल नीति और नीयत का

निर्मल रानी

भारतीय संसद में शीतकालीन सत्र 2025 के दौरान 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक विशेष चर्चा आयोजित की गयी। गौर तलब है कि संस्कृत और बांग्ला भाषा के मिश्रण से तैयार किया गया यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित उनकी बांग्ला उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ था। 24 जनवरी 1950 को भारत की संविधान सभा ने इसी गीत अर्थात ‟वन्दे मातरम्” को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया। आज देश में इस गीत को भी राष्ट्रगान अर्थात ‟जन गण मन” के ही समकक्ष सम्मान प्राप्त है। सभी सरकारी और अधिकारिक कार्यक्रमों में जब इसे गाया या बजाया जाता है, तो सभी लोग इसके सम्मान में खड़े होते हैं। परन्तु हमारे देश में मुस्लिम उलेमा का एक वर्ग ऐसा है जिनका मानना है कि धरती-माँ को इस तरह देवी के रूप में पूजना और उसके सामने सजदा करना इस्लाम विरोधी (शिर्क) है। और अल्लाह के सिवा किसी को सजदा करना हराम है। इस विचारधारा का प्रतिनिधित्व खासतौर पर देवबंदी अथवा जमाअत-ए-इस्लामी से सम्बंधित अतिवादी वर्ग के लोग ही करते हैं। जबकि अधिकांश मुस्लिम राष्ट्रप्रेम का हिस्सा मानते हुये इसे गाते भी हैं। परन्तु राष्ट्रगान 'जन गण मन' का विरोध करने वाले हिंदुवादी विचारधारा से जुड़े लोग खासकर संघ व भाजपा वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस पार्टी पर मुस्लिम परस्त होने का इलजाम लगाती रहती है। यही कोशिश गत दिनों संसद में ‟वंदे मातरम” पर चर्चा के दौरान देखने को भी मिली। खासकर इस चर्चा का ऐसे समय में होना जबकि अगले वर्ष बंगाल में चुनाव भी प्रस्तावित हैं, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों की तरफ इशारा करता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर बहस के दौरान सरकार पर तीखा प्रहार करते हुये यह कहा भी कि राष्ट्रगान पर बहस की कोई जरूरत नहीं क्योंकि यह पहले से ही राष्ट्रगान है। प्रियंका गांधी ने भी यही दावा किया कि यह चर्चा बंगाल चुनावों को ध्यान में रखकर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने 'वंदे मातरम' को भारत की आत्मा का हिस्सा बताया, जो गुलामी से जागरण का प्रतीक है और आधुनिक राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति है। उल्टे प्रियंका गांधी ने संविधान सभा में दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का ही सवाल उठा कर भाजपा को ही घेरने की कोशिश की। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सत्ता से सवाल किया कि जब भाजपा के पुरखे श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मुस्लिम लीग के साथ बंगाल में सरकार चला रहे थे, तब आपकी देशभक्ति कहां थी? बहरहाल, इसी तरह के मुद्दों को उठाकर कांग्रेस को मुस्लिम परस्त बताने व हमेशा ही कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाने वाली भाजपा को कम से कम देश को एक बात यह भी बतानी चाहिये कि जिस दारुल उलूम देवबंद व जमाअत-ए-इस्लामी ने वंदे मातरम का विरोध किया था, जिस जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने 1937-39 में जारी अपने फतवे में वंदे मातरम को गाना 'हराम' बताया था। उसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से तो भारत बेहतर रिश्ते बनाने की तरफ आगे बढ़ रहा है?

गत अक्टूबर माह में ही अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी ने भारत का छह-दिवसीय दौरा किया। इस दौरे के दौरान मुत्तकी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार, मानवीय सहायता, शिक्षा और आर्थिक सहयोग पर चर्चा हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति से संभव यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान संबंधों को मजबूत करने का संकेत मानी गई। मुत्तकी ने अपने भारत प्रवास के दौरान केवल राजकीय यात्रा मात्र ही नहीं की बल्कि इस दौरान उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित दारुल उलूम देवबंद अर्थात अपने 'वैचारिक प्रेरणा केंद्र' का भी दौरा किया। यह वही दारुल उलूम देवबंद तो है जिसने वंदे मातरम के एक हिस्से को गाने का विरोध किया था? मुत्तकी ने अपने भारत दौरे के बीच दारुल उलूम देवबंद पहुंचकर व देवबंदी मसलक से जुड़े दारुल उलूम के उलेमा, छात्रों और अफगान छात्रों से मिलकर केवल अपनी अतिवादी वैचारिक प्रतिबद्धता ही नहीं दोहराई बल्कि उन्होंने दिल्ली में ही आयोजित अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को प्रवेश न देकर भी यह साबित कर दिया कि महिलाओं के प्रति इस सोच विचार के लोग कितनी असहिष्णुता का भाव रखते हैं। परन्तु आश्चर्य है कि भाजपा सरकार वंदे मातरम गायन का विरोध करने व इसे हराम बताने वाली विचारधारा व इसके रहनुमाओं को तो गले से लगाती है। इनके स्वागत में लाल कालीन बिछाती है परन्तु कांग्रेस पर वंदे मातरम विरोधी होने का आरोप मढ़ती है? परन्तु जब कांग्रेस संविधान सभा में इस गीत के दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का सवाल उठाती है तो भाजपा बगलें झाँकने लगती है? आज देश बेरोजगारी व मंहगाई से बुरी तरह जूझ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत रसातल तक पहुँच गयी है। 2012-13 के मध्य जब डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत 60-68 के बीच लुढ़क रही थी। उस समय नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा था कि ‟हमारी मुद्रा मृत्युलेना पर है, यह टर्मिनल स्टेज पर है और इसे तुरंत डॉक्टर की जरूरत है”। उसी समय मोदी ने जोर देकर यह भी कहा था कि रुपये की गिरावट से प्रधानमंत्री की इज्जत गिरती है, क्योंकि रुपया केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। उस समय मोदी ने इसे तत्कालीन यू पी ए सरकार की आर्थिक नाकामी करार दिया था। परन्तु आज तो 1 डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 90 के करीब पहुँच चुकी है। आज देश की संसद में इसपर चर्चा क्यों नहीं होती? दरअसल मोदी सरकार ने अपनी पूरी ताकत देश का साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करने में झोंक रखी है। खासकर चुनावों के समय ऐसी कोशिशों में और भी तेजी आ जाती है। बड़ा आश्चर्य है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्रगान तक का विरोध करने वाले, गांधी की हत्या पर जश्न मनाने व मिठाइयां बांटने वाले, भारतीय संविधान को न पचा पाने वाले लोग आज सत्ता में आने के बाद बड़े ही शातिर तरीके से स्वयं को महान देशभक्त व धर्म के 'अभिरक्षक ' बनने की कोशिश कर रहे हैं। और देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुये फांसी के फंदे पर झूलने व अंग्रेजों की यातनायें झेलने वाली कांग्रेस को वंदे मातरम विरोधी तो कभी मुस्लिम परस्त तो कभी पाक परस्त बताकर मुद्रा पतन से लेकर मंहगाई बेरोजगारी जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकने की कोशिश करती रहती है। गत दिनों संसद में वंदे मातरम पर हुई चर्चा भी जनहितकारी मुद्दों से ध्यान भटकने की ऐसी ही एक कोशिश थी जिसमें वंदे मातरम को लेकर भाजपा की नीति और नीयत का अंतर साफ नजर आया।

छोरी 2 के बाद अब छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं नुसरत भरुचा

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान नुसरत भरुचा ने छोरी 2 के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया। इसमें दो राय नहीं है कि नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। छोरी के बाद छोरी 2 के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है। अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए नुसरत ने कहा, छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है। नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को रोम-कॉम एक्ट्रेस ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल छोरी 3 के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

रश्मिका मंदाना से लेकर नयनतारा तक, साउथ की इन अभिनेत्रियों ने जीता बॉलीवुड के दर्शकों का दिल

भारत एक ऐसा देश है जहां पर प्रतिभा की कद्र की जाती है। इसका एक उदाहरण है साउथ अभिनेत्रियों का बॉलीवुड में काम करना। साउथ की कई अभिनेत्रियों ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड के दर्शकों का दिल जीता है। अब वह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा मशहूर अभिनेत्रियों में शामिल हैं। इस खबर में हम साउथ की उन अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिन्हें हिंदी पट्टी के दर्शक खूब पसंद करते हैं।

रश्मिका मंदाना

साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने साल 2023 में फिल्म मिशन मजनू से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी से इस तरह पहचान बना ली है, मानो वह शुरू से ही बॉलीवुड में काम करती रही हों। बॉलीवुड में डेब्यू के साथ उन्होंने साबित कर दिया कि भावनाओं को जाहिर करने के लिए भाषा बाधा नहीं बनती है।

तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया को हिंदी पट्टी का लगभग हर व्यक्ति जानता है। उन्होंने साल 2005 में फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। शुरू से ही उन्होंने अपने अभिनय का जलवा दिखाया। अब वह बॉलीवुड का चमकता सितारा हैं। वह रोमांस से लेकर ड्रामा तक, सभी तरह की फिल्मों में अच्छा अभिनय करती हैं।

कीर्ति सुरेश

साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन से कीर्ति सुरेश ने बॉलीवुड में कदम रखा। वह आसानी से अलग-अलग तरह की भूमिकाओं को करती हैं। बॉलीवुड के दर्शक उनकी शालीनता से आकर्षित होते हैं। यही वजह है कि हिंदी पट्टी में उन्हें कम वक्त में काफी शोहरत मिली है।

नयनतारा

नयनतारा साउथ में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। साल 2023 में उन्होंने फिल्म जवान से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने शाहरुख खान के साथ ऐसी अदाकारी कि दर्शक उनके कायल हो गए। उनकी अदाकारी कई दूसरी अभिनेत्रियों के लिए प्रेरणा है।

सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2012 में फिल्म एक दीवाना था से बॉलीवुड में कदम रखा। साउथ में अपनी पहचान बनाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड में भी पहचान बना ली है। अपने अभिनय की वजह से फिल्हाल वह भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं।

इक्कीस में अपने किरदार को लेकर अगस्त्य नंदा ने की बात

हाल ही में मुंबई के नेवी नगर में हुए एक कार्यक्रम में अगस्त्य नंदा ने अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म इक्कीस को लेकर कई बातों का खुलासा किया। इस फिल्म में अगस्त्य ने सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। अपने किरदार को लेकर जानें क्या है अभिनेता की राय।

दुनिया बदलने के लिए उम्र की सीमा नहीं होती

अगस्त्य नंदा ने अपने किरदार को लेकर कहा, हम तीन साल से इस फिल्म के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। अरुण खेत्रपाल सिर्फ 21 साल के थे, फिर भी उन्होंने जो बहादुरी दिखाई, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है। मुझे उम्मीद है कि युवा इस फिल्म को देखकर समझेंगे कि दुनिया बदलने के लिए कभी भी कम उम्र नहीं देखी जाती।

कब सामने आई थी फिल्म की कहानी

श्रीराम राघवन ने बताया कि यह कहानी उन्हें 7 साल पहले पता चली थी। वे अरुण खेत्रपाल की पुण्यतिथि पर चंडीगढ़ भी गए थे। उन्होंने कहा, यह फिल्म बनाना बहुत मुश्किल था, लेकिन मैंने दिल से कोशिश की है कि उनकी बहादुरी की कहानी सही तरीके से दिखे।

फिल्म को लेकर भावुक हुए दिनेश विजन

इस फिल्म के निर्माता दिनेश विजन ने कहा, हमने बहुत सारी फिल्में बनाई हैं, लेकिन 'इक्कीस' हमारे लिए सिर्फ फिल्म नहीं, एक भावना है। यह हमारी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म है। यह फिल्म हमें इंसान बनना सिखाती है। एक 21 साल का जवान जो कर सकता है, वह हम सोच भी नहीं सकते।

इक्कीस के बारे में

अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म इक्कीस में अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बसंतर की लड़ाई में 21 साल की उम्र में शहीद हुए अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी है। फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने किया है। दिनेश विजन ने फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म में अगस्त्य नंदा के साथ जयदीप अहलावत, धर्मेंद्र, सिकंदर खेर समेत कई कलाकार हैं। यह धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

अपने तेलुगु डेब्यू को तैयार गुलशन देवैया

सामंथा के बैनर तले बन रही फिल्म में आएंगे नजर

हिंदी फिल्मों में अपने अभिनय से प्रभावित करने के बाद अब अभिनेता गुलशन देवैया पैन इंडिया एक्टर बनने की ओर अग्रसर हैं। बीते दिनों वो ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' में ऋषभ शेट्टी के साथ नजर आए थे। इस फिल्म में गुलशन निगेटिव रोल में दिखे थे। अब गुलशन देवैया अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। तेलुगु में गुलशन अभिनेत्री व प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। वो सामंथा स्टारर और उनके प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के अंतर्गत बन रही फिल्म 'मां इंति बंगारम' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं।

माधवन और सामंथा भी निभाएंगे प्रमुख भूमिकाएं

'मां इंति बंगारम' में गुलशन देवैया के साथ सामंथा रुथ प्रभु और आर माधवन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। सामंथा रुथ प्रभु की त्रालाला मूविंग पिक्चर्स ही इस फिल्म का निर्माण भी कर रही है। हाल ही में गुलशन देवैया हैदराबाद में हुए फिल्म के आधिकारिक मुहूर्त समारोह में भी शामिल हुए थे।

फिल्म को लेकर उत्साहित हैं गुलशन

गुलशन अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस दौरान फिल्म को लेकर गुलशन देवैया का कहना है कि मैं सामंथा के साथ कुछ करने के लिए एक अच्छे मौके का इंतजार कर रहा था। अब ऐसा लगता है कि यह फिल्म सही समय पर आई है। हालांकि, गुलशन ने अपने किरदार को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी। उनका कहना है कि मैं अपने किरदार या फिल्म के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन यह किरदार निभाना काफी चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल गुलशन अपने किरदार की तैयारियों में जुटे हैं।

'कांतारा चैप्टर 1' में नजर आए थे गुलशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो गुलशन देवैया आखिरी बार ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कंतारा चैप्टर 1' में नजर आए थे। इस फिल्म में गुलशन ने निगेटिव किरदार निभाया था। उनके काम को पसंद भी किया गया था। फिल्म में उनके किरदार का नाम कुलशेखर है, जो एक राजा है जो कंतारा के जंगलों को नष्ट करने की योजना बनाता है। इसके अलावा वो हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' में भी नजर आए हैं।

ट्रोल्स ने मुझे बहुत प्रभावित किया, मगर अब कोई फर्क नहीं पड़ता

एक समय मिस इंडिया रही नेहा धूपिया के करियर में एक ऐसा वक्त भी आया, जब मां बनने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इंडस्ट्री में 22 साल बिता चुकी नेहा पिछली बार अ थर्सडे में दिखी थीं। रोडीज और अपने शो नो फिल्टर नेहा से हमेशा चर्चा में रहने वाली यह एक्ट्रेस आज ट्रोल्स को धता बताकर अपने मदरहुड और काम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे अपनी नई सीरीज परफेक्ट फैमिली से खबरों में हैं। उनसे एक बातचीत।

तीन साल बाद आपने अभिनय में वापसी की। किरदारों को लेकर इतनी चूजी क्यों हैं?

मैं इतनी चूज़ी हूं नहीं। मुझे इतने कम ऑफर्स मिलते हैं कि मुझे उन्हीं में से चुनना पड़ता है। मुझे भी लगता है कि मुझे काफी कम किरदारों का प्रस्ताव मिलता है। कई बार जब मैं कोई रोल देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे इसमें क्यों नहीं लिया गया? मगर इसके बावजूद मेरे अंदर एक बहुत बड़ी खुशी भी है कि इस इंडस्ट्री में मुझे 22 साल का एक लंबा अरसा हो गया।

अ थर्सडे में मैं 8 महीने की प्रेग्नेंसी में थी

जब मैंने अ थर्सडे साइन की थी, तब मैं गर्भवती नहीं थी। असल में बीच में लॉकडाउन आ गया था, तो जब शूटिंग शुरू हुई तो मैंने उनसे जाकर कहा, सॉरी मैं 6 महीने की गर्भवती हूं, तो उनका जवाब था कि क्या पुलिस अधिकारी प्रेग्नेंट नहीं हो सकती? आप अगर कंफर्टेबल हैं, तो ये रोल कीजिए। कहने का अर्थ ये है कि बेहजाद खंबाटा और रॉनी स्क्रूवाला जैसे फिल्मकारों ने अ थर्सडे जैसी महिला प्रधान फिल्म बनाई और मुझे गर्भवती होने के बावजूद मौका दिया।

क्या आप इस बात को मानती हैं कि एक महिला को हर जगह पर खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है?

जी मैं मानती हूं। हमारे पेशे में तो फिजिकल पहलू भी काफी मायने रखता है। आप एक मां होते है, पत्नी होते हैं, आपकी जिम्मेदारियों में इजाफा होता है। मां बनने के बाद एक महिला को ब्रेक लेना ही पड़ता है। मेल एक्टर्स कितना ब्रेक लेते हैं? एक मां होना सबसे सुखद अनुभूति है, मगर एक औरत के लिए मां बनने के बाद करियर में रुकावट तो आती ही है। पर हां, हमारे मदरहुड के समय मौके बेहतर हो गए थे। मगर हमसे पहले की जनरेशन तो मदरहुड के समय 5-10 साल पीछे चली जाती थीं। उनको फिर नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ती थी। मेरे केस में मैं रोडीज़ कर रही थी, अपना शो नो फिल्टर नेहा कर रही थी। इवेंट्स में भाग ले रही थी और इससे ज्यादा मैं मैनेज भी नहीं कर पाती। आज हम महिलाओं के पास सोशल मीडिया है। जैसे मैंने अपने सोशल मीडिया में एक पैरेंटिंग कम्युनिटी बना ली है, जहां हम प्रेग्नेंसी, पोस्टपार्टम, ब्रेस्ट फीडिंग जैसे कई मुद्दों पर बात करते हैं। इस कम्युनिटी से 80 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। देखिए, हम औरतों में अपने अंदर भी एक एक्सपेटेंस होनी चाहिए कि हमसे कितना बदलाव आया है। अब मेरे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, तो मेरे पास समय है, जिसका मैं फायदा उठा रही हूं। महिलाओं को अपने लिए मौके बनाने पड़ते हैं।

सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग या ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

पहले-पहले तो ये सब कुछ बहुत चुभता था। जब मैं पहली बार मां बनी, तब ट्रोल्स ने मुझे बहुत ज्यादा प्रभावित किया। मां बनना दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है, उसका कोई मोल नहीं, मगर उसके बाद आपकी जिंदगी 360 डिग्री बदल जाती है। आपकी बॉडी और हॉर्मोन्स चेंज होने लगते हैं, आप आईने में खुद को पहचान नहीं पाते। पहली डिलीवरी के बाद मैं बहुत ही सीवियर पोस्टपार्टम से गुजरी। मेरे बारे में जब भद्दे-भद्दे कमेंट्स आते, तो लगता कि लैपटॉप पर बैठ कर इस तरह के ट्रोल्स की ऐसी-तैसी कर दूं। मगर अब मैं मोटी चमड़ी की हो गई हूं। अब तो मैं अब्यूज, सेक्सुअल कोनोटेशन, फैट शेमिंग, गंदे-गंदे कमेंट्स, हर किसी से गुजर चुकी हूं और इससे उबर चुकी हूं। अब कोई फर्क नहीं पड़ता।

परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज का हिस्सा बनने को क्यों प्रेरित हुई?

तीन साल के अंतराल के बाद अगर आप किसी प्रॉजेक्ट में अभिनय करते हैं, तो जरूरी हो जाता है कि आप ऐसे विषय से जुड़ें, जो सामयिक भी मगर मनोरंजन भी दे। यही बात मुझे परफेक्ट फैमिली में दिखी। बाहर से हर फैमिली परफेक्ट लगती है, मगर अंदर से हर परिवार में कलेश होता है। जहां तक थेरेपी लेने की बात है, तो हर परिवार मानता है कि मानसिक रूप से बीमार या पागल होने पर ही थेरेपी ली जा सकती है। इस टैबू को तोड़ती है ये सीरीज। इसीलिए मैं इसका हिस्सा बनी।

आईपीएल 2026 की नीलामी सूची घोषित; 350 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने 2026 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आईपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में 350 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन पर 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आगामी नीलामी में बोली लगाई जाएगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 1,390 खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 224 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो इस साल की नीलामी में नई प्रतिभा और गहराई ला रहे हैं।

फ्रैंचाइज़ी कुल 77 उपलब्ध स्लॉट के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से 31 विशेष रूप से विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने खुद को अधिकतम आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई केवल दो भारतीय हैं। नीलामी मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे (यूएई समयानुसार दोपहर 1:00 बजे) शुरू होगी। 40 खिलाड़ियों ने अपनी आरक्षित कीमत 2 करोड़ रुपये रखी है, जबकि 9 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये की श्रेणी में हैं। चार खिलाड़ियों ने 1.25 करोड़ रुपये और 17 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत चुनी है। 75 लाख रुपये की श्रेणी में 42 खिलाड़ी हैं और चार खिलाड़ियों ने 50 लाख रुपये की श्रेणी चुनी है।

इसके अलावा, सात खिलाड़ियों का आरक्षित मूल्य 40 लाख रुपये है, और 227 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह 30 लाख रुपये के वर्ग में है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिनके सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने की उम्मीद है, क्योंकि कई टीमें एक आक्रामक ऑलराउंडर की तलाश में होंगी, ने बल्लेबाज के रूप में पंजीकरण कराया है और पहले सेट में शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, जॉर्ज लिंडे और श्रीलंका के डुनिथ वेल्लालेज, जो पहले सूची में नहीं थे, को अंतिम रोस्टर में शामिल किया गया है।

दुर्गेश्वरी राठौर का अन्तर्विश्वविघालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

धार (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविघालय इन्दौर के अर्न्त विश्वविघालय हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेवश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविघालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पूणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन में भाग लेगी।

दुर्गेवश्वरी राठौर की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी, राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष, छोटु शास्त्री, रक्षित निरीक्षक, पुरूषोत्तम बिश्नोई, खेल अधिकारी उमंग अग्रवाल ने बधाई दी।

दुर्गेवश्वरी राठौर हॉकी फीडर सेंटर धार के प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। उक्त जानकारी हॉकी प्रशिक्षक मनीष सोलंकी ने दी।

विराट स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 बेचकर एजिलिटास में हिस्सेदारी खरीदेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स बेच रहे हैं। विराट इससे मिलने वाली 40 करोड़ रुपये की रकम जिलिटास स्पोर्ट्स में ही निवेश करेंगे। अभिषेक गांगुली की एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। विराट इसमें एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में इस कंपनी ने स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली कंपनी मोचिको शूज को खरीदा था। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता बढ़ी थी।

वहीं वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट इसके सह-संस्थापक रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज से जुड़ हुआ है। एजिलिटास की ओर से कहा गया है कि कोहली और गांगुली के बीच पिछली कुछ समय में साझेदारी बढ़ी है। इसी के तहत ही वन8 को लेकर करार हुआ है। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास अब तक केवल वन8 में निवेश करने का विकल्प था पर एजिलिटास की उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और वितरण क्षमता को देखते हुए उन्होंने इसका शेयरधारक बनना तय किया है।

विराट का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला भविष्य की योजनाओं के तहत ही है। वहीं विराट ने कहा, अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, चलो करते हैं और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस ही मेरे लिए सब कुछ हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट के क्षेत्र में जाना चाहता था।वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत से स्पोर्ट्स में एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बनाना है।

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट

लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम उनका पूरा रिहैब प्लान तैयार करेगी। हल्के कंडीशनिंग से लेकर क्रिकेट-विशेष ट्रेनिंग तक का फैसला होगा। अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी वापसी में किसी भी तरह की जल्दबाज़ी से बचना चाहती है औरा 100 फीसदी फिट होने पर ही उन्हें खेलने दिया जाएगा। अय्यर पिछले कुछ वर्षों से एकदिवसीय टीम के मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और एकदिवसीय विश्वकप में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी गैरमौजूदगी के कारण अब भारतीय टीम को नए विकल्पों को आजमाना पड़ा है पर कोई भी सफल नहीं रहा है। वहीं गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल ने बताया कि अय्यर ने शुरुआती रिहैब शुरू कर दिया है और वे लगातार प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका खेलना लगभग संभव नहीं है।

हेजलवुड एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हुए, अब अगले साल वापसी करेंगे : मैकडोनाल्ड

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड जैसे शीर्ष स्तर के गेंदबाज

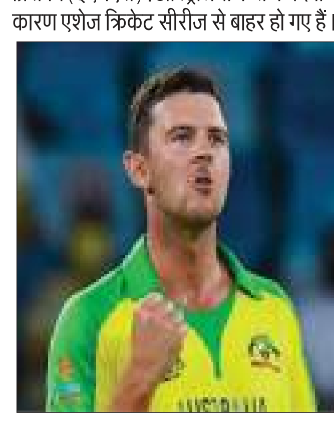

का टीम से बाहर होना मेलबान टीम के लिए करारा झटका कहै। अब हेजलवुड नये साल में ही खेल में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि हेजलवुड अब अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'वह सीरीज से बाहर रहेंगे और अब उनका लक्ष्य विश्वकप में खेलना होगा। एशेज से उनका बाहर होना काफी निराशाजनक है। हमें उम्मीद थी कि वह सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे पर बदकिस्मती से वह चोटिल हो गये।' गौरतलब है कि हेजलवुड पिछले एक दशक से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते रहे हैं। वहीं राहत की बात ये है कि कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस फिट हो गये हैं और वह 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कमिंस ने अभ्यास भी किया है और इस दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। अब तीसरे टेस्ट में कमिंस एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के नहीं रहने पर पहले दोनो ही मैचों में स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई एकादश की कप्तानी संभाली थी।

वेंकटेश अय्यर को लेकर ये क्या बोल गए केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर?

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद, वेंकटेश अय्यर 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी-नीलामी में वापस आ गए हैं। डीडी स्पोर्ट्स पर द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में बोलते हुए, केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने बताया कि कैसे ट्रायल के दौरान वेंकटेश अय्यर के आँकड़ों की बजाय उनके रवैये ने उनका ध्यान खींचा।

द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, नायर ने कहा कि मैंने उन्हें उनके रवैये के कारण चुना था।

पहले दिन, वेंकटेश अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्होंने कभी हमारी तरफ देखा या किसी को खुश करने की कोशिश नहीं की। मुझे लगा कि उनमें बहुत ज़्यादा रवैया है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे दिन, हमने उसे खेलने का मौका दिया। आखिरी ओवर में, जब हमारे गेंदबाज़ को ऐंठन हुई, तो वेंकी बाउंड्री से चिल्लाया, %मैं आखिरी ओवर डालूँगा। उसने गेंदबाजी की और 18 रन दिए, लेकिन मुझे उसकी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की तत्परता बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा कि उसके लिए यह परीक्षा कम मायने रखती थी, खुद को यह साबित करने से ज़्यादा कि वह सही काम कर रहा है। यह विश्वास मेरे साथ रहा।

2021 में, वेंकटेश ने तूफानी शुरुआत की और अपने पहले सीज़न में दस मैचों में 370 रन बनाए, जिससे केकेआर फाइनल में पहुँच गया, लेकिन वे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार गए। 2024 में अपने खिताब जीतने वाले वर्ष में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने फिर से 370 रन बनाए। 2025 में हालात मुश्किल लग रहे थे, क्योंकि उन्होंने 11 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 20.28 की औसत से 142 रन बनाए।

पांड्या जैसे ऑलराउंडर का टीम में होना जरुरी : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है भारतीय टीम के पास अभी हार्दिक पांड्या से बेहतर ऑलराउडर कोई नहीं है। पांड्या की हालांकि फिटनेस एक समस्या है और इसी कारण वह कई अवसरों पर टीम से बाहर रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'उस तरह का ऑलराउंडर बनने के लिए आपको अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में से किसी भी एक के बल पर टीम में जगह बनाने में सक्षम होना चाहिए।' बांगड़ ने कहा, 'टीम प्रबंधन को उनके जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना चाहिए। हार्दिक जैसा खिलाड़ी अगर पूरी तरह से फिट हो तो वह संतुलन पैदा करता है और उसकी मौजूदगी से टीम मनचाहा संयोजन तैयार कर सकती है। इसलिए उनका टीम में होना बेहद जरुरी है।' बांगड़ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट के सभी ऑलराउंडरों को देखें तो अभी इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसा कोई अन्य खिलाड़ी तैयार है। वहीं हार्दिक पांड्या के साथ भी यही स्थिति है।' पांड्या अकेले अपनी बल्लेबाजी के बल पर शीर्ष पांच में जगह बना सकते हैं। वहीं गेंदबाजी में भी वह किसी भी टीम के शीर्ष तीन तेज गेंदबाजों में से एक हो सकते हैं।'वहीं हार्दिक के कार्यभार प्रबंधन पर बात करते हुए बांगड़ ने कहा कि उन्हें तीन मैच ही खेलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि वह हालातों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। विश्व कप से पहले उन्हें कितने मैच खेलने चाहिये। ये अभी तय नहीं किया जा सकता है।' वहीं शुभमन गिल को लेकर बांगड़ ने कहा कि टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की प्रगति से उन्हें अन्य प्रारूपों में भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में टेस्ट क्रिकेट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शुभमन का आत्मविश्वास बढ़ा है, उससे भी उन्हें लाभ हुआ है। वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट कप्तान के रूप में अतिरिक्त ज़िम्मेदारी लेने से वह एक बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं।'

तीसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

–कमिंस की वापसी से गेंदबाजी मजबूत होगी : मैकडोनाल्ड

एडिलेड (एजेंसी)। एशेज में पहले दो टेस्ट मैचों में जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अब 17 दिसंबर से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले दोनो ही मैच में इंग्लैंड टीम किसी भी क्षेत्र में उसके सामने टिक नहीं पायी। ऐसे सें तीसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। कमिंस एक बेहतरीन तेज गेंदबाज और उनके आने से इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। कमिंट फिट नहीं होने के कारण पहले दोनो ही मैचों से बाहर थे। ऑस्ट्रेलिया

के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं पर एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड फिट नहीं होने से सीरीज से बाहर हो गये हैं।

मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। उन्होंने पिछले चार माह से क्रिकेट नहीं खेली है पर इसके बाद भी वह लय में हैं। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए हमें लगता है कि वह तैयार हैं।वहीं उन्होंने कहा कि पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है पर वह सलामी नहीं मध्यक्रम के बल्लेबाजी के तौर पर उतरेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा रहा है, इसलिए वे दोनो ही पारी शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना तय है। उन्हें दूसरे मैच में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब ठीक है और तीसरे मैच में खेलेंगे।

दूसरे टेस्ट में मैट हैनरी सहित तीन अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरेगी न्यूजीलैंड

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड को बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। न्यूजीलैंड टीम को इस मैच में मैच तीन अनुभवी खिलाड़ियों मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर के बिना ही उतरना पड़ेगा। ये तीनों ही पहले टेस्ट में घायल हो गये थे और अभी तक नहीं उबरे हैं। ये तीनो ही स्टार खिलाड़ी तीसरे ओर अंतिम मैच में भी नहीं खेलेंगे। जिसकी वजह से वह कैरेबियन जायंट्स के खिलाफ दूसरे और तीसरे हेनरी और स्मिथ के चोटिल होने के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज माइकल रे को न्यूजीलैंड ने शामिल किया है। वहीं क्रिस्टियन क्लार्क को अपनी टीम में जगह मिली है। रे ने वारविकशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेला है, जिसमें उन्होंने 30.28 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। कुल मिलाकर दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 69 फर्स्ट–क्लास मैचों में 205 विकेट लिए हैं। 30 साल के इस खिलाड़ी के नाम फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में आठ बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट हॉल हैं। वहीं फर्स्ट–क्लास में 24 साल के क्लार्क ने 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 की औसत से 77 विकेट लिए हैं।

इस सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची। हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है। महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड–रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड–रॉबिन प्रारूप में एक–दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा।

पहले दो नाम ये होने चाहिए, भारत की 2027 विश्व कप टीम पर बोले हरभजन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि इन दोनों के लिस्ट में 'पहले दो नाम' होने चाहिए। रोहित और विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर ODI सीरीज खेली। रोहित ने पहले और आखिरी ODI में दो शानदार हाफ-सेंचुरी लगाईं जबकि विराट ने रांची और रायपुर में लगातार दो शतक बनाए और इसके बाद विशाखापत्तनम में अर्धशतक लगाया।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हरभजन ने कहा कि अगर कोई 'युवाओं के पीछे अनुभव खो देता है', तो यह बड़े मैचों में महंगा पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़े और बेहतर खिलाड़ी हैं? इसलिए आपको उन्हें साइडलाइन नहीं करना चाहिए, बल्कि यह सोचना चाहिए कि उनके आस-पास टीम कैसे बनाई जाए। अगर आप युवाओं को आगे बढ़ाने के चक्कर में अनुभव खो देते हैं, तो बड़े मैचों में समय-समय पर यह एक समस्या हो सकती है। इसलिए उन्हें खेलना चाहिए और यह एक बड़ा वर्ल्ड कप होगा क्योंकि उसके बाद हो सकता है कि वे कभी दूसरा वर्ल्ड कप न खेलें।'

हरभजन ने कहा, 'जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली बैटिंग कर रहे हैं, और उनके साथ बैटिंग ऑर्डर जैसा दिख रहा है, वह इतना सॉलिड लग रहा है कि उन्हें खेलना चाहिए। वे अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। लेकिन यह सवाल कि वे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, युवा खिलाड़ियों की ओर देखना ठीक है, लेकिन उन खिलाड़ियों को नजरअंदाज़ न करें जो पहले से ही बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।' पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'पिछले वर्ल्ड कप में भी वे फाइनल में चूक गए थे, क्योंकि पिच बहुत धीमी थी। अगर पिच तेज होती, तो इंडिया जीत जाता। बहुत प्रेशर था, इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से बेहतर खेला और जीता। लेकिन रोहित शर्मा की लीडरशिप में भारत जिस तरह खेला, वह अविश्वसनीय था। इसलिए पहले दो नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली होने चाहिए और बाकी टीम उसके बाद बननी चाहिए।'

विराट ने सीरीज में 151.00 के एवरेज और 117 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाकर टॉप रन-गेटर रहे जिसमें दो शतक और एक फिफ्टी शामिल थी। रोहित ने भी तीन इनिंग्स में 48.66 के औसत से 148 रन बनाए, जिसमें 110 से ज़्यादा का स्टाइक रेट और दो फिफ्टी शामिल थी। 'रो-को' इस साल ODI में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले दो खिलाड़ी

रहे। विराट ने 13 मैचों और इनिंग्स में 65.10 के औसत से 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार फिफ्टी शामिल हैं, उनका बेस्ट स्कोर 135 और स्ट्राइक रेट 96 से ज़्यादा रहा। दूसरी और रोहित ने 14 इनिंग्स में 50.00 के औसत और 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार फिफ्टी तथा 121* का बेस्ट स्कोर रहा।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, 17 और 19 साल की युवा प्लेयर्स को मौका

नई दिल्ली। गुनालन कमालिनी और वैष्णवी शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला टीम में पहली बार शामिल किया गया। यह श्रृंखला 21 से 30 दिसंबर तक खेली जाएगी जिसके शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में और बाकी तीन मैच तिरुवनंतपुरम में होंगे। 17 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज कमालिनी ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) में मुंबई इंडियन्स के लिए नौ मैच खेले हैं लेकिन 19 साल की वैष्णवी को WPL नीलामी में शामिल नहीं किया गया था। कमालिनी और वैष्णवी को राधा यादव और उमा छेत्री के स्थान पर टीम में जगह दी गई है जो पिछले महीने एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। कमालिनी और वैष्णवी के अलावा टीम में सभी जाने–पहचाने नाम शामिल हैं। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी कर रही हैं जबकि स्मृति मंधाना उप कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में जगह बनाने वाली आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। भारत और श्रीलंका नौ जनवरी को नवी मुंबई में डब्ल्यूपीएल 2026 शुरू होने से ठीक पहले पांच मैच की श्रृंखला खेलेंगे। इस द्विपक्षीय श्रृंखला का कार्यक्रम भारत और बांग्लादेश के बीच दिसंबर में भारत में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के पिछले महीने स्थगित होने के बाद घोषित किया गया था। भारत और श्रीलंका ने पिछली बार अक्टूबर 2024 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय टीम – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष, जी कमालिनी, श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा।

संक्षिप्त समाचार

पवन ऊर्जा को लेकर ट्रंप के फैसले पर अदालत ने लगाई रोक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप के पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले कार्यकारी आदेश को खारिज कर दिया। मैसाचुसेट्स डिस्ट्रिक्ट के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज पैटी सारिस ने पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले ट्रंप के 20 जनवरी के कार्यकारी ऑर्डर को खारिज कर दिया और इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया। जज ने कहा कि संघीय जमीन और पानी पर पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट की लगभग सभी लीजिंग को रोकने का आदेश मनमाना है और यह अमेरिकी कानून का उल्लंघन है। सारिस ने न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिसिया जेम्स के नेतृत्व में 17 राज्यों और वाशिंगटन, डीसी के स्टेट अटॉर्नी जनरल के एक समूह की संयुक्त याचिका के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसने ट्रंप के उस ऑर्डर को चुनौती दी थी जिसमें पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के लिए लीजिंग और परमिट देने पर रोक लगा दी थी। ट्रंप अक्षय ऊर्जा के खिलाफ रहे हैं और बिजली बनाने के लिए जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को प्राथमिकता देते हैं। मैसाचुसेट्स अटॉर्नी जनरल एंड्रिया जॉय कैंपबेल ने इस फैसले को हरित नौकरियों और अक्षय ऊर्जा की जीत बताया।

फ्लोरिडा के गवर्नर ने मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को आतंकी संगठन घोषित किया

फ्लोरिडा, एजेंसी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने सोमवार को अमेरिका के सबसे बड़े मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया। डेसेंटिस ने काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश दिया है। हालांकि अमेरिकी सरकार ने अभी तक काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित नहीं किया है। यह आदेश फ्लोरिडा की एजेंसियों को निर्देश देता है कि वे दोनों समूहों और उन्हें सामान देने वालों को किसी स्टेट एग्जीक्यूटिव या कैबिनेट एजेंसी से कॉन्ट्रैक्ट और फंड लेने से रोकें। वहीं इब्राहिम डेसेंटिस पर इसके लिए मुकदमा करने की बात कही है। मुस्लिम ब्रदरहुड की स्थापना लगभग एक सदी पहले मिस्र में हुई थी और इसकी दुनिया भर में ब्रांच हैं। इसके नेताओं का कहना है कि इसने दशकों पहले हिंसा छोड़ दी थी और अब यह चुनावों और दूसरे शांतिपूर्ण तरीकों से इस्लामी राज स्थापित करना चाहता है। आलोचक, जिनमें पश्चिम एशिया इलाके की तानाशाह सरकारें भी शामिल हैं, इसे एक खतरा मानते हैं।

अफगानों पर पाकिस्तान के हमलों की निंदा

काबुल, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान की ओर से अफगान नागरिकों पर किए गए ताजा हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम सीमा पर हुई झड़पों की खबरों से अवगत हैं, जिनमें कई अफगान नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत, अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह हमला दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौते के दो महीने से भी कम समय बाद हुआ है।

संसद पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस पहुंची शीर्ष कोर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस (नेका) भी सुप्रीम कोर्ट गई है। पार्टी के मुख्य सचेतक श्याम घिमिरे ने बताया कि कांग्रेस ने वकील के जरिये पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्म खाती को इसी मांग पर सुप्रीम कोर्ट भेजा है। खाती कांग्रेस के निर्वाचन समिति संयोजक भी हैं। घिमिरे ने कहा, संसद पुनर्संस्थापना की मांग हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे पहले नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) भी इसके लिए रिट याचिका दायर कर चुकी है।

पाकिस्तान : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। गोलीबारी में एक सुरक्षा अधिकारी भी मारा गया और तीन घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ यह ऑपरेशन अफगानिस्तान की सीमा से सटे मोहमंद कबायली जिले के सोरन दर्रा इलाके में शुरू किया गया था। गोलीबारी थमने के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया।

ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा: सस्ता चावल भेज रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे। ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है।

उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा कि क्या भारत को चावल के मामले में किसी तरह की छूट मिली हुई है। मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर अभी बातचीत चल रही है।

कनाडाई फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लग सकता है : ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका कनाडा से आने वाली खाद पर भी कड़े टैरिफ लगा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सी खाद कनाडा से आती है। अगर यह बहुत सस्ती हो गई तो हम उस पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। कनाडा, अमेरिका को पोटाश खाद की सबसे ज्यादा सप्लाई करता है। अब तक इसे व्यापार समझौते की वजह से संरक्षण मिला हुआ है।

अमेरिका में महंगाई और बढ़ती कीमतों की वजह से ट्रम्प पर दबाव बढ़ रहा है। किसान भी बढ़ती लागत से परेशान हैं। अगर खाद पर नया टैरिफ लग गया तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अमेरिका ने हाल ही में पोटाश और फॉस्फेट को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में शामिल किया था, ताकि उनकी सप्लाई बनी रहे, लेकिन किसान अभी भी इसे लेकर परेशान हैं।

आसान भाषा में डंपिंग का मतलब जानिए : डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी चीजें दूसरे देश में बहुत ही कम दाम पर बेचता है। यह इतना कम होता है कि वहां की लोकल कंपनियां और किसान उस कीमत पर सामान बना ही नहीं पाते।

इससे उस देश का बाजार सस्ते विदेशी माल से भर जाता है और स्थानीय लोगों का कारोबार नुकसान में चला जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे लोकल मार्केट पर विदेशी कंपनियों या प्रोडक्ट का कब्जा हो जाता है। अगर ट्रम्प भारतीय चावल पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगा देते हैं तो भारत से अमेरिका जाने वाला चावल काफी महंगा हो जाएगा। इससे वहां भारतीय चावल खरीदने वाले लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि कीमतें बढ़ जाएंगी। साथ ही भारत के उन किसानों और निर्यातकों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है, जो अपनी फसल का बड़ा हिस्सा अमेरिका भेजते हैं। महंगा होने की वजह से अमेरिकी बाजार में भारतीय चावल की मांग कम हो सकती है।

भारत दुनिया का 40% चावल एक्सपोर्ट करता है : भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है। सस्ते घरेलू चावल और बड़े भंडार की वजह से भारत दुनिया भर में लगभग 40% चावल एक्सपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का कुल चावल निर्यात लगभग 15 मिलियन टन तक पहुंच गया था। भारत मुख्य तौर पर दो तरह के चावल एक्सपोर्ट करता है बासमती और गैर-बासमती। 2023 में पश्चिम अफ्रीकी देश गैर-बासमती चावल के सबसे बड़े खरीदार थे, जबकि बासमती चावल के सबसे बड़े खरीदार मिडिल ईस्ट के देश सऊदी अरब, ईरान और इराक थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, 2023 में भारत ने अमेरिका को लगभग 281,873 टन चावल एक्सपोर्ट किया था।

पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हुआ

ढाका, एजेंसी। नोबेल विजेता युनूस ने बड़े दमखम के साथ बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला था। लेकिन फिलहाल उनके नेतृत्व में बांग्लादेश भी पाकिस्तान के कंगाली वाले रास्ते पर जाता दिखाई दे रहा है। पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही बांग्लादेश भी उन देशों की कतार में आ गया है, जो विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। इस बात की जानकारी रविवार को अंतर्राष्ट्रीय कर्जों पर वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में हुई है। इसके मुताबिक पिछले पांच साल में बांग्लादेश के ऊपर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विदेशी कर्जों पर किस्त भुगतान, मूलधन और ब्याज दोनों पर दोगुना हो गया है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश पिछले कई साल से बाहरी कर्ज के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। सरकार ने विदेशी कर्ज की बदौलत बड़ी परियोजनाएं लागू की हैं। इनमें परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेट्रो रेल, पावर प्लांट, हवाई अड्डा टर्मिनल, अंडरवाटर टनल और ऊंची एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से कई के ऋण की अदायगी पहले ही शुरू हो चुकी है, वहीं कई अन्य को जल्द ही भुगतान किया जाना है।

बढ़ते ऋण बोझ के बारे में पूछे जाने पर, वर्ल्ड बैंक के ढाका कार्यालय के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री जाहिद हुसैन ने प्रोथम आलो को बताया कि विदेशी उधार और ऋण चुकाने का दबाव कोविड-19 काल से बढ़ रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे विकास में जो साझेदार हैं, अब वो कड़ी शर्तें लगा रहे हैं। इनमें कम ग्रेस पीरियड, घटा हुआ मैच्योरिटी टाइम और उच्च ब्याज दरें शामिल हैं, और इसके परिणामस्वरूप, मूलधन और ब्याज भुगतान का बोझ महत्वपूर्ण और लगातार बढ़ रहा है।

जाहिद हुसैन ने आगे बताया कि विदेशी कर्ज से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहाकि पहले विश्व बैंक और आईएमएफ की ऋण स्थिरता रिपोर्टों में बांग्लादेश लो रिस्क कैटेगरी में था। लेकिन अब यह मध्यम श्रेणी में आ गया है।

लंदन: हीथ्रो हवाई अड्डे पर मिर्च स्प्रे हमले में ब्रिटेन पुलिस ने 2 और गिरफ्तारियां कीं

लंदन, एजेंसी। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर हुई घटना की जांच कर रही ब्रिटेन की पुलिस ने सोमवार को दो और गिरफ्तारियां कीं। इस घटना में सप्ताहांत में मिर्च स्प्रे के हमले में 21 लोग मामूली रूप से घायल हो गए थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार 24 वर्षीय व्यक्ति और डकैती की साजिश के संदेह में गिरफ्तार 23 वर्षीय महिला अभी भी हिरासत में है।

रविवार को घटनास्थल के निकट डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार किए गए 31 वर्षीय व्यक्ति को 'जांच के तहत' छोड़ दिया गया है, जबकि पुलिस जांच जारी है। मेट पुलिस ने एक बयान में कहा, 'जांच शुरू की गई, जिसमें पता चला कि हमले से पहले, कार पार्क की लिफ्ट से बाहर निकलने पर दो महिलाओं के सूटकेस लूट लिए गए थे।' पुलिस ने बताया, 'लूट के दौरान, बदमाशों ने महिलाओं पर मिर्च स्प्रे जैसा कोई पदार्थ छिड़का। इस पदार्थ का असर आसपास के लोगों पर पड़ा और उन्हें मामूली चोटें आईं।' ये गिरफ्तारियां पश्चिम लंदन हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 बहुमंजिला पार्किंग में हुए हमले और डकैती के बाद हुईं। लंदन एम्बुलेंस सेवा ने 21 लोगों का इलाज किया, जिनमें से पांच को पास के अस्पताल ले जाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई।

ऑस्ट्रेलिया में जंगल में लगी आग का कहर जारी 40 घर तबाह

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में वन आग के कारण रविवार को दो प्रांतों के लगभग 40 घर तबाह हो गए और इसे काबू करने की कोशिश में एक दमकलकर्मी की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि न्यू साउथ वेल्स के बुलादेला शहर के पास रविवार की रात आग बुझाते समय 59 वर्षीय व्यक्ति के ऊपर पेड़ गिर गया और उन्हें बचाया नहीं जा सका। ग्रामीण अग्निशमन सेवा के प्रमुख कमिश्नर ट्रेंट कर्टिन ने बताया कि आग ने 3,500 हेक्टेयर जंगल को तबाह कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति एआई पर जारी करेंगे 'वन रूल' वाला ऑर्डर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य अलग-अलग कानून बनाकर टेक कंपनियों के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा कर दी है कि इस सप्ताह वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक ही नियम (One Rule) वाला एक महत्वपूर्ण कार्यकारी आदेश जारी करने जा रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मैं इस हफ्ते एआई के लिए एक नियम वाला कार्यकारी आदेश जारी करूंगा। अपनी पोस्ट में आगे उन्होंने कहा कि इस समय हम दुनिया के सभी देशों से काफी आगे हैं, लेकिन अगर हमारे 50 राज्य, जिनमें से कई में बहुत बुरे लोग बैठे हैं, अलग-अलग नियम बनाने और मंजूरी देने में लगे रहे, तो यह बढ़त ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि एआई अपनी शुरुआती अवस्था में ही नष्ट हो जाएगा। बताया जा रहा है कि यह कदम ट्रंप का एआई नीति पर अपनी मजबूत छाप छोड़ने का ताजा प्रयास है। उनका स्पष्ट मानना है कि 50 अलग-अलग राज्य स्तर के नियमों का जाल अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुपालन को असंभव बना देगा और नवाचार को मार डालेगा। तकनीकी उद्योग के बड़े नेता लंबे समय से राज्य-दर-राज्य विनियमन के खिलाफ बोलते रहे हैं। इस लिहाज से यह आदेश उनके लिए बड़ी जीत होगी। बता दें कि ट्रंप और टेक दिग्गजों ने बार-बार चेतावनी दी है कि अलग-अलग राज्य कानून नवाचार रोक देंगे और अनुपालन को बेहद जटिल बना देंगे। हालांकि, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स सहित कई रिपब्लिकन गवर्नरों ने इस कदम की आलोचना की है। वे इसे राज्यों के अधिकारों पर हमला मानते हैं। माना जा रहा है कि किसी भी ऐसे कार्यकारी आदेश को तुरंत कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने सोमवार को सीएनबीसी को बताया कि उन्होंने इस आदेश का मसौदा देख लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य इन कंपनियों को अपने कंट्रोल में रखना चाहते हैं। आने वाला कार्यकारी आदेश यह साफ कर देगा कि अमेरिका में अमेरिकी कंपनियों के लिए सिर्फ एक ही नियम होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने देखे गए संभावित आदेश के मसौदे में न्याय विभाग को उन राज्यों के खिलाफ मुकदमा करने की शक्ति दी जाएगी जिनके एआई कानून संघीय सरकार असंवैधानिक मानती है। साथ ही, जिन राज्यों के नियम बहुत सख्त या बोझिल होंगे, उन्हें संघीय फंडिंग में कटौती भी की जा सकेगी।

जापान में आए 7.5 तीव्रता के भूकंप से 30 लोग घायल, अधिकारियों ने बड़े झटकों की चेतावनी दी

टोक्यो, एजेंसी। जापान में आए 7.5 तीव्रता वाले भूकंप की वजह से 30 लोगों के घायल होने की खबर है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप सोमवार को स्थानीय समय के मुताबिक रात 11:15 पर आओमोरी प्रीफेक्चर के पूर्वी तट पर आया। भूकंप का केंद्र 54 किलोमीटर नीचे था। क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंसी ने चेतावनी दी कि इस झटके के बाद आने वाले दिनों में उसी इलाके में इसी तरह या उससे भी ज्यादा तीव्रता वाला भूकंप आ सकता है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने प्रभावित इलाकों के लोगों से अगले एक-दो सप्ताह तक स्थानीय अधिकारियों और मौसम एजेंसी से अपडेट के लिए अलर्ट रहने और आने वाले भूकंप के लिए तैयार रहने को कहा है। स्थानीय लोगों को पर्याप्त मात्रा में घर के जरूरी सामान को रखने को कहा गया है। एजेंसी के मुताबिक, भूकंप होक्काइडो और उत्तर-पूर्वी जापान के तटों से लगी एक खाई के पास आया। यह एक ऐसा जोन है जहां पैसिफिक प्लेट के होंशू मुख्य द्वीप के नीचे खिसकने से बड़े भूकंप आ सकते हैं। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बाद में भूकंप की तीव्रता को पहले के 7.6 के अनुमान से बदल दिया और झटके के बाद 3 मीटर तक ऊंची सुनामी लहरों की चेतावनी जारी की। इवाते प्रीफेक्चर में सबसे ऊंची सुनामी लहरें 70 सेंटीमीटर तक पहुंच गईं। भूकंप के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद, सुनामी की चेतावनी जारी की गई जिसे मंगलवार सुबह 6:20 में हटा लिया गया। आओमोरी के कुछ हिस्सों में भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता स्केल 7 पर 6 से ज्यादा दर्ज की गई। झटके के बाद, मौसम एजेंसी ने खाई के पास एक बड़े भूकंप के लिए एक खास अलर्ट जारी किया, जिसे 'ऑफ द कोस्ट ऑफ होक्काइडो एंड सैनरिकु सबसीक्वेंट अर्थक्वेक एडवाइजरी' के नाम से जाना जाता है, जो 7.0 या उससे ज्यादा की तीव्रता वाले भूकंप के बाद सक्रिय होता है।

पुतिन के बाद अब जेलेंस्की भारत आ सकते हैं : अगले महीने का प्लान

कीव/नई दिल्ली, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बाद अब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अगले महीने भारत दौरे पर आ सकते हैं। हालांकि अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। जेलेंस्की का यह पहला भारत दौरा होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपतियों ने 1992, 2002 और 2012 में अब तक सिर्फ तीन बार भारत दौरा किया है। विक्टर यानुकोविच आखिरी यूक्रेनी राष्ट्रपति थे, जो 2012 में भारत आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत, रूस और यूक्रेन बीच संतुलन बनाए रखना चाहता है। 2024 में भी भारत ने ऐसा ही किया था। पीएम मोदी पहले मॉस्को गए और पुतिन से मिले थे और कुछ ही हफ्तों बाद वे कीव जाकर जेलेंस्की से मिले थे। भारत और यूक्रेन के अधिकारियों के बीच पिछले कई हफ्तों से बातचीत चल रही है। यह बातचीत पुतिन की यात्रा से पहले ही शुरू हो गई थी।

जेलेंस्की का भारत दौरा कई फैक्टर पर निर्भर करेगा : रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेलेंस्की का दौरा कब और कैसे होगा यह कई बातों पर निर्भर करेगा, जैसे कि ट्रम्प की नई शांति योजना किस दिशा में जाती है, युद्ध की स्थिति कैसी रहती है और यूक्रेन की राजनीति कैसे आगे बढ़ती है, क्योंकि इस समय वहां जेलेंस्की सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों से दबाव में है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से पीएम मोदी, पुतिन और जेलेंस्की दोनों से लगातार बात करते रहे हैं। फोन कॉल हो या अंतरराष्ट्रीय बैठकें दोनों नेताओं के साथ उनका संपर्क बना रहा है।

पीएम मोदी ने जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया था : पीएम मोदी अगस्त 2024 में यूक्रेन दौरे पर पहुंचे थे। तब उन्होंने जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया था। बैठक में मोदी ने कहा था कि भारत हमेशा से शांति के पक्ष में रहा है। मैं कुछ दिन पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिला था। तब मैंने कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है। मोदी और जेलेंस्की के बीच यूक्रेन के मैरिंस्की पैलेस में करीब 3 घंटे बैठक हुई थी। बाद में यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मीडिया से कहा था कि भारत एक बड़ा देश है, उसका प्रभाव अधिक है। भारत पुतिन को रोक सकता है। भारत अपनी भूमिका निभाएगा।

चिंता जताने के बावजूद पाकिस्तान को पैसे देते जा रहा आईएमएफ, अब जारी किए 1.2 अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता और सुधारों में कमी पर चिंता जताने के बावजूद देश को 1.2 अरब डॉलर की नई किस्त जारी कर दी है। यह राशि पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने और महंगाई को नियंत्रित करने में सहायक होगी, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम दीर्घकालिक सुधारों के बिना जोखिम भरा हो सकता है।

आईएमएफ ने सोमवार को पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की तीसरी किस्त जारी करने की घोषणा की। यह धनराशि उन दो कार्यक्रमों के तहत दी गई है, जिनका उद्देश्य देश में आर्थिक सुधारों को समर्थन देना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना है। इस ताजा किस्त के साथ वाशिंगटन स्थित संस्था द्वारा इस्लामाबाद को अब तक कुल 3.3 अरब डॉलर जारी किए जा चुके हैं। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक नाइजल क्लार्क ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान द्वारा लागू किए गए सुधारों ने हालिया झटकों के बावजूद मैक्रोइकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विशेष रूप से इस वर्ष की मॉनसून बाढ़ों का उल्लेख किया, जिनमें सितंबर तक 1,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

क्लार्क ने कहा कि पाकिस्तान सरकार द्वारा प्राथमिक राजकोषीय संतुलन लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता, साथ ही बाढ़ प्रभावितों को जरूरी आपात सहायता प्रदान करना, उनकी वित्तीय विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, आईएमएफ अधिकारी ने सरकार से आर्थिक डेटा कलेक्शन में सुधार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण और निवेश को बढ़ावा देने जैसे प्रमुख सुधारों की गति तेज करने का आग्रह भी किया।

गंभीर आर्थिक संकट में फंसा पाकिस्तान : पाकिस्तान पिछले कई वर्षों से लंबे आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी कर्ज पर भारी निर्भरता रखने वाला देश 2023 में डिफॉल्टर होने से बाल-बाल बचा। तब 2024 में आईएमएफ द्वारा 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की मंजूरी मिली थी। दक्षिण एशियाई यह देश अर्जेंटीना और यूक्रेन के बाद आईएमएफ का तीसरा सबसे बड़ा देनदार है। वित्तीय मोर्चे पर राहत पाने के लिए पाकिस्तान ने जनवरी 2024 में विश्व बैंक से 10 वर्षों के लिए 20 अरब डॉलर के वित्तीय पैकेज पर भी समझौता किया था। आईएमएफ की ताजा किश्त से पाकिस्तान को विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर रखने और सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार वास्तविक आर्थिक सुधारों को तेजी से लागू किए बिना स्थिति में स्थायी सुधार की संभावना अभी सीमित है।

टोल प्लाजा पर सिख युवक से मारपीट और पगड़ी उछालने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में टोल प्लाजा पर सिख युवक से मारपीट और उसकी उसकी पगड़ी उछालने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना को लेकर लोगों ने टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन किया था। आरोपियों ने टोल ना देने पर युवक से मारपीट की थी, जबकि पीड़ित का कहना है कि टोल नहीं लगता था। जानकारी के मुताबिक पिहोवा में सिख युवक के साथ टोल प्लाजा कर्मचारियों ने मारपीट की थी और पीड़ित की पगड़ी भी उछाल दी थी। बाद में गुस्साए सैकड़ों लोगों ने टोल प्लाजा पर धरना दिया था। किसान उदेयवीर ने अब इस मामले पर पुलिस का धन्यवाद किया था। टोल के मैनेजर ने किसानों के सामने आकर माफी मांगी और कहा कि आगे से ऐसा नहीं होगा। साथ ही टोल पर काम करने वाले सभी कर्मचारी के गले में आईकार्ड होंगे। जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम ने इस मामले में नरेश कुमार, अमन गिर, गुरदेव सिंह, रोहित सिंह उर्फ सोनी, रोबिन व ललित वासी राम गुजरा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार किया है। बता दें 8 दिसंबर 2025 को मुस्तफाबाद पुलिस चौकी को दी अपनी शिकायत में नरवीर सिंह ने बताया कि वह गांव बाने का रहने वाला है और उसे गांव के 10 किलोमीटर के दायरे में टोल प्लाजा आता है। एनएचएआई के नियमों के मुताबिक टोल प्लाजा के क्षेत्र में आने के कारण उनके गांव का टोल नहीं लगता 18 दिसंबर शाम वह अपने काम से कैथल जा रहा था कि प्लाजा पर टोल देने को लेकर टोल कर्मचारियों ने उसके साथ मारपीट की उसे अपशब्द कहे। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी।

महाराष्ट्र कांग्रेस को विधानसभा स्पीकर ने दिया झटका... महाभियोग प्रस्ताव शुरू करने की मांग खारिज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र कांग्रेस को बुधवार को एक बड़ा झटका लगा है, जहाँ विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने राज्य चुनाव आयुक्त (एसईसी) के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव शुरू करने की मांग को खारिज किया है। सीनियर कांग्रेस विधायक और पूर्व स्पीकर नाना पटोले ने स्पीकर से इसकी मांग की थी। कांग्रेस नेता पटोले ने हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में अराजकता और अनियमितताओं का आरोप लगाकर एसईसी पर दिन दहाड़े लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया था। उन्होंने तर्क दिया कि चूंकि मुख्यमंत्री (तत्कालीन मुख्यमंत्री फडणवीस) ने भी अनियमितताओं की अभूतपूर्व प्रकृति को स्वीकार किया है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत महाभियोग की कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। लेकिन स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मांग को खारिज कर दिया। स्पीकर ने कहा कि पटोले की मांग राज्य विधानसभा के दायरे से बाहर थी और यह हाई कोर्ट के जज पर महाभियोग से जुड़े हाल के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप नहीं थी। एसईसी ने 24 नगर परिषदों और 76 नगर परिषदों तथा नगर पंचायतों के 154 वार्डों में मतदान शुरू होने से ठीक पहले स्थानीय निकाय चुनावों को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दिया था। सीएम फडणवीस ने भी स्थगन पर नाराजगी व्यक्त की थी, यह कहते हुए कि चुनाव निर्धारित होने से एक दिन पहले स्थगन का कोई प्रावधान नहीं है। पार्टी ने स्थगन को एक सोची-समझी राजनीतिक चाल बताते हुए एसईसी की आलोचना की थी और कहा था कि महाराष्ट्र में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अराजकता फैल गई है।

पीएम मोदी ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को करते हैं हैक : कंगना रनौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के आठवें दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जहां राज्यसभा में 'वंदे मातरम' को लेकर बहस छिड़ी रही, वहीं लोकसभा में चुनाव सुधार मुख्य मुद्दा बना रहा। इसी दौरान अभिनेत्री से भाजपा सांसद बनी कंगना रनौत ने कांग्रेस पर विपक्ष में रहते हुए लगातार नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। लोकसभा में अपनी टिप्पणी के दौरान कंगना रनौत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईवीएम हैक नहीं करते, वे लोगों के दिलों को हैक करते हैं। यह प्रतिक्रिया उन्होंने उन विपक्षी आरोपों के जवाब में दी, जिनमें ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे थे। कंगना ने सदन में उस 'अंतरराष्ट्रीय महिला' की तस्वीर दिखाने पर भी कांग्रेस पर हमला बोला, जिसका प्रयोग राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की आलोचना के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि यह उस महिला का अपमान है और वे इसके लिए उससे माफी मांगती हैं। भाजपा सांसद ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष रोज हंगामा खड़ा कर समय बर्बाद कर रहा है, जिससे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रभावित हो रही है। कंगना ने कहा कि विपक्ष की इस रणनीति के कारण संसद का वातावरण लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है और जनहित के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं।

दिल्ली में फिर एक स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी... खालिस्तान आंदोलन का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को संस्कृति स्कूल को भी इसतरह का धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें खालिस्तान आंदोलन का जिक्र था। संदेश में लिखा था, आज दोपहर 12:05 बजे बम धमाका होगा? पुलिस अधिकारी धमकी को गंभीरता से ले रहे हैं और स्कूलों को छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी है।

बुधवार सुबह, स्कूलों ने एहतियात के तौर पर अभिभावकों को अपने बच्चों को लेने के लिए तुरंत सूचना दी। सूचना में छात्रों और अभिभावकों के बीच घबराहट पैदा किए बिना स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने और संभालने के लिए छात्रों को चरणबद्ध तरीके से स्कूल भेजने की प्रक्रिया बताई। स्कूल द्वारा जारी नोटिस में लिखा था, प्रिय अभिभावकगण, स्कूल को ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली है। एहतियात के तौर पर, स्कूल बच्चों को छुट्टी दे रहा है। आपसे अनुरोध है कि कृपया नीचे दिए गए समय के अनुसार अपने बच्चे को लेने आ जाएं।

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके बुरे फंसे संत अनिरुद्धाचार्य; कोर्ट में परिवाद दर्ज, एक जनवरी को सुनवाई

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन के प्रसिद्ध संत और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके मुश्किलों में फंस गए हैं। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं 25 वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी 14 वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए। इस बयान को लेकर अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कोर्ट में शिकायत की थी। मथुरा सीजेएम कोर्ट ने परिवाद यानी शिकायत दर्ज करते हुए मामले में सुनवाई के लिए एक जनवरी 2026 की तारीख तय की है।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने मथुरा में मीडिया से बात की। भारतीय हिंदू महासभा आगरा जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने संत अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ न्यायालय में लिखित प्रार्थना पत्र दिया था। उसमें कहा गया था कि कथा प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर विवादित टिप्पणी करते हैं जो गलत है। संत ने एक प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं 25 वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी 14 वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए। विवादित बयान के बाद जनपद न्यायालय सीजेएम कोर्ट ने मामला संज्ञान में लिया और 1 जनवरी को इस मामले में सुनवाई होगी।

वृंदावन के प्रसिद्ध संत अनिरुद्धाचार्य के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब इंस्टाग्राम फेसबुक पर लाखों फॉलोअर हैं। अनिरुद्धाचार्य की कथा सुनने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर उनका गौरी गोपाल के नाम से आश्रम बना हुआ है। कुछ महीने पहले वृंदावन में कथा प्रवचन के दौरान शिष्यों ने पूछा लड़कियों की शादी कब हो जानी चाहिए। इस पर संत ने जवाब दिया कि लड़कियों की शादी 14 वर्ष की अवस्था में हो जानी चाहिए। क्योंकि, 25 वर्ष की आयु होते-होते लड़कियां कई जगह मुंह मार लेती हैं जो गलत है।

अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया मीरा राठौर के द्वारा सीजेएम कोर्ट में एक लिखित शिकायत की गई थी, उसका कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने वाद को पंजीकृत कर लिया है। अब अगली सुनवाई एक जनवरी 2026 को होगी। इस दिन शिकायतकर्ता मीरा राठौर अपने बयान दर्ज कराएंगी। मीरा राठौर ने कहा ऐसे संतों को जेल भेज देना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ अनिरुद्धाचार्य विवादित टिप्पणी करते रहते हैं जो गलत है। मुझे नहीं लगता कि वह असली साधु संत हैं। साधु संतों की यह भाषा नहीं होती है। अगर यही बात कोई मौलाना मौलवी कहता तो उसके मकान-मस्जिद पर बुलडोजर चल जाता। अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया तो मुझे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय में जीत हुई। हम मांग करते हैं मुकदमा दर्ज करके तत्काल अनिरुद्धाचार्य को जेल भेजना चाहिए। अनिरुद्धाचार्य की भाषा बहुत गलत है।

राहुल गांधी जा रहे हैं जर्मनी यात्रा पर, बीजेपी ने बताया भारत बदनामी यात्रा

-विदेशी मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की होने वाली जर्मनी यात्रा ने राजनीति में हलचल मचा दी है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने इसे भारत बदनामी यात्रा बताया है और कांग्रेस नेता पर विदेशी मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिए करने का आरोप लगाया। पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी का विदेश यात्रा का फैसला एक बार फिर उनकी गलत प्राथमिकताओं को दर्शाता है। राहुल 17 दिसंबर को बर्लिन में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे यूरोप भर के आईओसी नेताओं से मिलेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी ने साबित कर दिया है कि विपक्ष के नेता का मतलब पर्यटन का नेता होता है। वह एक गैर-गंभीर राजनेता हैं। लोग काम के मूड में हैं, जबकि वह छुट्टी के मूड में हैं। हमेशा के लिए छुट्टी के मूड में हैं। उन्होंने कहा कि राहुल जी अक्सर विदेश चले जाते हैं, और यह दिखाता कि बिहार चुनावों में जब दूसरे लोग चुनाव प्रचार कर रहे थे, तब वे जंगल सफारी पर थे। जर्मनी यात्रा के इरादे के बारे में पूनावाला ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वे किसी कारण से क्यों जा रहे हैं, लेकिन हो सकता है कि वे भारत के खिलाफ जहर उगलना चाहते हों। यह भारत बदनामी ब्रिगेड और भारत बदनामी टूर है और वे सबसे अच्छा करते हैं। पूनावाला ने कहा कि विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। संसद 19 दिसंबर तक है, लेकिन खबरों के मुताबिक राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे।

महाराष्ट्र पुलिस को बड़ी सफलता: गढ़चिरौली में 11 माओवादी कैडरों का आत्मसमर्पण

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल की है, जहां प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के 11 सीनियर और हार्डकोर कैडरों ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

आत्मसमर्पण करने वालों में कुल 11 कैडर शामिल हैं। इसमें दो डिवीजनल कमेटी सदस्य, तीन एरिया पार्टी कमेटी सदस्य, दो एरिया कमेटी सदस्य, चार आम पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर मिलाकर 82 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इतना ही नहीं चार कैडरों ने अपनी वर्दी और हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। इस आत्मसमर्पण में सबसे बड़ा नाम रमेश उर्फ भीमा उर्फ बाजू गुड्डी लेकामी (57 वर्ष), जो भामरागढ़ एरिया का डिवीजनल कमेटी सदस्य था। छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, कांकेर और नारायणपुर जिले में महिलाओं ने भी आत्मसमर्पण किया है। यह इस साल का सबसे बड़ा सरेंडर नहीं है, लेकिन इसका महत्व बहुत अधिक है। बता दें कि साल 2025 में अब तक गढ़चिरौली में 112 हथियारबंद माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं। अक्टूबर 2025 में पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू सहित 61 बड़े कैडर ने आत्मसमर्पण किया था। 2005 से अब तक गढ़चिरौली पुलिस के सामने कुल 783 सक्रिय माओवादी हथियार डाल चुके हैं। डीजीपी शुक्ला ने बचे हुए माओवादियों से हथियार छोड़कर सम्मान की जिंदगी जीने की अपील की। माओवादी विचारधारा खोखली साबित हो चुकी है और आम आदिवासी उसकी हिंसा से तंग आ चुके हैं। महाराष्ट्र सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति उनके लिए अवसर प्रदान करती है। डीजीपी ने सी-60 कमांडो और अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अक्टूबर में लाहेरी जंगल में भूपति सहित 61 माओवादियों का सरेंडर करवाया था। गढ़चिरौली पुलिस ने प्रोजेक्ट उड़ान - विकास की एक झलक' नामक एक खास माइलबुक जारी की। इसका उद्देश्य दूरदराज के आदिवासी इलाकों में चल रही सरकारी योजनाओं की आसान जानकारी देना है। डीजीपी ने कहा कि अब पुलिस सिर्फ सुरक्षा नहीं, विकास का माध्यम भी बनेगी।

सांसद गोगोई ने कसा तंज बोले- इंडिगो के पीछे की कहानी का पर्दाफाश होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो मामले को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ती जा रही है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्र सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल मंत्री के बयान दे देने से सरकार अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पूरे प्रकरण की असल कहानी सामने आनी चाहिए और सदन में विस्तार से चर्चा होना बेहद जरूरी है।

गौरव गोगोई ने मीडिया से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि पिछले दो दिनों में सरकार ने संसद के दोनों सदनों में दिए गए बयानों में पूरी जिम्मेदारी एक निजी कंपनी पर डाल दी है, जैसे उसकी खुद की कोई भूमिका ही न हो। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है मानो नियामक संस्थाओं की कोई जिम्मेदारी ही नहीं बची। हजारों उड़ानें रद्द हुईं, यात्रियों को एयरपोर्ट पर कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा, लेकिन सरकार अपनी जवाबदेही से दूर खड़ी दिखाई देती है।

सांसद ने यह भी कहा कि पायलटों की सुविधा के लिए लाए गए नए नियमों को सरकार ने अचानक वापस ले लिया। न पायलटों को राहत मिली, न यात्रियों को और न ही सरकार ने अपनी भूमिका स्वीकार की। सिर्फ एक नोटिस जारी कर देने से सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि लोकसभा में मंत्री का बयान आने के बाद विपक्ष ने असहमति जताते हुए वॉकआउट किया, क्योंकि सरकार पूरे मामले पर ईमानदार चर्चा से बच रही है। उनका कहना था कि एक सप्ताह में कितनी उड़ानें रद्द हुईं, यह केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए। गोगोई ने एविएशन इंडस्ट्री की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही तेजी से बढ़ते एविएशन बाजार की बात करे, लेकिन इसका क्या लाभ जब एयरपोर्ट पर बुनियादी सुविधाएं महंगी हों, टिकटों के दाम आसमान छू रहे हों, पायलटों और ग्राउंड स्टाफ की स्थितियां खराब होती जा रही हों और पूरी इंडस्ट्री कुछ निजी कंपनियों के इशारों पर चल रही हो। इसी मुद्दे पर दूसरी सांसद फौजिया खान ने भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नोटिस भेजना जरूरी है, लेकिन क्या सारी गलती सिर्फ इंडिगो की है? क्या सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? उन्होंने सवाल किया कि जो नियम लागू किए गए थे, वे क्या सही थे और यदि नहीं, तो अचानक पूरी व्यवस्था कैसे ठप हो गई? वापस लिए गए नियमों की सच्चाई भी सामने आनी चाहिए।

वंदे मातरम से जुड़े एक अन्य विवाद पर कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के सहारे जो भी कहा जाए, उससे सच्चाई नहीं बदलती। उन्होंने कहा कि इतिहास स्पष्ट बताता है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान किसने क्या भूमिका निभाई और आज इस विषय पर सवाल उठाने वालों का उस दौर में कोई अस्तित्व तक नहीं था।

सोनिया गांधी को नोटिस जारी किए जाने पर कांग्रेस नेता किरण कुमार चमाला ने कहा कि बार-बार सोनिया गांधी और उनके परिवार को निशाना बनाना राजनीतिक विद्वेष का संकेत है। उन्होंने बताया कि चुनाव सुधारों पर चर्चा दो सत्रों की मांग के बाद शुरू हो सकी। उनके अनुसार कई राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया का दुरुपयोग किया जा रहा है, जबकि इसके प्रावधान सीमित हैं और इसे केवल आवश्यकता पड़ने पर ही लागू किया जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल एविएशन सेक्टर की खामियों को उजागर किया है, बल्कि राजनीतिक माहौल को भी गर्मा दिया है। सरकार की जवाबदेही और नियामक संस्थाओं की भूमिका पर उठे सवाल अभी भी जस के तस बने हुए हैं।

हुमायू का दावा: अगले साल मैं ही बनूंगा किंगमेकर, मेरे बगैर कोई सरकार नहीं बना पाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस से हाल ही में निलंबित हुए मुर्शिदाबाद के प्रभावशाली नेता एवं विधायक हुमायूं कबीर ने मंगलवार को बड़ा दावा किया कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद वह किंगमेकर बनकर उभरेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्रस्तावित नई पार्टी के समर्थन के बिना राज्य में कोई भी सरकार बनाना असंभव होगा। कबीर ने संवाददाताओं से कहा, 2026 में न तो तृणमूल कांग्रेस और न ही भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल कर पाएगी। 294 सीटों वाली विधानसभा में कोई भी दल 148 का आंकड़ा नहीं छू सकेगा। चुनाव परिणाम आने के बाद मैं किंगमेकर बनूंगा। जो भी मुख्यमंत्री बनेगा, उसे मेरे विधायकों का समर्थन लेना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी नई पार्टी कम से कम 135 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और इतनी सीटें जीतेगी कि सरकार बनाने या गिराने की स्थिति में रहेगी। नई पार्टी की औपचारिक घोषणा 22 दिसंबर को होगी। पार्टी का नाम पूछे जाने पर कबीर ने मुस्कुराते हुए कहा, '22 दिसंबर के बाद सब कुछ अपने आप पता चल जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने कबीर के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। पार्टी के प्रदेश महासचिव अरूप चक्रवर्ती ने कहा, 'हुमायूं कबीर दिवास्वप्न देख रहे हैं। सरकार बनाने की बात करने से पहले उन्हें अपनी जमानत बचाने की चिंता करनी चाहिए। ऐसे निराधार दावे उनकी राजनीतिक हताशा को ही दर्शाते हैं।

इस बीच, हुमायूं कबीर के करीबियों ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद शैली की नई मस्जिद के लिए अब तक लगभग तीन करोड़ रुपये का चंदा इकट्ठा हो चुका है। उनके अनुसार, मस्जिद परिसर में रखी 12 दान पेटियों से 57 लाख रुपये नकद मिले हैं, जबकि क्यूआर कोड के जरिए 2.47 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है। चंदा लगातार बढ़ रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कबीर का नई पार्टी के जरिए मुर्शिदाबाद और आसपास के मुस्लिम बहुल इलाकों में मजबूत आधार बनाने की तैयारी में हैं। उनके इस दावे ने 2026 के चुनावी समीकरण को और रोचक बना दिया है।

2027 में होंगे पंजाब विधानसभा चुनाव... लेकिन कांग्रेस के अंदर की खींचतान आने लगी सामने

-नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ वाले बयान से राज्य में मचा घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस ने नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू की प्राथमिक सदस्यता निलंबित कर दी। यह कार्रवाई अनुशासनहीनता और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयानों के कारण की गई। दरअसल नवजोत कौर सिद्धू ने यह कहकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपये देने पड़ते हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल पर आरोप लगाया कि तरनतारन उपचुनाव के उम्मीदवार करणबीर सिंह बुर्ज ने पार्टी टिकट के लिए दो कांग्रेस नेताओं को 10 करोड़ रुपये दिए, लेकिन बुर्ज ने इन आरोपों को निराधार बताया। निलंबन के बाद, नवजोत कौर सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पर हमला बोला। उन्होंने वड़िंग को एक असंवेदनशील और गैरजिम्मेदार, नैतिक रूप से बेईमान और भ्रष्ट अध्यक्ष बताया और उन्हें अध्यक्ष के रूप में स्वीकार करने से इंकार कर दिया। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष वड़िंग ने कहा कि कौर को निराधार आरोप लगाने और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने के कारण निलंबित किया गया है। नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि उनके पति, नवजोत सिंह सिद्धू, सक्रिय राजनीति में तभी लौटने वाले हैं, जब कांग्रेस उन्हें पंजाब में मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि उनके पास किसी पार्टी को देने के लिए 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, लेकिन सिद्धू पंजाब को एक स्वर्णिम राज्य में बदल सकते हैं।

बता दें कि 2022 के पिछले चुनाव से कुछ महीने पहले भी पार्टी में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच बड़ी अंदरूनी खटपट सामने आई थी। इस आंतरिक कलह के बाद हुए चुनाव में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी (आप) के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। उस समय कांग्रेस ने चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम और सिद्धू को पार्टी अध्यक्ष बनाया था। बाद में वड़िंग ने अध्यक्ष पद संभाला। यह घटनाक्रम दिखाता है कि पंजाब में 2027 के चुनावों से पहले कांग्रेस में गुटबाजी और नेतृत्व की लड़ाई फिर से खुले तौर पर सामने आ गई है।

इंडिगो एयरलाइंस के संकट से सिर्फ दिल्ली को 1000 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान

-कई सारे होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट्स और रिसोर्ट की हजारों बुकिंग रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो एयरलाइंस के संकट और फ्लाइट्स के बड़े पैमाने पर रद्द होने के कारण दिल्ली के कारोबारियों और पर्यटन क्षेत्र का बड़ा नुकसान हुआ है। इस बारे में चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल के अनुसार, इंडिगो संकट के कारण सिर्फ दिल्ली के व्यापार, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों को अब तक करीब 1000 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान हो चुका है। बीते 10 दिनों में दिल्ली में यात्रियों/ लोगों (फुटफॉल) की संख्या में 25 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। दिल्ली के कई सारे होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट्स और रिसोर्ट की हजारों बुकिंग रद्द हो चुकी है। वहीं प्रगति मैदान और आनंद मंडपम में लगी बड़ी प्रदर्शनियों (जैसे आटोमोबाइल, हैंडलूम, टेक्सटाइल) में अनुमान के मुताबिक फुटफॉल नहीं दिखा, क्योंकि हजारों व्यापारी और पर्यटक फ्लाइट रद्द होने के कारण दिल्ली नहीं पहुंच सके हैं। बता दें कि दिल्ली एयरपोर्ट से रोजाना यात्रा करने वाले लगभग 50,000 व्यापारियों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है, जिससे दिल्ली के बाजारों का व्यापार प्रभावित हुआ है।

वहीं बीते आठ दिनों से इंडिगो का संचालन पूरी तरह से ट्रैक पर नहीं आ सका है। संकट शुरू होने से अब तक 4500 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही है। यह समय (दिसंबर-जनवरी मध्य तक) दिल्ली में पर्यटन का मुख्य मौसम होता है, लेकिन संकट से क्रिसमस और न्यू ईयर की बुकिंग पर भी असर पड़ा है। पर्यटकों के होटल, टूरिस्ट व्हीकल, टूरिस्ट गाइड, रेस्टोरेंट की बुकिंग के साथ-साथ डेस्टिनेशन वेडिंग जैसे आयोजनों को भी भारी नुकसान हुआ है, जहाँ मेहमान और कुछ मामलों में दुल्हा-दुल्हन के परिवार वाले भी नहीं पहुँच पाए। इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में लगातार गिरावट जारी है, और संकट शुरू होने से अब तक यह 12 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुका है। कंपनी का मार्केट कैपिटल (बाजार पूंजीकरण) भी 40,000 करोड़ रुपये के आस-पास कम हो गया है।

पर्यटन और व्यापार पर असर

दिल्ली में यह संकट उस समय आया है जब टूरिज्म का मौसम (जनवरी के मध्य तक) चल रहा है। बाजार जानकार के अनुसार, इंडिगो संकट के चलते क्रिसमस और न्यू ईयर की बुकिंग पर असर पड़ा है। वहीं एक अन्य कारोबारी ने बताया कि दिल्ली के व्यापार को 1000 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। पर्यटकों के होटल, टूरिस्ट व्हीकल, टूरिस्ट गाइड, और रेस्टोरेंट की पहले से हुई बुकिंग कैंसिल हो गई है। डेस्टिनेशन वेडिंग जैसे आयोजनों को भी भारी नुकसान हुआ है, क्योंकि मेहमानों के साथ-साथ कुछ मामलों में दुल्हा-दुल्हन के परिवार वाले भी नहीं पहुंच पाए।